epaper.dehatsandesh.com

3 तरूण चुघ ने पंडित प्रेमनाथ डोगरा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की

5 डोपिंग में फंसी मैराथन वर्ल्ड रिकार्ड धारक रूथ चेप्नगेटिच, तीन साल के लिए बैन

8 अनार की वैज्ञानिक खेती

मौसम जम्मू — न्यूनतम 17, अधिकतम 27

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-262 | जम्मू तवी, शनिवार 25 अक्तूबर, 2025 | मूल्य-2 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

370 के निरस्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर में हुए पहले राज्यसभा चुनाव में नेकॉ ने तीन और भाजपा ने एक सीट जीती

श्रीनगर, 24 अक्टूबर । नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर से राज्य सभा की चार में से तीन सीटें जीत लीं जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक सीट जीतने में कामयाब रही। यह चुनाव कड़े राजनीतिक दांव-पेंच से भरा रहा।

अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर की चार राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव हुए। यह पहली बार है जब केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर से संसद के ऊपरी सदन के सदस्य चुने गए हैं। इससे पहले दिन में श्रीनगर स्थित विधानसभा परिसर में मतदान हुआ, जहां विधायकों ने तीन मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। एनसी के चौधरी मुहम्मद रमजान, सज्जाद किचलू और गुरविंदर सिंह ओबेरॉय विजयी हुए जबकि भाजपा के सत शर्मा ने चौथी सीट जीती। अंतिम सीट के लिए मुकाबला मतगणना के अंतिम दौर तक अनिश्चित बना रहा, दोनों ही दलों ने अपनी संख्या पर विश्वास जताया। कांग्रेस, पीडीपी, माकपा और कई निर्दलीय उम्मीदवारों के समर्थन से नेशनल कॉन्फ्रेंस को तीन सीटों में आरामदायक बहुमत मिला जबकि भाजपा ने अपने गुट के भीतर अनुशासित मतदान के ज़रिए एक सीट पर कब्ज़ा बनाए रखा। दोनों पक्षों के पार्टी नेताओं ने इस परिणाम को विधानसभा में अपनी-अपनी ताकत का परिचायक बताया। उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर में सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस की राज्य सभा की सभी चार सीटों पर कब्ज़ा करने की योजना को भाजपा ने पटरी से उतार दिया। अपनी शांत लेकिन सोची-समझी राजनीतिक चालों के लिए जाने जाने वाले 48 वर्षीय भाजपा नेता सुनील शर्मा पिछले दो हफ़्तों से चौथी सीट पर भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए पर्दे के पीछे काम कर रहे थे। कांग्रेस, पीडीपी और सभी निर्दलीय विधायकों द्वारा दिन में ही नेशनल कॉन्फ्रेंस को अपना समर्थन सार्वजनिक रूप से घोषित करने के बाद पार्टी के लिए हालात बहुत ज़्यादा खराब थे।

राज्यसभा चुनाव में मिली क्लीन स्वीप जीत का जश्न मनाया

जम्मू, 24 अक्टूबर। जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के जम्मू प्रांत के नेताओं ने हाल ही में संपन्न राज्यसभा चुनावों में पार्टी के विजयी उम्मीदवारों चौधरी रमज़ान, सज्जाद अहमद किचलू और शमी ओबेरियो को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। यहाँ जारी एक संयुक्त बयान में प्रांतीय नेताओं ने एनसी उम्मीदवारों की सफलता की सराहना करते हुए इसे पार्टी के दृष्टिकोण, प्रतिबद्धता और जम्मू-कश्मीर के लोगों के राजनीतिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लंबे

समय से चले आ रहे संघर्ष में लोगों के विश्वास का प्रतिबिंब बताया।उन्होंने कहा कि यह जीत राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की आवाज़ को और मज़बूत करेगी और जम्मू-कश्मीर के लोगों के हितों और आकांक्षाओं की रक्षा में इसकी भूमिका को और मज़बूत करेगी। नेताओं ने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि नवनिर्वाचित प्रतिनिधि नेशनल कॉन्फ्रेंस के आदर्शों और सिद्धांतों को कायम रखेंगे और जम्मू-कश्मीर के सभी क्षेत्रों में शांति, प्रगति और समान विकास के लिए अथक प्रयास करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने रोजगार मेले को संबोधित किया

आज की गई नियुक्तियां केवल सरकारी नौकरियां नहीं हैं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने के अवसर हैं: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रोजगार मेले को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि इस वर्ष का प्रकाश पर्व दिवाली, सभी के जीवन में नई रोशनी लेकर आया है। त्योहारों के बीच स्थायी नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र मिलने से त्योहार की प्रसन्नता और रोजगार की सफलता- दोनों की खुशी मिलती है। श्री मोदी ने बताया कि यह प्रसन्नता आज देश भर के 51,000 से अधिक युवाओं को प्राप्त हुई है। प्रधानमंत्री ने उनके परिवारों को इससे मिलने वाली असीम प्रसन्नता की बात की और नियुक्ति पाने वाले सभी युवकों और उनके परिवार के सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने उनके जीवन की इस नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दीं।

श्री मोदी ने नवनियुक्त युवाओं में उत्साह, कड़ी मेहनत की क्षमता और पूरे हुए सपनों से उपजे आत्मविश्वास को रेखांकित करते हुए कहा कि जब यह भावना राष्ट्र सेवा के जुनून के साथ जुड़ जाती है, तो उनकी सफलता व्यक्तिगत उपलब्धि से बढ़कर देश की सफलता बन जाती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज की नियुक्तियां केवल सरकारी नौकरियां नहीं हैं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने के अवसर हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नियुक्त व्यक्ति निष्ठा और ईमानदारी से काम करेंगे और भारत के भविष्य के लिए बेहतर व्यवस्थाएं बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रधानमंत्री ने नवनियुक्त लोगों से नागरिक देवो भव के मंत्र को न भूलने और सेवा व समर्पण की भावना को कायम रखते हुए काम करने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा, पिछले 11 वर्षों से राष्ट्र एक विकसित भारत के निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है और इस यात्रा में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि युवा सशक्तिकरण उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। उन्होंने कहा कि रोजगार मेले युवा भारतीयों की आकांक्षाओं को पूरा करने का एक सशक्त माध्यम बन गए हैं और हाल के

"जब युवा सफल होते हैं, तो राष्ट्र सफल होता है- प्रधानमंत्री

दिनों में इन मेलों के माध्यम से 11 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं। श्री मोदी ने कहा कि ये प्रयास केवल सरकारी नौकरियों तक ही सीमित नहीं हैं। सरकार ने साढ़े तीन करोड़ युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लक्ष्य के साथ प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना आरंभ की है। उन्होंने कहा कि कौशल भारत मिशन जैसी पहल युवाओं को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान कर रही है, जबकि राष्ट्रीय करियर सेवा जैसे मंच नए अवसरों से जोड़ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस मंच के माध्यम से 7 करोड़ से अधिक रिक्तियों की जानकारी युवाओं के साथ साझा की जा चुकी है।

खबर संक्षेप

श्रीनगर-कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस 29 अक्टूबर से रियासी स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर रुकेगी

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। उत्तर रेलवे 29 अक्टूबर से प्रायोगिक तौर पर कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस के लिए रियासी स्टेशन पर एक अतिरिक्त ठहराव प्रदान करेगा, अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वर्तमान में, इस सेमी-हाई स्पीड ट्रेन का कटरा और श्रीनगर के बीच बनिहाल में केवल एक स्टॉप है। एक आधिकारिक आदेश के अनुसार, वंदे भारत एक्सप्रेस रियासी में दोनों दिशाओं में दो मिनट के लिए रुकेगी। आदेश में कहा गया है, वाणिज्य विभाग से अनुरोध है कि वह स्टेशनों पर टिकटों की बिक्री पर कड़ी नज़र रखे और समीक्षा के लिए पाँच महीने के भीतर इस कार्यालय को एक रिपोर्ट भेजे। इसमें आगे कहा गया है, इस कार्यालय द्वारा सलाह दिए जाने तक ठहराव वापस नहीं लिया जाना चाहिए। 6 जून को, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में कटरा और श्रीनगर के बीच वंदे भारत ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाई, जो कश्मीर घाटी और जम्मू क्षेत्र के बीच पहली रेल सेवा है। इसके शुभारंभ के बाद से, पहली बार स्थानीय माँगों पर अतिरिक्त ठहराव दिया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि इस रेलवे लाइन के खुलने से जम्मू और श्रीनगर के बीच पूरी परिवहन व्यवस्था बदल गई है और वंदे भारत ट्रेन को यात्रियों से भारी प्रतिक्रिया मिली है।

आगामी दरबार स्थानांतरण सत्र 2025-26 की व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए मुख्यमंत्री ने एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की

श्रीनगर, 24 अक्टूबर । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आगामी दरबार स्थानांतरण सत्र 2025-26 की व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की जिसमें श्रीनगर से जम्मू कार्यालयों के सुचारू, सुरक्षित और समन्वित स्थानांतरण को सुनिश्चित करने पर ज़ोर दिया गया।

शुरुआत में सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) के आयुक्त सचिव एम. राजू ने दरबार स्थानांतरण काफिले की परिवहन व्यवस्था और रसद संबंधी पहलुओं पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी।मुख्यमंत्री ने जेकेआरटीसी और यातायात विभाग के प्रबंध निदेशक को कर्मचारियों और उपकरणों की सुरक्षित और कुशल आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए लगातार दो दिनों 1 और 2 नवंबर, 2025 के लिए अतिरिक्त बसों की व्यवस्था करने और काफिले की

व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

उन्होंने स्थानांतरण के दौरान परेशानी मुक्त परिवहन के लिए विभागों के बीच सावधानीपूर्वक समन्वय पर ज़ोर दिया।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा और यातायात प्रबंधन योजना और स्थानांतरण कर्मचारियों के लिए आवासीय आवास की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने पुलिस विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों को व्यापक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने पर ज़ोर दिया, खासकर उन सभी आवासीय क्षेत्रों में जहाँ कर्मचारी रहेंगे।

बैठक में यह भी बताया गया कि मार्ग पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध रहेगी, कश्मीर और जम्मू दोनों संभागों में 19 डॉक्टर, 40 पैरामेडिक्स और 10-10 एम्बुलेंस तैनात हैं, इसके अलावा सात एम्बुलेंस स्टैंडबाय मोड पर रखी गई हैं।

मुख्यमंत्री ने आवास संबंधी मुद्दों को हल करने और आवासीय क्वार्टरों की तैयारी सुनिश्चित करने के लिए एसीएस एस्टेट्स की अध्यक्षता में एक समिति के गठन का निर्देश दिया जिसमें जीएडी, एआरआई और प्रशिक्षण, और आवास एवं शहरी विकास विभाग के सदस्य शामिल होंगे।

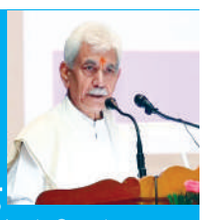

उपराज्यपाल ने श्रीनगर में एनईपी कॉन्क्लेव 2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य असमानता को कम करना और उच्च शिक्षा में अवसरों का विस्तार करना है

श्रीनगर, 24 अक्टूबर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित एनईपी कॉन्क्लेव-2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। इस अवसर पर बोलते हुए उपराज्यपाल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के त्वरित क्रियान्वयन के लिए सभी हितधारकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि जम्मू-कश्मीर देश में उन अग्रणी केंद्रशासित प्रदेशों में शामिल है, जिसने अपने सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू किया है। उपराज्यपाल ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर के विश्वविद्यालय और कॉलेज ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहे हैं, जो नवाचार और अग्रणी अनुसंधान के लिए एक उत्प्रेरक सिद्ध होगा। उपराज्यपाल ने कहा 卐हम एक ऐसा भविष्य-तैयार शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र बना रहे हैं, जो समावेशी, नवोन्मेषी और प्रभावशाली हो। हमारा उद्देश्य जम्मू-कश्मीर के प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी क्षमता का एहसास कराने, विकसित भारत/2047 की भावना को बनाए रखने और राष्ट्र की प्रगति की कहानी में एक गौरवपूर्ण सहभागी के रूप में उभरने में सक्षम बनाना है।卐 उपराज्यपाल ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर उच्च शिक्षा प्रणाली में सुधार और

"हम एक भविष्य-तैयार अकादमिक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहे हैं जो समावेशी, नवोन्मेषी और प्रभावशाली है: उपराज्यपाल

सशक्तिकरण की दिशा में एक आंदोलन का निर्माण कर रहा है। उन्होंने कहा कि '.त्रिम बुद्धिमत्ता का युग' और पारंपरिक भारतीय आदर्श मिलकर विकसित भारत के सपने को साकार करेंगे। उच्च शिक्षण संस्थानों में तकनीकी प्रगति और भारतीय जीवन मूल्यों का समावेश भविष्य की चुनौतियों का समाधान करेगा और सशक्त आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य असमानता को कम करना और उच्च शिक्षा में अवसरों का विस्तार करना है, ताकि भावी .ष्टिकोण अपनाकर युवाओं को आलोचनात्मक चिंतन और आजीवन सीखने की क्षमता से सुसज्जित किया जा सके। उपराज्यपाल ने कहा 卐हमारे उच्च शिक्षण संस्थानों ने अंतर्विषयक और परियोजनाधारित शिक्षण को अपना लिया है, जिससे हम पारंपरिक विषयों की सीमाओं से आगे बढ़ रहे हैं।

मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 के हटने के बाद जम्मू-कश्मीर की तकदीर बदल दी : रिजिजू

जम्मू तवी, 24 अक्टूबर। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को कहा कि अनुच्छेद 370 के हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में जो विकास हुआ है, वह अभूतपूर्व है और इस क्षेत्र के शासन और बुनियादी ढाँचे में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, जहाँ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रोज़गार मेले के तहत नव-नियुक्त उम्मीदवारों को वर्चुअली संबोधित किया, रिजिजू ने कहा कि मोदी सरकार के सत्ता में आने और अनुच्छेद 370 के हटने के बाद जम्मू-कश्मीर की किस्मत बदल गई। रिजिजू ने कहा, मैं बचपन से ही कश्मीर आता रहा हूँ। मैं 70, 80, 90 के दशक और 2000 के बाद भी यहाँ आया। 2014 के बाद जम्मू-

कश्मीर में जो विकास हुआ है, वह पहले कभी नहीं देखा गया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अब हर ज़िले में खेल सुविधाएँ, ऑडिटोरियम और प्रशिक्षण केंद्र हैं। उन्होंने कहा, जब मैं क़ानून मंत्री था, तब अदालतों की इमारतें और उच्च न्यायालय परिसर की नींव रखी गई थी। मैंने विभिन्न विभागों में काम किया है और इस बदलाव को क़रीब से देखा है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद, इस क्षेत्र का भाग्य खुल गया है। उन्होंने कहा कि सरकार का ध्यान अब शांति बनाए रखने और सभी क्षेत्रों में विकास सुनिश्चित करने पर है। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर को शांति के साथ आगे बढ़ना है और दुनिया इसे देखना चाहती है। यह एक खूबसूरत जगह है और अगर यहाँ शांति और विकास होगा, तो यह और भी आगे बढ़ेगा। बिहार के बारे में एक सवाल के जवाब में, रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का राज्य का दौरा एक महत्वपूर्ण अभियान की शुरुआत है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री कर्पूरी ठाकुर की जन्मस्थली से अपना अभियान शुरू कर रहे हैं, जो एक बड़ा संदेश देगा।

जनजातीय विद्यार्थियों के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 16.65 करोड़ रुपये की पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति स्वीकृत

कोई भी जनजातीय विद्यार्थी आर्थिक तंगी के कारण शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा-जावेद राणा

श्रीनगर 24 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति (जनजातीय) योजना के अंतर्गत 16.65 करोड़ रुपये की राशि को स्वीकृत कर दिया है।

इस आवंटन में 14.99 करोड़ रुपये रुपये केंद्रांश और 1.66 करोड़ रुपये केंद्रशासित प्रदेश अंश शामिल हैं, जो भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय की केन्द्रीय प्रायोजित योजना के तहत प्रदान किए गए हैं।

राशि को बीईएएमएस के माध्यम से एसएनए स्पर्श प्लेटफ़ॉर्म से जारी किया गया है, जिससे लाभार्थियों को पारदर्शी, प्रभावी और समयबद्ध तरीके से राशि का हस्तांतरण सुनिश्चित हो।

यह पहल उमर अब्दुल्ला सरकार की जनजातीय युवाओं को शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाने और उच्च शिक्षा में वित्तीय बाधाओं को घटाने की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

जनजातीय कार्य मंत्री, जावेद अहमद राणा ने घोषणा करते हुए कहा कि बढ़ा हुआ आवंटन सरकार के इस संकल्प को और मजबूत करता है कि जनजातीय युवाओं को उच्च शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास के अवसरों तक पहुंच प्रदान कर उन्हें मुख्यधारा में लाया जाए।

मंत्री ने कहा उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है कि कोई भी पात्र जनजातीय विद्यार्थी आर्थिक कठिनाई के कारण शिक्षा से वंचित न रह जाए।

यह पहल समानता, अवसर और सामाजिक न्याय के प्रति हमारी अटल प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

आतंकवादियों के खिलाफ जारी रहेगा ऑपरेशन सिंदूर: राजनाथ

श्रीनगर, 24 अक्टूबर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को केंद्र शासित प्रदेश में शांति स्थापित करने में अहम भूमिका निभाने के लिए सेना की सराहना करते हुए कहा कि अनुच्छेद 370 के हटने के बाद जम्मू-कश्मीर की सड़कें अशांति की बजाय उम्मीदों से भरी हैं। जैसलमेर में चल रहे सेना कमांडरों के सम्मेलन में बोलते हुए, राजनाथ सिंह ने कहा, अनुच्छेद 370 को हटाने के प्रधानमंत्री मोदी के ऐतिहासिक कदम ने जम्मू-कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों के साथ एकीकृत कर दिया है। अनुच्छेद 370 के हटने के बाद, इस क्षेत्र की सड़कें अब अशांति की बजाय उम्मीदों से भरी हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग अपने भविष्य के सुरक्षित होने को लेकर आश्वस्त हैं। सिंह ने कहा, वे अपने भाग्य के निर्माता खुद बन गए हैं क्योंकि निर्णय लेना उनके अपने हाथों में है। रक्षा मंत्री ने कहा कि सेना जम्मू-कश्मीर में शांति का एक स्तंभ रही है और इस क्षेत्र में शांति स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।ऑपरेशन सिंदूर को भारत के सैन्य कौशल और राष्ट्रीय चरित्र का प्रतीक बताते हुए, सिंह ने कहा कि यह सैनिकों द्वारा यह प्रदर्शित करता है कि उनकी ताकत केवल हथियारों में ही नहीं, बल्कि उनके नैतिक अनुशासन और रणनीतिक स्पष्टता में भी निहित है। ऑपरेशन सिंदूर इतिहास में न केवल एक सैन्य अभियान के रूप में, बल्कि राष्ट्र के साहस और संयम के प्रतीक के रूप में भी दर्ज किया जाएगा।

मुख्य सचिव ने 'नशामुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान' को सशक्त बनाने के लिए जमीनी स्तर पर जनपहुंच और परामर्श की आवश्यकता पर बल दिया

श्रीनगर, 24 अक्टूबर। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने 'नशामुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान' की प्रगति और प्रभाव की समीक्षा हेतु बैठक की अध्यक्षता की। यह अभियान केंद्रशासित प्रदेश के सभी जिलों में सूचना विभाग द्वारा संचालित एक गहन जनजागरूकता पहल है।

बैठक में पुलिस महानिदेशक, गृह विभाग के प्रमुख सचिव, सूचना विभाग के आयुक्त सचिव, सामाजिक कल्याण विभाग के आयुक्त सचिव, जम्मू, कश्मीर के मंडलायुक्त, अपराध पुलिस महानिरीक्षक, स्वास्थ्य सचिव, ग्रामीण विकास सचिव, सूचना एवं जनसंपर्क निदेशक, स्कूल शिक्षा निदेशक (जम्मू, कश्मीर) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। सभी जिलों के उपायुक्तों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया।

मुख्य सचिव ने पंचायत राज संस्थाओं, नगर निकायों और विद्यालयों की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए एक निरंतर और सामुदायिक-संचालित जागरूकता अभियान की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने जमीनी स्तर पर क्षमता निर्माण को महत्वपूर्ण बताया और निर्देश दिया कि पैरामेडिकल स्टाफ विद्यालय शिक्षकों तथा स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को आईएमएचएएनएस के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाए। ये प्रशिक्षित व्यक्ति प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, विद्यालयों और ग्रामीण समुदायों में काउंसलर के रूप में कार्य करेंगे ताकि नशे की लत का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सके।

15वीं कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग ने नागरिक-सैन्य समन्वय के मुद्दों पर चर्चा हेतु मुख्य सचिव से मुलाकात की

श्रीनगर, 24 अक्टूबर। कश्मीर घाटी में सैन्य अभियानों की देखरेख करने वाले 15वीं कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेटिनेंट जनरल प्रशांत श्रीवास्तव ने आज मुख्य सचिव अटल डुल्लू से यहां नागरिक सचिवालय स्थित उनके कार्यालय कक्ष में मुलाकात की।

बैठक में क्षेत्र में जन कल्याण और सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न विकासात्मक और प्रशासनिक पहलों के निर्बाध क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने हेतु नागरिक-सैन्य समन्वय को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। बातचीत के दौरान, दोनों पक्षों ने नागरिक प्रशासन और सुरक्षा बलों के बीच संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता वाले प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। विचार-विमर्श में कई निर्णयों के सुचारू कार्यान्वयन और जनता की भलाई के लिए सहयोग को और सुगम बनाने के उपायों से संबंधित पहलुओं पर चर्चा की गई।

नवंबर के अंत तक JKBOSE मुफ्त पाठ्यपुस्तकें वितरित करेगा

श्रीनगर, 24 अक्टूबर। जम्मू और कश्मीर विद्यालयी शिक्षा बोर्ड (BOSE) ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह नवंबर के अंत तक 8वीं कक्षा तक मुफ्त पाठ्यपुस्तकें वितरित करना शुरू कर देगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सभी योग्य छात्रों को दिसंबर के पहले सप्ताह तक ये पाठ्यपुस्तकें मिल जाएँ।एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, BOSE के सचिव गुलाम हसन शेख ने पिछले साल हुई देरी को स्वीकार किया और शैक्षणिक सत्रों में बदलाव और बोर्ड के नियंत्रण से बाहर के कारकों का हवाला दिया। उन्होंने कहा, इस साल, हम पूरे कश्मीर में समय पर पाठ्यपुस्तकें वितरित करना सुनिश्चित करेंगे।

केंद्र शासित प्रदेश सरकार लद्दाख को शिक्षा, खेल और संस्कृति का केंद्र बनाने के लिए प्रतिबद्धः उपराज्यपाल कविंदर

कारगिल, 24 अक्टूबर । लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने आज लद्दाख में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और खेलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के महत्व पर ज़ोर दिया और इसे छात्रों के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के साथ-साथ आत्मविश्वास, नेतृत्व और टीम वर्क कौशल का निर्माण करते हैं।

यह लैंगिक रूढ़िवादिता को तोड़ने, सामाजिक समावेश को बढ़ावा देने और छात्रों को भविष्य की पेशेवर और व्यक्तिगत चुनौतियों के लिए तैयार करने में भी मदद करता है।

उपराज्यपाल लद्दाख विश्वविद्यालय, कारगिल परिसर द्वारा भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के सहयोग से आयोजित उत्तर क्षेत्र महिला कबड्डी चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे।

भारत भर से 48 विश्वविद्यालयों की रिकॉर्ड तोड़ भागीदारी वाली इस प्रतिष्ठित क्षेत्रीय और अंतर-क्षेत्रीय महिला कबड्डी चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए लद्दाख विश्वविद्यालय की सराहना करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि यह पहल लद्दाख में बढ़ती खेल संस्कृति और खेलों में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने छात्रों के बीच खेल और फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय के निरंतर प्रयासों की सराहना की।

साभार : अशोक कुमार मुनडेतिया

ग्लैमरस

सा अशोक

करियर: फैशन डिजाइनिंग

क्या है फैशन डिजाइनिंग फैशन डिजाइनिंग व्यावहारिक कला का एक रूप है जो हमारे कपड़ों, एसेसरीज और जीवनशैली में निखार लाती है। फैशन डिजाइनिंग में कपड़ों से लेकर ज्वैलरी तथा पर्स से लेकर शूज तक सभी चीजें आती हैं।

डिजाइनर अपने ग्राहक वर्ग की रुचि और जरूरत को समझकर अपने डिजाइन को मौसम और ट्रेंड के मुताबिक मार्केट में उतारता है। आज फैशन जगत में डिजाइनरों की बहुत माँग है। फैशन डिजाइनिंग में क्रिएटीविटी की माँग होती है। फैशन का मतलब केवल नए डिजाइन किए हुए कपड़े नहीं बल्कि उसे पहनने के सलीके से लेकर उसमें लगने वाली एसेसरीज आदि भी फैशन डिजाइनिंग क्षेत्र में आती है।

फैशन डिजाइनिंग वर्तमान समय में सबसे ज्यादा ग्लैमर प्रोफेशनल है इसलिए फैशन डिजाइनिंग में अच्छा करियर के अवसर हैं। एक प्रशिक्षित फैशन डिजाइनर इस इंडस्ट्री के विभिन्न क्षेत्रों में जैसे डिजाइन वियर प्रोडक्शन, फैशन मार्केटिंग, क्वालिटी

कंट्रोल आदि में कार्य कर सकता है। इसके अतिरिक्त कॉस्टयूम डिजाइनर, पर्सनल स्टाइलिस्ट, फैशन को-ऑर्डिनेटर, फैब्रिक बायर के क्षेत्रों में भी कार्य किया जा सकता है। यह कोर्स कर अपना खुद का बिजनेस भी शुरू किया जा सकता है जैसे फैशन शो ऑर्गेनाइजर, गारमेंट स्टोर चेन, बुटीक, ज्वैलरी हाउस आदि।

कम्युनिकेशन अच्छा होना चाहिए

गत दस वर्षों में इस क्षेत्र में काफी बदलाव आए हैं। मुंबई में सालाना फैशन वीक होने लगे हैं और इसमें नामी-गिरामी फैशन डिजाइनरों के अलावा नवोदित फैशन डिजाइनरों को भी अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का मौका दिया जाता है। इस क्षेत्र में आपको कलात्मक होना जरूरी है। साथ ही आपको लगातार नवीन डिजाइन देने के लिए काफी मेहनत व रिसर्च भी करना पड़ता है। अगर आप कोई कंसेप्ट पर कार्य कर रहे हैं तब इस बात का ध्यान रखना पड़ता है कि उसमें प्रयुक्त डिजाइन पहले किसी और डिजाइनर ने तो नहीं बनाया आदि बातों पर भी गौर करना पड़ता है।

ऑनलाइन एम. बी. ए.

इंटरनैट के आगमन से तथा टैक्नोलॉजी में अभूतपूर्व प्रगति के चलते स्कूलों तथा कालेजों में ऑनलाइन एजुकेशन का महत्व समझा जाने लगा है। जो वर्किंग प्रोफैशनल्स एक फुल टाइम अटैंडैंस आधारित एम.बी.ए. नहीं कर सकते उनके लिए विभिन्न स्कूल ऑनलाइन एम.बी.ए. कोर्स उपलब्ध करवा रहे हैं। ई.एम.बी.ए. या ऑनलाइन एम.बी.ए. पढ़ाई के साथ-साथ काम कर रहे छात्रों के लिए एक बढ़िया विकल्प है। ऑनलाइन एम.बी.ए. करते हुए एक रैगुलर एम.बी.ए.प्रोग्राम द्वारा उपलब्ध करवाई जाने वाली फाइनैंस, मार्कीटिंग, इंटरनैशनल बिजनैस तथा कई अन्य विशेषज्ञताओं पर आप ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं।

■ **ऑनलाइन एम.बी.ए. के लाभ**

ऑनलाइन एम.बी.ए. का सर्वाधिक आम लाभ है आपकी इच्छा अनुसार पढ़ने की लचकता। इसमें आप समय से बंधे नहीं रहते और अपनी वर्किंग लाइफ में ऑनलाइन शैड्यूल्स तय कर सकते हैं। एक व्यस्त मां तब ऑनलाइन स्टडी कर सकती है जब उसके बच्चे सो रहे हों या कोई एग्जीक्यूटिव देर रात तक पढ़ सकता है। सब कुछ आप पर निर्भर करता है।

एम.बी.ए. करने की इच्छुक श्रीना मेहता कहती हैं, ''मैं ऑनलाइन एम.बी.ए. करना चाहूंगी क्योंकि ये प्रोग्राम मुझे अपनी गति से अपनी वर्तमान जॉब करते हुए कोर्स करने का आवसर देता है। मुझे अपनी जॉब के वातावरण में एक साथ

अधिक सीखने और काम करने का मौका मिलता है। साथ ही मुझे अपने ज्ञान को व्यावहारिक रूप से लागू करने का भी अवसर मिलता है। इससे मेरे अनुभव में बढ़ौतरी होती है।''ऑनलाइन एम.बी.ए. प्रोग्राम्स के खर्चे किसी यूनिवर्सिटी में एक फुल टाइम प्रोग्राम के मुकाबले काफी कम होते हैं। उदाहरण के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के इम्पीरियल कालेज में ऑनलाइन एम.बी.ए. का खर्चा 34 हजार पौंड पड़ता है जिसमें रहने-खाने का लगभग 10 हजार पौंड का खर्चा शामिल नहीं है। जबकि ऑनलाइन एम.बी.ए. का खर्चा मात्र 24 हजार पौंड के लगभग पड़ता है। फिनिक्स यूनिवर्सिटी के ऑललाइन प्रोग्राम का खर्चा लगभग 35 हजार डालर है जबकि अमेरिका में रैगुलर एम.बी.ए. प्रोग्राम का खर्चा 45 हजार डालर से लेकर 1 लाख 10 हजार डालर तक है। ऑनलाइन एम.बी.ए. का सबसे बड़ा लाभ यह है कि जब भी आपके पास टाइम हो आप अपने फोरम्स तथा परीक्षाएं अटैंड कर सकते हैं। इसके साथ ही अपनी क्लासिज का रिव्यू करना भी काफी फायदेमंद है। आपके सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी व्यक्तिगत निपुणताओं तथा ज्ञान को दूसरों तक पहुंचाने की होती है और नैटवर्क पुरी तरह वर्चुअल है। इंटरनैट आपको विभिन्न संस्कृतियों तथा सामाजिक निपुणताओं से अवगत करवाता है। इंटरनैट पर लिखे गए शब्द अधिक स्पष्ट होते हैं। छात्रों में ऑनलाइन एम.बी.ए. के प्रति जो सबसे बड़ी चिंता व्याप्त रहती है, वह यह डर है कि इनमें छात्रों के बीच अंतक्रिया नहीं होती और इस तरह सीखने की प्रक्रिया अधूरी रहती है। यह कई ऑनलाइन प्रोग्राम्स के साथ सच हो सकता है परन्तु अधिकतर एम.बी.ए. ऑनलाइन प्रोग्राम्स आपको ऑनलाइन क्लासिज अटैंड करने का अवसर प्रदान करते हैं। दूसरी चिंता जो छात्रों में व्याप्त रहती है वह है प्राप्त होने वाली डिग्री की वैधता इसलिए यह बात अत्यधिक महत्वपूर्ण है कि आप अपनी एनरोलमैंट से पहले प्रोग्राम की वैधता को अच्छी रतह चैक कर लें।

सीमित दोस्ती व अच्छा व्यवहार दे ऑफिस में पहचान

हर व्यक्ति की दो पर्सनालिटी होती है. एक वह जिसे प्रोफेशनल लाइफ में जीता है और दूसरी वह जिसे अपनों के साथ जीता है. सभी अपनी पूरी कोशिश करते हैं कि वे ऑफिस में खुद को सबसे अच्छा साबित कर पायें. पर यह आसान काम नहीं होता है. अपने काम, व्यवहार के अलावा भी कई बातें मायने रखती हैं. आपको काम में आनंद लेने के तरीके आने चाहिए. काम करने का ऐसा ढंग अपनाना होगा, जिससे आपके काम में क्वालिटी के साथ रचनात्मकता दिखे. समय के पाबंद रहें, क्योंकि आज का दौर प्रतियोगिता का है. वह दौर गया जब आप किसी छोटे-से-छोटे काम में घंटों लगाते थे और खुद को काफी मेहनती बताते थे. अब कितनी जल्दी आप कितना बेहतर काम करते हैं, वह मायने रखता है. खुद को सबसे अच्छा साबित करने के लिए कुछ विशेष बातों पर ध्यान देना जरूरी है.

खुद को प्रस्तुत करने की कला जरूरी

अच्छा काम कीजिए और लोगों को जानने दीजिए कि आप अच्छा काम करते हैं. सिर्फ अच्छा काम करने से ही काम नहीं चलता, बल्कि आपके बॉस को, कंपनी की मैनेजमेंट टीम को पता होना चाहिए कि आप अच्छा काम कर रहे है. किसी भी कंपनी में कुछ ही लोग अच्छा काम करनेवाले होते हैं. ऐसे में आपको अपनी जगह बनाने में वक्त नहीं लगेगा. यदि आप अपने काम में आनंद लेते हैं, उसके लिए आपके मन में रचनात्मकता है, तो यह खुद-ब-खुद भी दिखता है.

बेहतर व्यवहार के साथ पेश आएं

नौकरी में सफलता आपके ज्ञान और स्मार्टनेस पर तो निर्भर करती ही है, साथ ही आपके एटिट्यूड, कोऑपरेशन और विलिंगनेस पर ज्यादा निर्भर करती है. आपको यह जाहिर करना होगा कि आप हर जगह सबके साथ ठीक से सामंजस्य स्थापित कर पा रहे हैं. टीम के तौर पर काम करना आज के समय के लिए बेहद जरूरी है. किसी भी परिस्थिति में रात हो या दिन, काम के लिए तैयार रहें. कंपनियां ऐसे व्यक्ति की ही तलाश में रहती हैं, जो हर स्तर के लोगों के साथ काम करने में सहज महसूस करते हों. ऐसे व्यक्ति होने चाहिए, जिन्हें अपने ज्ञान, जानकारी, गुण, मूल्यों को दूसरों से बांटने में जरा भी दिक्कत न हो.

प्रोफेशनल जिंदगी में दोस्ती जरूरी

अपने वर्कप्लेस में प्रोफेशनल दोस्ती बहुत जरूरी है. कठिन समय में यही आपके काम आती है. अपने शैक्षणिक, सामाजिक और प्रोफेशनल जिंदगी में संपर्क बनाते रहना चाहिए. यही भविष्य में बुरा समय आने पर आपकी मदद करते हैं. इसलिए प्रोफेशनल दोस्ती बेहद जरूरी है, यही आपको आपके कैरियर में ऊपर तक पहुंचा सकती है. लोग आपके बारे में वही सोचते हैं, जिस तरह आप दिखते हैं. इसलिए स्मार्ट दिखने की कोशिश कीजिए. अपने आसपास के लोगों से बातें कीजिए. संभव है कि आप अपनी वर्तमान नौकरी के अलावा किसी दूसरी कंपनी में बेहतर भविष्य देखें.

टेक्नोसेवी बनें

आज जब सभी कंप्यूटर के पीछे पड़े हैं, तो आपको उन सबसे आगे निकलना होगा. हाइ टेक्नोलॉजी से खुद का परिचय करवाइए, क्योंकि इससे न केवल आपको लाभ होगा बल्कि आपकी कंपनी भी लाभ में रहेगी. संभव हो तो ऐसे किसी कोर्स में दाखिला लीजिए. उसे अपने बायोडाटा में संलग्न कीजिए, कंपनी को भी बताइए कि आपने इस कोर्स में दाखिला लिया है. प्रतिदिन टेक वर्ल्ड में अपनी सीमाओं को बढ़ाते जाइए. नयी तकनीक का इस्तेमाल कंपनी के फायदे के लिए कैसे किया जा सकता है. इसके बारे में भी सोचें.

अपनी प्रोफेशनल छवि को बेहतर बनाने के लिए कुछ खास करना पड़ता है. अन्य सहयोगियों से बेहतर करने के लिए खुद को नयी चीजों और जानकारियों से अपडेट रखिए. अपनी प्रोफेशनल छवि को निखारने के लिए रखें इन बिंदुओं का ख्याल..

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

छठ पर्व मनाने वाले श्रद्धालुओं के लिए खुशखबरी, पर्व से पहले कश्मीर नहर में छोड़ा जाएगा पानी

कठुआ, 24 अक्टूबर (हि.स.)। छठ पर्व मनाने वाले श्रद्धालुओं के लिए खुशखबरी है। छठ पर्व पर कठुआ शहर के बीचो-बीच निकलने वाली कश्मीर नहर में पानी छोड़ दिया जाएगा। पंजाब सिंचाई विभाग ने अस्थाई तौर पर इस नहर को तैयार किया है और लखनपुर स्थित माधोपुर बैराज से पानी को इस नहर में शुक्रवार को छोड़ दिया जाएगा।

दरअसल बीते महीने जम्मू कश्मीर के जिला कठुआ के रवि दरिया में भारी बारिश के चलते रणजीत सागर बांध से हजारों क्यूसेक पानी छोड़ा गया था, जिससे लखनपुर में स्थित नहर क्षतिग्रस्त हो गई थी। इस नहर का पानी कश्मीर कैनाल से होकर शहर से निकलता है और जिला के निचले इलाकों में किसानों की भूमि के लिए लाभदायक होता है। वहीं छठ पूजा के लिए नहर के किनारे बने घाटों पर पूजा-अर्चना की जाती है। श्रद्धालुओं में असमंजस की स्थिति बनी हुई थी कि क्या पता पानी नहर में आएगा या नहीं। लेकिन अब स्थिति स्पष्ट हो चुकी है और पंजाब सिंचाई विभाग ने अस्थाई रूप से इस नहर को तैयार कर पानी छोड़ दिया है। पंजाब सिंचाई विभाग ने अस्थाई तौर पर नहर को बहाल करने के लिए कड़ी मेहनत की है। विभाग के कार्यकारी अभियंता ने बताया कि शुक्रवार की रात को माधोपुर बैराज से कश्मीर नहर में पानी छोड़ दिया जाएगा। नहर में 1050 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है, जिसमें से 400 क्यूसेक पानी कठुआ नहर द्वारा जम्मू-कश्मीर को मिलेगा। श्रद्धालुओं ने पंजाब सिंचाई विभाग के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। उनका कहना है कि छठ पूजा के लिए नहर में पानी आने से उनकी पूजा-अर्चना पूरी हो सकेगी।

आरएसपुरा पुलिस स्टेशन में नव पदोन्नत अधिकारियों के लिए पाइपिंग समारोह आयोजित

जम्मू, 24 अक्टूबर (हि.स.)। आज पुलिस स्टेशन आर एस पुरा में एक साधारण लेकिन गरिमापूर्ण पाइपिंग समारोह आयोजित किया गया जिसमें पुलिस अधीक्षक मुख्यालय जम्मू इरशाद एच. राथर-जेकेपीएस ने सार्जेंट रशपाल कुमार, योगराज सिंह, सुरिंदर चौधरी और राकेश कुमार, जिन्हें हेड कांस्टेबल के पद पर पदोन्नत किया गया है को औपचारिक रूप से पाइपिंग की।

यह समारोह गर्व और उत्साह से भरा रहा क्योंकि वरिष्ठ अधिकारियों ने नव पदोन्नत अधिकारियों को बधाई दी और उन्हें और अधिक उत्साह, समर्पण और जिम्मेदारी की नई भावना के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस बात पर ज़ोर दिया गया कि पदोन्नति न केवल पिछली सेवाओं की मान्यता है, बल्कि जन सेवा और पेशेवर उत्कृष्टता के प्रति अधिक प्रतिबद्धता का आह्वान भी है।पुलिस अधीक्षक मुख्यालय जम्मू और एसडीपीओ आर एस पुरा ने पुलिस के क्षेत्र में उनके बहुमूल्य योगदान की सराहना करते हुए अधिकारियों की सेवाओं की सराहना की। उन्होंने उन्हें ईमानदारी, व्यावसायिकता और करुणा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन जारी रखने और अपनी नई भूमिकाओं में उच्च मानक स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया।उन्होंने उनके परिवारों को भी हार्दिक बधाई दी और उनके त्याग और सहयोग को स्वीकार किया जो पुलिसकर्मियों को समर्पण और साहस के साथ समुदाय की सेवा करने में सक्षम बनाता है। समारोह के बाद, पुलिस स्टेशन आर.एस.पुरा के जवानों के साथ एक मिलन समारोह का आयोजन किया गया जिससे पुलिस बल में सौहार्दपूर्ण माहौल, प्रेरणा और टीम वर्क की भावना को बल मिला।

उपराज्यपाल ने पश्मीना आर्टिसन अवार्ड्स समारोह में जम्मू-कश्मीर के शिल्पकारों को सम्मानित किया

श्रीनगर, 24 अक्टूबर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रीनगर में पश्मीना एंटरप्रेन्योर्स मेकर्स एंड आर्टिसंस फाउंडेशन द्वारा आयोजित पश्मीना आर्टिसन अवार्ड्स समारोह में लोगों को संबोधित करते हुए कहा स्थानीय उत्पाद खरीदें और हमारे महान शिल्पकारों को सशक्त बनाएं। देश के प्रत्येक घर को केंद्रशासित प्रदेश के प्रमुख शिल्पकारों द्वारा निर्मित एक रचनात्मक उत्पाद अवश्य खरीदना चाहिए। मुझे विश्वास है कि देश का बढ़ता मध्यम वर्ग, जो 2030 तक आधी आबादी से अधिक हो सकता है, जम्मू-कश्मीर के हस्तनिर्मित उत्पादों के लिए एक मजबूत घरेलू बाजार तैयार करेगा।

शिल्पकारों की कला और कौशल की सराहना करते हुए, उपराज्यपाल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर समृद्ध रचनात्मक परंपरा का भंडार है, जो अपने विशिष्ट और अभिनव हस्तनिर्मित उत्पादों में प्रकट होती है।

उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2020 से की गई विभिन्न पहलों ने उल्लेखनीय परिणाम दिए हैं, जिससे केंद्रशासित प्रदेश के हस्तशिल्प निर्यात में वृद्धि हुई

है और इसे वैश्विक हस्तकला बाजार में एक विशिष्ट स्थान प्राप्त हुआ है। आइए उन उत्पादों का सम्मान और उत्सव मनाएं जो कुशल हाथों द्वारा बनाए गए हैं। ये हाथ केवल उत्पाद नहीं बुन रहे हैं, बल्कि हर धागे, हर सूक्ष्म डिज़ाइन और हर कोमल शेड में जादू बुन रहे हैं। उपराज्यपाल ने हस्तशिल्प और कथकरघा क्षेत्र को मजबूत करने और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में, नई योजनाओं और नीतिगत हस्तक्षेपों के साथ-साथ मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास ने युवा और अनुभवी शिल्पकारों को व्यापक समर्थन प्रदान किया है और केंद्रशासित प्रदेश की विशिष्ट सांस्कृतिक और कलात्मक विरासत को पुनर्जीवित किया है। उपराज्यपाल ने सभी संबंधित विभागों से आग्रह किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि शिल्पकारों को नई जीएसटी सुधारों से प्रत्यक्ष लाभ मिले। उन्होंने भारत और विदेशों में प्रमुख हवाई अड्डों, शॉपिंग मॉल्स और ई-कॉमर्स साइटों पर जम्मू-कश्मीर की सुंदर कला की दृश्यता बढ़ाने और उत्पाद के पीछे कुशल हाथों को पहचान दिलाने पर जोर दिया।

पुलिस ने हेरोइन जैसे मादक पदार्थ के साथ ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया

डोडा, 24 अक्टूबर (हि.स.)। मादक पदार्थों की तस्करी के खतरे पर शिकंजा कसते हुए डोडा पुलिस ने डोडा में एक कुख्यात ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से हेरोइन जैसा (चिट्टा) मादक पदार्थ बरामद किया।

एसएचओ डोडा, इंस्पेक्टर परवेज अहमद खांडे के नेतृत्व में नाका पॉइंट घाट डोडा के पास घाट रोड पर एक नाका स्थापित किया गया था।

पूछताछ के दौरान चालक का व्यवहार संदिग्ध पाया गया और पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से एक सफेद पॉलीथीन का पैकेट बरामद हुआ जिसमें हेरोइन जैसा पदार्थ (चिट्टा) था।

इस संबंध में, डोडा पुलिस स्टेशन में एफआईआर संख्या 237/2025, धारा 8/21/22 एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और प्रतिबंधित पदार्थ के स्रोत और आपूर्ति नेटवर्क का पता लगाने के लिए जाँच शुरू कर दी गई है।

रियासी में एक पिपिंग समारोह आयोजित किया गया

रियासी, 24 अक्टूबर (हि.स.)। आज जिला पुलिस कार्यालय (डीपीओ) रियासी में एक पिपिंग समारोह आयोजित किया गया जिसमें एसएसपी रियासी परमवीर सिंह, जेकेपीएस, एडिशनल एसपी रियासी इफ्तखार अहमद, जेकेपीएस, डिप्टी एसपी मुख्यालय रियासी विशाल सिंह जामवाल, लेखा अधिकारी प्रदीप सिंह-जेकेएएस और संभावित डिप्टी एसएसपी ने हाल ही में अगले पदों पर पदोन्नत हुए पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को पद प्रदान किए। यह समारोह पदोन्नत अधिकारियों के लिए गौरव का क्षण था, जिनके समर्पण, ईमानदारी और विभाग के प्रति सेवा को विधिवत स्वीकार और पुरस्कृत किया गया। नव पदोन्नत अधिकारियों/कर्मचारियों को बधाई देते हुए एसएसपी रियासी ने जिले में शांति, कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए उनकी निरंतर कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि हर पदोन्नति के साथ ज़िम्मेदारी बढ़ती है और उनसे ईमानदारी, व्यावसायिकता और जनसेवा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने अधिकारियों को उदाहरण प्रस्तुत करने और अपनी नई भूमिकाओं में और भी अधिक उत्साह और जवाबदेही के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित किया।

पुलिस ने दो लापता महिलाओं का पता लगाकर उन्हें उनके परिवारों से मिलाया

डोडा, 24 अक्टूबर (हि.स.)। डोडा पुलिस ने दो लापता महिलाओं का सफलतापूर्वक पता लगाकर उन्हें उनके परिवारों से मिला दिया है। 17-09-2025 को थाना ठठरी की पुलिस चौकी प्रेमनगर में डीडीआर संख्या 13 के तहत आशा देवी पत्नी नरेश कुमार निवासी शारनी तहसील चिराल्ला, जिला डोडा के संबंध में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। रिपोर्ट पर तुरंत कार्रवाई करते हुए डोडा पुलिस ने एक तलाशी अभियान शुरू किया और लापता महिला का पता लगाने के लिए तकनीकी सहायता सहित सभी संभव साधनों का उपयोग किया। निरंतर प्रयासों के बाद उक्त महिला का पता लगा लिया गया और सभी कानूनी औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद उसे उसके पति को सौंप दिया गया। गुमशुदगी की रिपोर्ट डीडीआर संख्या 17 दिनांक 24-10-2025 के तहत बंद कर दी गई है।

बीएसएनएल की सेवाएं फिर विवादों में, जम्मू में एक हफ्ते से इंटरनेट ठप- ग्राहक परेशान

जम्मू । सरकारी दूरसंचार कंपनी BSNL की सेवाएं एक बार फिर सुर्खियों में हैं। जम्मू के रेजीडेंसी रोड और रघुनाथ मंदिर क्षेत्र में पिछले सात दिनों से इंटरनेट और फाइबर सेवा ठप पड़ी है, जिससे स्थानीय लोग और दुकानदार बेहद परेशान हैं।

लोगों ने बताया कि उन्होंने बार-बार BSNL कार्यालय और हेल्पलाइन नंबर पर शिकायतें दर्ज कराईं, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। आखिरकार लोगों को मीडिया का सहारा लेना पड़ा ताकि उनकी आवाज़ अधिकारियों तक पहुंच सके।

नॉर्थलाइन्स के संवाददाता से बातचीत में कई उपभोक्ताओं ने कहा कि BSNL के कर्मचारी शिकायतों को हल्के में लेते हैं और कोई ठोस कार्रवाई नहीं करते। हर बार कहा जाता है कि दो दिन में ठीक हो जाएगा, लेकिन अब एक हफ्ता बीत गया है, एक दुकानदार ने नाराज़गी जताई। जब नॉर्थलाइन्स ने इस बारे में BSNL अधिकारियों से संपर्क किया, तो उन्होंने पूरी ज़िम्मेदारी जम्मू स्मार्ट सिटी विभाग पर डाल दी। अधिकारियों का कहना था कि, स्मार्ट सिटी विभाग की खुदाई और सिविल वर्क के कारण हमारी फाइबर केबल्स कई जगहों से कट गई हैं, जिससे यह समस्या बार-बार आती है। लेकिन जब संवाददाता ने स्मार्ट सिटी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से बात की, तो उन्होंने BSNL के सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, पिछले 15 महीनों से हमने उस क्षेत्र में कोई काम नहीं किया है। फिलहाल हमारे कोई प्रोजेक्ट वहां नहीं चल रहे। BSNL के आरोप पूरी तरह झूठे हैं। विभाग के अधिकारी ने कहा कि क्रस्हरु को हर बार अपनी गलतियों का दोष किसी और पर डालने की पुरानी आदत है।

इस ब्लेम गेम के बीच आम जनता पिस रही है। लोगों का कहना है कि सरकार भले ही Digital India की बात करे, लेकिन BSNL जैसी सरकारी कंपनियों की सेवा का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। कई उपभोक्ता अब BSNL कनेक्शन छोड़कर निजी कंपनियों की ओर रुख कर रहे हैं। अगर यही हाल रहा तो लोग क्रस्हरुपर भरोसा कैसे करें? एक ग्राहक ने सवाल उठाया। यह मामला एक बार फिर क्रस्हरुकी लचर व्यवस्था और जवाबदेही की कमी को उजागर करता है, जो डिजिटल इंडिया के लक्ष्य के लिए एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

तरूण चुघ ने पंडित प्रेमनाथ डोगरा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की

श्रीनगर, 24 अक्टूबर (हि.स.)। श्रद्धेय राष्ट्रवादी नेता पंडित प्रेमनाथ डोगरा की जयंती पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने राष्ट्रीय महासचिव और जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के प्रभारी तरुण चुघ के नेतृत्व में पंडित के चित्र पर माल्यार्पण किया। प्रेमनाथ डोगरा को श्रीनगर के पार्टी कार्यालय में शेर-ए-दुग्गर के नाम से याद किया जाता है। इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर भाजपा के महासचिव (संगठन) अशोक कौल, डॉ. शहनाज़ गनई, अनवर खान और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। तरुण चुघ ने कहा, पंडित प्रेमनाथ डोगरा राष्ट्रीय एकता और निस्वार्थ सेवा की संस्था थे। एक विधान, एक निशान, एक प्रधान (एक संविधान, एक ध्वज, एक प्रधान) के लिए उनका अटूट संघर्ष भारतीय जनसंघ का नैतिक आधार बन गया और आज भी भाजपा को प्रेरित करता है। चुघ ने रेखांकित किया कि अनुछेद 370 और 35ए को निरस्त किया गया है। नेताओं ने हवन किया और डोगरा चौक पर पंडित प्रेम नाथ डोगरा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। जुगल किशोर शर्मा ने पंडित प्रेम नाथ डोगरा के विशाल व्यक्तित्व और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और उन्हें अपने युग के महानतम नेताओं में से एक बताया, जिन्होंने भारत के साथ जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण के लिए ऐतिहासिक प्रजा परिषद आंदोलन का नेतृत्व किया। संजीता डोगरा ने पार्टी कार्यकर्ताओं से समर्पण और निस्वार्थ भाव से लोगों और राष्ट्र की सेवा करके पंडित जी के जीवन और सिद्धांतों का अनुकरण करने का आग्रह किया।

पुलिस ने 2 लापता व्यक्तियों का पता लगाकर उन्हें उनके परिवारों से मिलाया

जम्मू, 24 अक्टूबर (हि.स.)। गुमशुदगी की रिपोर्टों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए दोमाना थाना पुलिस ने दो लापता व्यक्तियों का पता लगाया जिनकी पहचान मोहम्मद शकील पुत्र मोहम्मद हनीफ निवासी लाले दे बाग, अकालपुर, जम्मू (10/09/2025 से लापता) और श्री शाम लाल पुत्र स्वर्गीय पूरन चंद निवासी पटोली ब्राह्मणा (22/10/2025 से लापता) के रूप में हुई है।

सिद्ध बाबा गरीबनाथ मंदिर खानपुर में हुई पूजा-अर्चना

जम्मू, 24 अक्टूबर (हि.स.)। खानपुर स्थित सिद्ध बाबा गरीबनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर आर.एल. कैथ भी अपने साथियों के साथ मंदिर पहुंचे और प्रदेश में सुख-शांति एवं सबके कल्याण की कामना की।

कैथ ने बताया कि मान्यता के अनुसार ऋषि व्यास के पुत्र शुकदेव के जन्म के समय 84 सिद्धों का जन्म एक साथ विभिन्न स्थानों पर हुआ था, जिनमें से बाबा गरीबनाथ जी भी एक माने जाते हैं।

29 अक्टूबर से 37वें फेडरेशन कप के लिए चयन ट्रायल होंगे शुरू

जम्मू, 24 अक्टूबर (हि.स.)। जम्मू एंड कश्मीर हैंडबॉल एसोसिएशन लखनऊ उत्तर प्रदेश में आयोजित होने वाले 37वें फेडरेशन कप हैंडबॉल चैंपियनशिप पुरुष वर्ग के लिए चयन ट्रायल आयोजित करने जा रही है। यह चैंपियनशिप 25 से 29 नवंबर 2025 तक आयोजित की जाएगी। संघ ने जानकारी दी है कि चयन ट्रायल 29 और 30 अक्टूबर 2025 को शास्त्री नगर, जम्मू के प्लेइंग फील्ड में शाम 4 बजे से आयोजित किए जाएंगे। इस ट्रायल के माध्यम से राज्य की पुरुष टीम का गठन किया जाएगा, जो राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भाग लेगी।

एसडीएम ने मिशन युवा के अंतर्गत बीएचडी बैठक की अध्यक्षता की

कठुआ, 24 अक्टूबर (हि.स.)। उपमंडल हीरानगर में मिशन युवा योजना के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु एसडीएम हीरानगर फुलैल सिंह जेकेएएस की अध्यक्षता में बिजनेस हेल्प डेस्क की एक बैठक हुई।

बैठक में बीएचडी के सदस्यों, जेके बैंक के प्रबंधकों, उद्यमियों, नए आवेदकों और अन्य हितधारकों ने भाग लिया। नैनो श्रेणी के अंतर्गत बीएचडी स्तर पर लंबित सभी आवेदनों की जाँच की गई और समिति के सदस्यों द्वारा आवेदकों की सहायता की गई। बैठक के दौरान कुल 29 आवेदनों की जाँच की गई। योजनाओं के अंतर्गत आगे की प्रक्रिया के लिए मामलों को एसडीबीयू को भेजा जाएगा।

एसडीएम ने मौजूदा उद्यमियों के मुद्दों पर भी चर्चा की और उन्हें उनकी व्यावसायिक इकाइयों की सफलता के लिए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत आईआरपी-19वीं बटालियन ने भारत दर्शन यात्रा के लिए 34 छात्रों को किया रवाना

कठुआ, 24 अक्टूबर (हि.स.)। सिविक एक्शन प्रोग्राम-2025 के अंतर्गत आयोजित भारत दर्शन यात्रा को शुक्रवार को आईआरपी-19वीं बटालियन मुख्यालय कठुआ से अतुल शर्मा जेकेपीएस, कमांडेंट द्वारा यूनिट के अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

जिला कठुआ के विभिन्न सरकारी स्कूलों के कुल 34 छात्र, यूनिट के पुलिसकर्मियों की देखरेख में अपने संकाय सदस्यों के साथ 24 से 28 अक्टूबर तक दिल्ली, आगरा, मथुरा और वृंदावन का दौरा करेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य छात्रों को राष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, एकता और विविधता से परिचित कराना है, जिससे राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा मिले।

इस अवसर पर प्रतिभागियों को यात्रा किट और जलपान भी वितरित किए गए। इस अवसर पर बोलते हुए कमांडेंट ने कहा कि सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत इस तरह की पहल पुलिस-पब्लिक संबंधों को मजबूत करती है और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी और सशक्तिकरण को बढ़ावा देती है। यह दौरा पूरी तरह से जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा प्रायोजित है, जिसमें भोजन, आवास, परिवहन और निर्देशित यात्राओं सहित सभी व्यवस्थाएँ शामिल हैं।

सांबा पुलिस ने गौ तस्करी की नई कोशिश नाकाम की, 02 गौवंशीय जानवर सुरक्षित

जम्मू, 24 अक्टूबर (हि.स.)। सांबा पुलिस ने गौ तस्करों के नए तरीकों को बेनकाब करते हुए एक और गौ तस्करी की कोशिश नाकाम कर दी। पुलिस ने पुलिस स्टेशन सांबा की सीमा में एक इको वैन जब्त की जिसमें दो बेजुबान जानवरों को बुरी तरह से ले जाया जा रहा था। यह कार्रवाई दिखाती है कि गौ तस्कर अब अपने नए तरीके अपनाकर निजी वाहनों का उपयोग कर रहे हैं ताकि पकड़ से बच सकें।पुलिस को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना मिली कि पुलिस पोस्ट सुपवाल की टीम ने बसंतर खाद सुपवाल के पास इको वैन को रोका। वैन में दो गौवंशीय जानवर बिना किसी वैध अनुमति के क्रूर तरीके से ले जाए जा रहे थे। पुलिस ने जानवरों को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया और उन्हें संरक्षण में लिया।

ऑल डेली वेजर्स ने जम्मू में धरना प्रदर्शन कर अपनी मांगें रखीं

जम्मू, 24 अक्टूबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर संघर्ष समिति के ऑल डेली वेजर्स ने अपनी मांगों को लेकर शहर में धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने अपनी समस्याओं और मांगों को प्रशासन के समक्ष रखने के लिए जोरदार नारेबाजी की और अपनी आवाज़ बुलंद की। धरने के दौरान मजदूरों ने नियमित वेतन, रोजगार स्थिरता और अन्य लाभों की मांग की। समिति का कहना है कि लंबे समय से वे अपनी जरूरतों और अधिकारों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं और प्रशासन से जल्द कार्रवाई की उम्मीद रखते हैं।स्थानीय पुलिस और प्रशासन ने धरने के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित की और प्रदर्शन को शांतिपूर्ण बनाए रखने का प्रयास किया। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से संवाद के लिए बैठक का अनुरोध भी किया।

भाजपा महिला मोर्चा जम्मू-कश्मीर ने श्रीनगर में जमीनी स्तर के नेटवर्क को मजबूत करने के लिए बैठक की

जम्मू, 24 अक्टूबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला मोर्चा, जम्मू-कश्मीर यूटी ने प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में आज श्रीनगर में एक संगठनात्मक बैठक की। सुनीता रैना द्वारा आयोजित बैठक में कई महिला मोर्चा नेताओं - हलीमा, रशीदा मीर, शाहीना अख्तर, नाज़मि बाकल और लीना के साथ-साथ उर्वशी गुप्ता की सक्रिय भागीदारी देखी गई जिन्होंने चर्चा के दौरान बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की।

सभा को संबोधित करते हुए एडवोकेट नेहा महाजन ने जम्मू-कश्मीर के सामाजिक और राजनीतिक ढांचे को आकार देने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जमीनी स्तर पर संगठनात्मक आधार को मजबूत करने और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी के सेवा, संगठन और समर्पण के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने का आग्रह किया।

उन्होंने आगे इस बात पर प्रकाश डाला कि भाजपा की असली ताकत उसके अनुशासित कैडर और महिला मोर्चा के सदस्यों के अटूट समर्पण में निहित है जो समाज में प्रगति, एकता और सशक्तिकरण के अग्रदूत हैं। सत्र में संगठन की दक्षता और कनेक्टिविटी को बढ़ाने के उद्देश्य से बूथ-स्तरीय गतिशीलता, नेतृत्व विकास, मतदाता आउटरीच और अंतर-जिला समन्वय पर विचार-विमर्श किया गया। अपनी समापन टिप्पणी में, सुनीता रैना ने सभी प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और अपनी संगठनात्मक पहुंच का विस्तार करने और महिलाओं को सार्वजनिक जीवन में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाने की महिला मोर्चा की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

डोगरा ब्राह्मण प्रतिनिधि सभा ने पं. प्रेम नाथ डोगरा को मरणोपरांत भारत रत्न 'देने की मांग की

जम्मू, 24 अक्टूबर (हि.स.)। डोगरा ब्राह्मण प्रतिनिधि सभा ने देश के विभाजन के बाद जम्मू-कश्मीर राज्य को एकजुट बनाए रखने में अहम भूमिका निभाने वाले पंडित प्रेम नाथ डोगरा को मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग की है।

यह प्रस्ताव शुक्रवार को सभा भवन में उनकी जन्म जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह के दौरान सभा अध्यक्ष वेद प्रकाश शर्मा की अध्यक्षता में पारित किया गया।

समारोह में विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रस्ताव वरिष्ठ भाजपा नेता चंदर मोहन शर्मा द्वारा पेश किया गया, जिसका समर्थन पूर्व डिप्टी कमिश्नर बी.एस. जम्वाल, भाजपा नेता मुनीश शर्मा और सभा के चेयरमैन एडवोकेट पी.सी. शर्मा ने किया। प्रस्ताव को सर्वसम्मति से हाथ उठाकर पारित किया गया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने पं. प्रेम नाथ डोगरा के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने जम्मू के लोगों को एकजुट कर एक विधान, एक प्रधान, एक निशान का नारा बुलंद किया और प्रजा परिषद आंदोलन का नेतृत्व किया, ताकि भारतीय संविधान की सभी धाराएं जम्मू-कश्मीर में लागू हो सकें। सभा ने कहा कि पं. प्रेम नाथ डोगरा को भारत रत्न प्रदान करना इस धरती के सच्चे सपूत को उचित श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में अनेक सामाजिक कार्यकर्ता, साहित्यकार, डॉक्टर, कवि, पूर्व पार्षद और प्रतिष्ठित नागरिक उपस्थित थे।

एसएमवीडीयू के एनसीसी कैडेट ध्रुव गेरा प्री-रिपब्लिक डे कैंप के लिए चयनित

जम्मू, 24 अक्टूबर (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा के एनसीसी कैडेट ध्रुव गेरा का चयन नागरोटा स्थित एनसीसी अकादमी में आयोजित प्री-रिपब्लिक डे कैंप के लिए किया गया है। यह चयन विश्वविद्यालय और प्रदेश के लिए गौरव का क्षण है, क्योंकि प्री-आरडीसी देश के सबसे प्रतिष्ठित और प्रतिस्पर्धी प्रशिक्षण शिविरों में से एक है। इस कैंप का उद्देश्य उन कैडेट्स की पहचान करना और उन्हें तैयार करना है, जो आगामी रिपब्लिक डे कैंप 2026, नई दिल्ली में भाग लेंगे। ध्रुव गेरा इस दौरान ड्रिल, सांस्कृतिक गतिविधियों, व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व कौशल और राष्ट्रीय एकता कार्यक्रमों में गहन प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

एसएमवीडीयू के एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर डॉ. वरुण दत्ता ने ध्रुव गेरा को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि वे कैंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने जम्मू, कश्मीर एवं लद्दाख एनसीसी निदेशालय के निरंतर मार्गदर्शन और प्रोत्साहन की सराहना की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रगति कुमार और रजिस्ट्रार अजय कुमार शर्मा ने भी ध्रुव गेरा को शुभकामनाएं दीं और एनसीसी यूनिट की अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रीय सेवा के प्रति समर्पण की प्रशंसा की।

संपादकीय

रेल यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए अनुशासन और सतर्कता आवश्यक

भारतीय रेल प्रणाली को देश की अर्थव्यवस्था की नींव और जीवनदायिनी माना जाता है। भारतीय रेल हज़ारों किलोमीटर लंबी है और लगभग पूरे देश को कवर करती है, जिससे यह अमेरिका, चीन और रूस के बाद दुनिया की चौथी सबसे बड़ी रेल प्रणाली बन गई है।

अपनी कम लागत और प्रभावी संचालन के कारण, रेलवे अधिकांश भारतीयों के लिए परिवहन का सबसे लोकप्रिय साधन बना हुआ है। देश में इतने विशाल नेटवर्क और महत्व के साथ, इस पूरी व्यवस्था के संचालन से जुड़े लोगों के लिए असाधारण रूप से अनुशासित और अपनी ज़िम्मेदारियों के प्रति समर्पित होना अनिवार्य हो जाता है क्योंकि रेलवे इससे कम कुछ भी बर्दाश्त नहीं कर सकता।

हालाँकि रेलवे के शीर्ष अधिकारियों ने रेलगाड़ियों की आवाजाही को सुव्यवस्थित करने के लिए तकनीक का भरपूर उपयोग किया है, फिर भी इस व्यवस्था को चालू रखने के लिए कार्यरत कर्मचारियों की ईमानदारी, चलती और रुकी हुई रेलगाड़ियों की सुरक्षा के लिए सर्वोपरि है। देश भर में सैकड़ों ट्रेनों का एक साथ अत्यंत सुगमता से आवागमन उन हज़ारों कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और गंभीरता की मांग करता है जो रेल यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने के कार्य को अंजाम देते हैं। रेलगाड़ियों की सुरक्षा का मूलमंत्र रेलवे कर्मचारियों द्वारा हिंदी में आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले सावधानी के शब्दों में निहित है, सावधानी हटी दुर्घटना घटी। रेलवे कर्मचारियों की सतर्कता और ईमानदारी का ताज़ा उदाहरण उत्तर रेलवे के जम्मू संभाग के भंगाला रेलवे स्टेशन से सामने आया है, जहाँ कथित तौर पर ड्यूटी पर तैनात स्टेशन मास्टर की असाधारण सूझबूझ और सतर्कता के कारण एक बड़ा रेल हादसा टल गया। हालांकि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कर्मचारियों के समर्पण का यह पहला या एकमात्र मामला नहीं है क्योंकि दैनिक आधार पर, रेलवे के कर्मचारियों द्वारा रखी गई सतर्कता कश्मीर से कन्याकुमारी और मिजोरम से राजस्थान के मुनाबाव तक ट्रेनों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करती है। ऐसा पटरियों पर, स्टेशनों पर, ट्रेनों में और विनिर्माण इकाइयों के अंदर काम करने वाले इन पुरुषों और महिलाओं द्वारा दिखाए गए अनुकरणीय अनुशासन और निर्बाध सतर्कता के कारण होता है, क्योंकि सभी के बीच तालमेल सुरक्षा की कुंजी है। भंगाला रेलवे स्टेशन के मामले में, स्टेशन मास्टर ने भंगाला स्टेशन से गुजर रही एक खाली एनएमजी मालगाड़ी के इंजन के 15वें कोच के पहिये से धुआं और चिंगारी निकलते देखा। इसे देखने के बाद, उन्होंने ट्रेन मैनेजर को ट्रेन रोकने का इशारा किया। बाद में तकनीकी समस्या को ठीक कर दिया गया और ट्रेन को सुरक्षित रूप से रवाना होने दिया गया।

झींगा से लेकर सॉफ्टवेयर तक - नए व्यापार समझौते से भारत के लिए बड़ा बाजार खुला

भारत को आकर्षक बनाना - यह बदलाव11 वर्ष पहले शुरू हुआ था, जब प्रधानमंत्री मोदी ने हमारी अर्थव्यवस्था को नाजुक पांच के तमगे से उबारकर इसे व्यापार एवं पूंजी के लिए एक आकर्षण का केन्द्र बनाया। मोदी सरकार ने बुनियादी सुधारों के जरिए विरासत में मिली समस्याओं, गतिरोध, उच्च मुद्रास्फीति, भ्रष्टाचार और अक्षमताओं को दूर किया। अकेले उत्पादनआधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना ने मार्च 2025 तक कुल 1.76 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है, जिससे 12 लाख से अधिक नौकरियांसृजित हुई हैं।

- पीयूष गोयल

भारत ने समृद्धि का एक और दरवाजा खोल दिया है। उसने प्रति व्यक्ति100,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक आय वालेयूरोपीय देशों के एक धनी समूह के साथ एक नए व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किया है।इससे भारतीय किसानों, मछुआरों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए एक आकर्षक बाजार में पहुंचने का रास्ता खुल गया है और प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत 2047 मिशन को पर्याप्त गति मिलेगी।

यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) - स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन - के साथ हुआ व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौता (टीईपीए)ऐतिहासिक है। यह समझौता1 अक्टूबर को शुभ नवरात्रि के दौरान लागू हुआ। ईएफटीए के सदस्य देशों ने 15 वर्षों में 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश का संकल्प लिया है - जो दुनिया में किसी भी व्यापार समझौते में जतायी गई पहली ऐसी प्रतिबद्धता है। इस समझौते के जरिए, ईएफटीए के सदस्य देशों की सरकारें भारत में निवेश को बढ़ावा देंगी, कम से कम दस लाख रोजगार सृजित करेंगी और प्रधानमंत्री मोदी के 'मेक इन इंडिया'मिशन को गति प्रदान करेंगी।

विकसित भारत हेतु व्यापार की रणनीति- मोदी सरकार ने अतीत की झिझक को छोड़कर मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को अपनाया है। ये समझौते हमारे उत्पादों और सेवाओं को प्रीमियम एवंविकसित बाजारों में पहुंचातेहैं। ये समझौते न सिर्फ नए दरवाजे खोलते हैं, बल्कि हमारे उद्योगों को सशक्त बनाते तथा हमें आगे बढ़ने में मदद करने वाले प्रतिस्पर्धात्मकता और गुणवत्ता का संचार भी करते हैं। भारत ने जहांजुलाई 2025 मेंयूनाइटेड किंगडम के साथ एक ऐतिहासिक समझौता किया, वहीं यूरोपीय संघ के साथ बातचीत भी अच्छी तरह आगे बढ़ी है। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी के निर्णायक प्रयासों से ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात के साथ दोनों पक्षों के लिए लाभदायक समझौते हुए।

प्रतिस्पर्धा के बीच आगे बढ़ते हुए वैश्विक मंचों पर अपनी छाप छोड़ने के आत्मविश्वास से भरा हुआ, भारतीय उद्योग जगत आज बुलंदियों पर खड़ा है। यूपीए शासन के दौरान किए गए जल्दबाजी भरे सौदों के उलट,गहन विचार-विमर्श के बाद तैयार किए गए मोदी-युग के हर मुक्त व्यापार समझौते काउद्योग जगत के विभिन्न हितधारकों ने खुले दिल से स्वागत किया है।यूपीए शासन के सौदेबिना किसी जानकारी के और अक्सर उन प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्थाओं के साथ किए गए थे, जिन्हें हमारे बाजारों तक पहुंच तो मिली, लेकिन उन्होंने अपने दरवाजे पर्याप्त रूप से नहीं खोले।

भारत को आकर्षक बनाना - यह बदलाव11 वर्ष पहले शुरू हुआ था, जब प्रधानमंत्री मोदी ने हमारी अर्थव्यवस्था को नाजुक पांच के तमगे से उबारकर इसे व्यापार एवं पूंजी के लिए एक आकर्षण का केन्द्र बनाया। मोदी सरकार ने बुनियादी सुधारों के जरिए विरासत में मिली समस्याओं, गतिरोध, उच्च मुद्रास्फीति, भ्रष्टाचार और अक्षमताओं को दूर किया। अकेले उत्पादनआधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना ने मार्च 2025 तक कुल 1.76 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है, जिससे 12 लाख से अधिक नौकरियांसृजित हुई हैं। प्रधानमंत्री गति शक्ति एवं राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति ने लागत में कमी की है और बुनियादी ढांचे को सुव्यवस्थित किया है। हमारी डिजिटल रीढ़ - जन-धन, यूपीआई और ट्रेड कनेक्ट - ने अवसरों का लोकतंत्रीकरण किया है औरछह वर्षों में कुल 12,000 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 65,000 करोड़ लेनदेन को संभव बनाया है।इससे वंचित वर्ग अब वित्तीय मुख्यधारा में आ गया है।

निवेश और रोजगार सृजन - अब,ईएफटीएके 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश से दस लाख प्रत्यक्ष और अनगिनत अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने का वादा किया गया है। यह निवेश पिछले 25 वर्षों में इन देशों से प्राप्त मात्र 11.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) से कहीं अधिक बड़ा है। वर्ष 2024-25 में भारत का कुल एफडीआई 81 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने के साथ, जोकि14 प्रतिशतकी वृद्धि है, वास्तविक प्रवाह जतायी गई प्रतिबद्धताओं को पीछे छोड़ सकता है।इसका श्रेय दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था में मौजूद अवसरों और मजबूत बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) कानूनों को जाता है, जिनका प्रभावी ढंग से पालन किया जाता है। टीईपीएप्रवर्तन एवं सुव्यवस्थित सुरक्षा उपायों के मामले में बेहतर सहयोग के जरिए आईपीआर को मजबूत करता है, नवोन्मेषकों को सशक्त बनाता है और ठोस नियामक संबंधी निश्चितता के बीच उच्च-तकनीक से संबंधित पूंजी को आकर्षित करता है।

किसान और मछुआरे - प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के अलावा, वस्त्रतथा रत्न एवं आभूषण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्र से जुड़ेनिर्यात में भी तेजी आएगी।इससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। ईएफटीए के समृद्ध उपभोक्ता हमारे कृषि उत्पादों, चाय और कॉफी के लिए लालायित रहते हैं। भारत ने जहां डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को संरक्षण दिया है, वहीं चावल, ग्वार गम, दालें, अंगूर, आम, सब्जियां, बाजरा और काजू के व्यापार को अवसर प्रदान किए हैं। बिस्कुट, कन्फेक्शनरी, चॉकलेट और सॉस जैसे प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर शुल्क में कटौती से यह सौदा और भी बेहतर हो गया है। मछुआरे इस बात से खुश हैं कि निर्बाध मानक सहयोग के जरिए फ्रोजन झींगा, प्रॉन्स और स्क्विड का निर्यात बढ़ेगा।

आकांक्षी भारतीय- टीईपीए द्वारा नर्सिंग, अकाउंटेंसी और आर्किटेक्चर के क्षेत्र में पारस्परिक मान्यता से संबंधित समझौतों का मार्ग प्रशस्त होने से इन सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा, जिससेभारतीय पेशेवरों के लिए ईएफटीए में प्रवेश आसान हो जाएगा। सक्रिय नियामक वार्ताओं के जरिए तकनीकी बाधाओं के कम होने से सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), व्यवसाय, सांस्कृतिक, मनोरंजन, शिक्षा और दृश्य-श्रव्य सेवाओं के लिए द्वार खुलेंगे।

बाधाओं की समाप्ति- टीईपीए टैरिफ से आगे बढ़कर खाद्य सुरक्षा, पशु एवं पादप स्वास्थ्य, उत्पादों की गुणवत्ता, सुरक्षा एवं उपभोक्ता संरक्षण के संबंध में निष्पक्ष व पारदर्शी नियम तैयार करताहै। स्पष्ट सूचना साझाकरण, सत्यापन, आयात संबंधी जांचएवं प्रमाणन इन्हें व्यापार से संबंधित मकड़जाल बनने से रोकते हैं, भारतीय वस्तुओं के लिए ईएफटीएतक पहुंचने का मार्ग सुगम बनाते हैं और साथ ही उद्योग जगत को घरेलू मानकों को ऊंचाउठाने के लिए प्रेरित करते हैं। हमारे किसान और उत्पादक सुरक्षित निर्यात, कीट-मुक्त उत्पाद, वैश्विक स्तर के मानकों के अनुरूप उत्पाद तैयार करेंगे, जिससे घरेलू गुणवत्ता भी बढ़ेगी। बेहतर जांच और अनुपालन का अर्थ है प्रत्येक भारतीय परिवार के लिए स्वास्थ्यवर्धक भोजन और विश्वसनीय उत्पाद।

बेहतर भविष्य- ये समझौते निर्माताओं, सेवा प्रदाताओं और आम नागरिकों के बीच उत्साह जगाते हैं, जो गहरे आर्थिक संबंधों के जरिए उच्च-गुणवत्ता वाले वैश्विक उत्पादों का आनंद लेते हैं। टीईपीएअपने मूल में स्थिरता को समाहित करता है, समावेशी विकास को बढ़ावा देने वाले व्यापार को बढ़ावा देता है, गरीबी से लड़ता है और हमारे पर्यावरण की रक्षा करता है। पेरिस समझौते और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के मूल सिद्धांतों की पुष्टि करते हुए, यह जलवायु संबंधी कार्रवाई, लैंगिक समानता तथा जैव विविधता संरक्षण से संबंधित सहयोग को बढ़ावा देता है औरउचित वेतन, सुरक्षित रोजगार एवं एक हरी-भरी धरती सुनिश्चित करता है। हरित प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान एवंसहयोग के जरिए, यह श्रमिकों का उत्थान करता है, असमानता को कम करता है और हमारे बच्चों के लिए एक समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करता है। मोदी के भारत में जन्मे बच्चे को घर पर भी उतने ही अवसर मिलते हैं, जितने किआल्प्स की पहाड़ियों वाली भूमि,आग एवं बर्फ वाली भूमिया फिर मध्यरात्रि के सूर्य वाली भूमि में!

भारत की नियति मेंअलगाव नहीं, बल्कि सक्रिय भागीदारी है। जिस तरह पुरानी सभ्यता वाले हमारे राष्ट्र के प्राचीन नाविकों ने साहस के साथ अज्ञात जलमार्गों पर यात्रा की थी, ठीक उसी तरह आज के 140 करोड़ भारतीय-आत्मविश्वास एवंदृढ़निश्चय के साथ और एकजुटहोकर - आगे बढ़ रहे हैं। लक्ष्य है - अपनी वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करना, शिक्षा एवं डिजिटल क्रांति के जरिए सशक्त बनना और एक टिकाऊ भविष्य का निर्माण करना। हम सबको मिलकर वाणिज्य के क्षेत्र में भारत को एक ऐसे अग्रणी देश के रूप में पुनर्स्थापित करना है,जहां व्यापार एवं प्रौद्योगिकी मानवता की सेवा करें और नवाचार एवं समावेशन कंधे से कंधा मिलाकरआगे बढ़ें।

(लेखक केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री हैं।)

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंसा और इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी आर्मी

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

बांग्लादेश में हाल के वर्षों में हिंसा और अस्थिरता का एक नया रूप उभरकर सामने आया है, जिसकी सबसे स्पष्ट पहचान इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी आर्मी (आईआरए) से होती है। यह संगठन एक कट्टरवादी समूह तो है ही, अब राजनीतिक सत्ता और सामाजिक नियंत्रण का उपकरण बन चुका है। यूनुस प्रशासन के इशारे पर इसका गठन और प्रशिक्षण किया जा रहा है। वरिष्ठ सलाहकार आसिफ महमूद शोजिब भुयान ने स्वीकार किया है कि लगभग 8,850 युवाओं को सात शिविरों में हथियार, ताइक्वांडो और सैन्य प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, इस संगठन को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और जमात-ए-इस्लामी का समर्थन प्राप्त है। इसका उद्देश्य केवल (इस्लाम) मजहबी जागरूकता नहीं, बल्कि हिंसा, भय और गैर-मुस्लिमों पर राजनीतिक प्रभुत्व स्थापित करना है।

आईआरए के उदय से स्पष्ट होता है कि बांग्लादेश दक्षिण एशिया में इस्लामिक मजहबी कट्टरता और आतंकवाद का संभावित केंद्र बनता जा रहा है। इसका निशाना विशेषकर हिंदू, बौद्ध और ईसाई अल्पसंख्यक समुदाय हैं। जिसकी पुष्टि हिंदू-बौद्ध-ईसाई एकता परिषद की जुलाई 2025 की रिपोर्ट करती है। इसके अनुसार पिछले 11 महीनों में लगभग 2,442 सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएँ हुईं, जिनमें मंदिरों को जलाना, घरों को लूटना और महिलाओं पर यौन हिंसा शामिल है। अगस्त 2024 के पहले दो हफ्तों में सत्ता परिवर्तन के दौरान पुलिस निष्क्रिय रही और भीड़ बेखौफ हुई, जिससे हमलों की संख्या चरम पर पहुंच गई।

मानवाधिकार संगठनों ने चेतावनी दी है कि हिंसा का सबसे बड़ा शिकार महिलाएँ और बच्चे हैं। बांग्लादेश अल्पसंख्यक मानवाधिकार कांग्रेस के अनुसार, 2025 की पहली तिमाही में यौन हिंसा के 342 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 87 प्रतिशत पीड़ित 18 वर्ष से कम उम्र की लड़कियाँ थीं। यह सिर्फ अपराध नहीं, बल्कि संगठित प्रयास है, जो गैर-मुस्लिम समुदायों में भय पैदा कर उन्हें देश छोड़ने के लिए मजबूर कर रहा है। ऐसे में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने भी स्वीकार किया है कि हिंदुओं के घर जलाए जा रहे हैं, मंदिरों को नुकसान पहुँचाया जा रहा है, और धार्मिक स्वतंत्रता का गला घोंटा जा रहा है। यहां ये तथ्य भी गौर करने योग्य है कि 1951 में बांग्लादेश में हिंदू आबादी लगभग 22 प्रतिशत थी, जो अब घटकर केवल 7.95 प्रतिशत रह गई है। बौद्ध और ईसाई क्रमशः 0.6 और 0.3 प्रतिशत पर सिमट गए हैं। इसके विपरीत, भारत में मुसलमानों की जनसंख्या बढ़ी और उन्हें समान नागरिक अधिकार और सामाजिक-आर्थिक अवसर मिले। यह स्पष्ट करता है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को व्यवस्थित रूप से दबाया गया है और आईआरए जैसी कट्टरवादी संरचनाएँ इसका नेतृत्व कर रही हैं। इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी आर्मी का फोकस केवल बांग्लादेश तक सीमित नहीं है। भारतीय एजेंसियों के अनुसार, उनका असली निशाना भारत है। जमात-ए-इस्लामी के नेताओं ने घोषणा की है कि उनके पास 50 लाख युवा हैं जो गजवा-ए-हिंद के तहत भारत के खिलाफ संघर्ष के लिए तैयार हैं। पाकिस्तान और यूनुस प्रशासन के बीच समुद्री संपर्क ने हथियारों की सप्लाई आसान कर दी है, जिससे पूर्वोत्तर भारत के लिए नई सुरक्षा चुनौतियाँ उत्पन्न हुई हैं। यदि यह सिलसिला जारी रहा, तो बांग्लादेश जल्दी ही एक फेल्ड स्टेट बन सकता है और दक्षिण एशिया में आतंकवाद का नया अड्डा बन सकता है। यह हिंसा वैचारिक त्रासदी की ओर भी इशारा करती है। यदि इस्लाम शांति का धर्म है, तो बार-बार इसके नाम पर हिंसा, नफरत और दमन क्यों बढ़ रहे हैं यह सवाल धर्म की आलोचना नहीं, बल्कि उस सोच की पड़ताल है जिसने धर्म को सत्ता का औजार बना दिया है। जब धार्मिक चेतना का उद्देश्य आत्मशुद्धि से हटकर राजनीतिक प्रभुत्व बन जाए, तब वह समाज और मानवता के लिए खतरा बन जाती है। बांग्लादेश में यही खतरा अब वास्तविकता बन चुका है। बुद्धिजीवी और अन्य लोग, जो इस्लाम को अहिंसक मानते हैं, उन्हें खुलकर इसका विरोध करना चाहिए।

यहां आज इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी आर्मी जैसी हिंसक गतिविधियाँ स्पष्ट करती हैं कि राजनीतिक इस्लाम का लक्ष्य केवल आस्था नहीं, बल्कि सत्ता और सामाजिक नियंत्रण है। इतिहास में मुस्लिम बहुसंख्यक देशों में गैर-मुस्लिमों के दमन को सत्ता संरचना का हिस्सा बनाया गया। यही प्रक्रिया अब यूनुस शासन में देखने को मिल रही है। गहराई से समझे इसे; बांग्लादेश में जो हो रहा है, वह केवल धार्मिक उग्रवाद नहीं है, बल्कि व्यापक सामाजिक विघटन और राजनीतिक इस्लाम का चरम रूप है। सत्ता पूरी तरह इस्लामिक बन चुकी है, और गैर-मुस्लिम समुदाय इसके सबसे पहले शिकार हैं। नजीह आयूबी की पुस्तक Political Islam: Religion and Politics in the Arab World इस विषय पर महत्वपूर्ण संदर्भ देती है। इसमें राजनीतिक इस्लाम के इतिहास, सिद्धांत और प्रभाव की व्यापक व्याख्या की गई है। हालांकि ब्रिटानिका में भी राजनीतिक इस्लाम पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध है, जो इसका इतिहास, सिद्धांत और प्रभाव समझाती हैं। इनके साथ ही इतिहासकार एवं लेखक शंकर शरण की भी अनेक पुस्तकें एवं लेख उपलब्ध हैं, जो इस्लाम के राजनीतिक संदर्भों को समझाते हैं।वस्तुतः राजनीतिक इस्लाम एक ऐसी धार्मिक-राजनीतिक विचारधारा है जो इस्लाम को शासन और समाज की सभी गतिविधियों में केंद्रीय मानती है। यह अस्थिर सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों में तेजी से प्रभावी होता है और अपने मजहबी आधार का व्यापक प्रयोग करता है। आयुबी का तर्क है कि राजनीतिक इस्लाम आधुनिक आंदोलन है, जिसकी शुरुआत पहले विश्व युद्ध के बाद हुई। इसके नेतृत्व में युवा, शिक्षित और शहरी लोग शामिल रहे हैं। मौजूदा राजनीतिक इस्लाम पहले की तुलना में अधिक मजहब आधारित है और इसका लक्ष्य शासन को (धार्मिक) मजहबी बनाना है। यह आंदोलन राज्य व्यवस्था, सामाजिक मानदंड और राजनीति के बीच नई संरचना स्थापित करने का प्रयास करता है। राजनीति को धर्म के अधीन करने के इस प्रयास ने समाज और राजनीति दोनों पर गहरा प्रभाव डाला है।कहना होगा कि जब धर्म का उपयोग सत्ता और प्रभुत्व के साधन के रूप में किया जाता है और संयम और करुणा से हट जाता है, तब यह सभ्यता की सबसे बड़ी विफलता बन जाता है। आज बांग्लादेश इसी विफलता की कहानी बनता जा रहा है। यदि इसे रोका नहीं गया तो आने वाले दशक में वहाँ से फैलने वाली नफरत की लहर पूरे दक्षिण एशिया को प्रभावित कर सकती है।

छठ महापर्व : प्रकृति, पवित्रता और प्रार्थना का अनूठा लोकपर्व

- योगेश कुमार गोयल

आस्था और निष्ठा का अनुपम लोकपर्व 'छठ' उत्तर भारत, विशेषकर बिहार, झारखण्ड, पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाने वाला सूर्योपासना का महापर्व है। यह पर्व सूर्य, उनकी पत्नी उषा तथा प्रत्यूषा, प्रकृति, जल, वायु और सूर्य की बहन छठी मैया को समर्पित है। उषा तथा प्रत्यूषा को सूर्य की शक्तियों का मुख्य स्रोत माना गया है, इसीलिए छठ पर्व में सूर्य तथा छठी मैया के साथ इन दोनों शक्तियों की भी आराधना की जाती है। षष्ठी देवी को ही छठ मैया कहा गया है, जो निःसंतानों को संतान देती हैं और संतानों की रक्षा कर उन्हें दीर्घायु बनाती हैं। पुराणों में षष्ठी देवी का एक नाम कात्यायनी भी है, जिनकी पूजा नवरात्र में षष्ठी को होती है। माना जाता है कि छठ पर्व में सूर्य की उपासना करने से छठी माता प्रसन्न होकर घर-परिवार में सुख-समृद्धि, रोगमुक्ति, सम्पन्नता और मनोवांछित फल प्रदान करती हैं।

इस साल 25 अक्तूबर से नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय अनुष्ठान के साथ कार्तिक छठ पर्व की शुरूआत हो रही है। इस दिन छठ व्रती नियम-धर्म से सात्विक भोजन बनाकर प्रसाद स्वरूप ग्रहण करेंगे। छठी मइया को ध्यान कर छठ पूजा 2025 का संकल्प नहाय-खाय पर ही लेने का विधान है। इस दिन छठी मइया और आदित्य देव के लिए गीत गाकर उनका आह्वान किए जाने की परंपरा है।

26 अक्तूबर को खरना है। इस दिन छठ व्रती पूरी निष्ठा से छठी मइया को खीर का प्रसाद बनाकर भोग लगाती हैं। लोहंडा का यह प्रसाद घर-परिवार और पास-पड़ोस में जनमानस को ग्रहण कराने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि खरना का प्रसाद ग्रहण करने से जीवन के सारे दूख दूर होते हैं। छठी मइया व्रती की सारी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं।

27 अक्तूबर को अस्ताचलगामी भगवान भाष्कर को संध्याकालीन अर्घ्य अर्पण किया जाएगा। इस दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर छठ व्रती अपने परिवार की सुख-समृद्धि और संतति वृद्धि की कामना आदित्य देव से करते हैं। ऐसी मान्यता है कि ढ़लते सूरज को जल चढ़ाने से भगवान दिनकर छठ व्रती को भर-भरकर आशीष देते हैं।

28 अक्तूबर को उदीयमान सूर्य को प्रातःकालीन अर्घ्य दिया जाना है। इस दिन दीनानाथ के उगते स्वरूप का दर्शन कर छठ व्रती खुशहाली की कामना करती हैं। परिवार के लोग भी छठ व्रती को सामने से दूध-जल का अर्घ्य अपर्ण कर अपनी निष्ठा प्रकट करते हैं। छठी मइया से मंगलकामनाएं की जाती हैं। छठ पूजा का प्रसाद छठ घाट पर ही ग्रहण करने का विधान है। अंतिम चरण में छठ व्रती पारण कर चार दिवसीय छठ पर्व का अनुष्ठान समाप्त करती हैं।

नियम, संयम और तपस्या का महापर्व छठ चार दिनों तक चलता है लेकिन इसकी तैयारी कई सप्ताह पहले ही शुरू हो जाती है। षष्ठी तिथि को मनाए जाने वाले इस पर्व की शुरूआत मूल रूप से बिहार और पूर्वांचल से हुई मानी जाती है लेकिन अब यह न केवल भारत के अलग-अलग राज्यों में बल्कि विदेशों में भी मनाया जाने लगा है और बिहार तथा पूर्वांचल के ही नहीं, अन्य क्षेत्रों के बहुत से लोग भी अब छठ पर्व के प्रति आस्थावान होकर यह व्रत करने लगे हैं।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सूर्य देवता की बहन छठी मैया संतानों की रक्षा कर उन्हें लंबी आयु प्रदान करती हैं। प्रातःकाल में सूर्य की पहली किरण (उषा) और सायंकाल में सूर्य की अंतिम किरण (प्रत्यूषा) को अर्घ्य देकर दोनों को नमन किया जाता है। सूर्योपासना का महापर्व छठ कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है, इसीलिए इसे छठ कहा जाता है। इस चार दिवसीय उत्सव की शुरूआत कार्तिक शुक्ल चतुर्थी के दिन 'नहाय खाय' से होती है, अगले दिन 'खरना'

होता है, तीसरे दिन छठ का प्रसाद तैयार किया जाता है और स्नान कर अस्त होते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है, सप्तमी को चौथे और अंतिम दिन उगते सूर्य की पूजा-आराधना के साथ इस महापर्व का समापन होता है।

छठ पर्व के प्रसाद में प्रायः चावल के लड्डू बनाए जाते हैं और बांस की टोकरी में प्रसाद तथा फल सजाकर इस टोकरी की पूजा की जाती है। व्रत रखने वाली महिलाएं सूर्य को अर्घ्य देने तथा पूजा के लिए तालाब, नदी अथवा घाट पर जाकर स्नान कर डूबते हुए सूर्य की पूजा करती हैं और अगले दिन सूर्योदय के समय सूर्य को अर्घ्य देकर पूजा करने के पश्चात् प्रसाद बांटकर छठ पूजा का समापन होता है। सही मायनों में यह महापर्व जीवनदायी सूर्यदेव के प्रति आभार प्रकट करने का महापर्व है।

छठ महापर्व की शुरूआत को लेकर कई कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी मान्यता है कि लोक मातृका षष्ठी की पहली पूजा सूर्यदेव ने ही की थी। सूर्य को ज्योतिष विधा में सभी ग्रहों का अधिपति माना गया है। इसीलिए मान्यता है कि यदि समस्त ग्रहों को प्रसन्न करने के बजाय केवल सूर्यदेव की ही आराधना की जाए तो कई लाभ मिल सकते हैं। माना जाता है कि सर्वप्रथम महाबली कर्ण ने ही सूर्यदेव की पूजा शुरू की थी और आज भी छठ पर्व में सूर्य को अर्घ्य देने का विशेष महत्व है। सूर्यपुत्र कर्ण तो भगवान सूर्य के परम भक्त थे, जो प्रतिदिन घंटों तक कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्घ्य दिया करते थे। सूर्यदेव की कृपा से ही वे महान् योद्धा बने थे। एक मान्यता यह भी है कि देवमाता अदिति ने प्रथम देवासुर संग्राम में असुरों से देवताओं के हार जाने पर तेजस्वी पुत्र की प्राप्ति के लिए देवारण्य के देव सूर्य मंदिर में छठी मैया की आराधना की थी। छठी मैया ने उनकी आराधना से प्रसन्न होकर उन्हें सर्वगुण सम्पन्न तेजस्वी पुत्र को जन्म देने का वरदान दिया, जिसके बाद अदिति ने त्रिदेव रूप आदित्य भगवान को जन्म दिया, जिन्होंने देवताओं को असुरों पर विजय दिलाई। कहा जाता है कि तभी से छठ पर्व मनाए जाने का चलन शुरू हो गया।

इस पर्व को लेकर कुछ मान्यताएं महाभारत काल से भी जुड़ी हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार पाण्डव जब अपना सारा राजपाट जुए में हार गए थे, तब श्रीकृष्ण के निर्देशानुसार द्रोपदी ने छठ व्रत रखा और छठी मैया के आशीर्वाद से उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होने पर पाण्डवों को राजपाट वापस मिला। पाण्डवों की पत्नी द्रोपदी द्वारा परिजनों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना और लंबी आयु के लिए नियमित रूप से सूर्य की पूजा करने का उल्लेख भी मिलता है।

छठ पूजा के अवसर पर नदियों, तालाबों इत्यादि के किनारे पूजा की जाती है, जिससे लोगों को इन जलस्रोतों के आसपास साफ-सफाई रखने की प्रेरणा मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार छठ पूजा साफ-सुथरी नदी, तालाबों या अन्य जलस्रोतों के किनारे की जाती है, इसीलिए पूजा से पहले इन जलस्रोतों के आसपास पूरी साफ-सफाई करने का विधान है। यह महापर्व नदियों को प्रदूषण से मुक्त करने का प्रेरणा देता है, इसीलिए इसे सर्वाधिक पर्यावरण अनुकूल हिन्दू त्यौहार माना जाता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

फीफा टूर्नामेंट यूएई से मोरक्को स्थानांतरित

एजेंसी

मोरक्को। विश्व फुटबॉल की नियामक संस्था फीफा द्वारा आयोजित एक टूर्नामेंट को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से मोरक्को स्थानांतरित कर दिया गया है। फीफा ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यह चार टीमों का मैत्री टूर्नामेंट रविवार से मोरक्को में शुरू होगा। 'फीफा यूनाइट्सः विमेंस सीरीज़' नामक यह प्रतियोगिता मूल रूप से 23 से 29 अक्टूबर तक दुबई में आयोजित की जानी थी। इसमें यूएई, चाड, लीबिया और अफगानिस्तान की महिला शरणार्थी टीम भाग ले रही हैं। अफगानिस्तान महिला शरणार्थी टीम का गठन 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद महिलाओं के खेल पर लगाए गए प्रतिबंध के कारण हुआ था। उस समय कई खिलाड़ियों को उत्पीड़न के डर से देश छोड़ना पड़ा था। फीफा ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'फीफा रॉयल मोरक्कन फुटबॉल फेडरेशन का धन्यवाद करता है और सफल टूर्नामेंट के आयोजन की उम्मीद रखता है।' संगठन ने यह पुष्टि की कि अफगान महिला शरणार्थी टीम ने परामर्श के बाद अपना आधिकारिक नाम 'अफगान वुमन यूनाइटेड' रखा है। तालिबान शासन से पहले अफगानिस्तान की महिला टीम में 25 अनुबंधित खिलाड़ी थीं, जिनमें से अधिकांश अब ऑस्ट्रेलिया में बस चुकी हैं। वहीं, अफगानिस्तान की पुरुष फुटबॉल टीम सामान्य रूप से खेलना जारी रखे हुए है।

भारत एक बार फिर कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज ब्यूरो का उपाध्यक्ष बना, स्वच्छ खेल के प्रति दोहराई प्रतिबद्धता

पेरिस। भारत को अंतरराष्ट्रीय खेलों में डोपिंग के खिलाफ यूनेस्को कन्वेंशन के कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (कॉप10) के ब्यूरो में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए उपाध्यक्ष के रूप में पुनः निर्वाचित किया गया है। यह बैठक 20 से 22 अक्टूबर 2025 तक पेरिस स्थित यूनेस्को मुख्यालय में आयोजित हुई। इस वर्ष सम्मेलन ने इस कन्वेंशन की 20वीं वर्षगांठ का भी उत्सव मनाया गया, जो खेलों में निष्पक्षता और स्वच्छता को बढ़ावा देने वाला एकमात्र कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय साधन है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में खेल सचिव हरि रंजन राव और राष्ट्रीय डोपिंग-रोधी एजेंसी (नाडा) के महानिदेशक अनंत कुमार शामिल थे। इस सत्र में 190 से अधिक सदस्य देशों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ अफ्रीकी संघ, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी), विश्व डोपिंग-रोधी एजेंसी (वाडा) और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने भाग लिया। सम्मेलन के दौरान अज़रबैजान को कॉप10 ब्यूरो का अध्यक्ष चुना गया, जबकि ब्राज़ील, ज़ाम्बिया और सऊदी अरब को उनके-अपने क्षेत्रीय समूहों के लिए उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

पंजाब किंग्स के स्पिन गेंदबाजी कोच बने सैराज बहुतुले

चंडीगढ़। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइज़ी पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर और अनुभवी कोच सैराज बहुतुले को आगामी सीज़न के लिए टीम का नया स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त करने की घोषणा की। बहुतुले ने सुनील जोशी की जगह ली है, जो 2023 से 2025 तक इस भूमिका में रहे। सैराज बहुतुले घरेलू क्रिकेट के एक दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं और उन्हें एक बेहद सम्मानित क्रिकेट कोच के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने इससे पहले केरल, गुजरात, विदर्भ और बंगाल जैसी घरेलू टीमों के साथ कोचिंग की है, साथ ही राजस्थान रॉयल्स (आईपीएल फ्रेंचाइज़ी) के साथ भी काम किया है, जहां उन्होंने युवा प्रतिभाओं के विकास और विभिन्न प्रारूपों में गेंदबाज़ी रणनीतियों को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित किया। पंजाब किंग्स के सीईओ सतीश मेनन ने बहुतुले का टीम में स्वागत करते हुए एक आधिकारिक बयान में कहा, ÷हम सुनील जोशी को उनके समर्पण और पंजाब किंग्स के लिए वर्षों से किए योगदान के लिए हार्दिक धन्यवाद देते हैं। आगे बढ़ते हुए, हमें सैराज बहुतुले का हमारे कोचिंग स्टाफ में स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। सैराज का खेल के प्रति गहरा ज्ञान, विशेष रूप से घरेलू गेंदबाज़ों को तैयार करने और रणनीति बनाने का व्यापक अनुभव, हमारी टीम के लिए अमूल्य साबित होगा। उनकी विशेषज्ञता हमारे विज़न के अनुरूप है, जो आगामी सीज़न के लिए एक मजबूत और एकजुट गेंदबाज़ी इकाई बनाने पर केंद्रित है।

दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया, शृंखला 1-1 से की बराबर

रावलपिंडी। दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान को रावलपिंडी टेस्ट में आठ विकेट से हराकर दो मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। स्पिन जोड़ी केशव महाराज और साइमन हार्मर ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए मेज़बानों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। महाराज ने मैच में कुल 9 विकेट (9/136) जबकि हार्मर ने 8 विकेट (8/125) हासिल किए। छोटे लक्ष्य 68 रन का पीछा करते हुए एडन मार्करम और ryan रिकेलटन ने आसान जीत दिलाई। पाकिस्तान ने पहली पारी में 333 रन बनाए थे, जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 404 रन बनाए थे और 71 रनों की बढ़त हासिल की थी। चौथे दिन की शुरुआत में पाकिस्तान का स्कोर 94/4 था और कप्तान बाबर आज़म 49 रन बनाकर क्रीज़ पर डटे हुए थे। उन्होंने पचासा पूरा किया, लेकिन कुछ ही गेंद बाद साइमन हार्मर ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट कर मेज़बानों को बड़ा झटका दिया। इसके बाद पाकिस्तान की पारी बिखरती चली गई। मोहम्मद रिज़वान का कैच शॉर्ट लेग पर लपका गया और इसी के साथ हार्मर ने अपनी पारी की पांचवीं सफलता हासिल की। कुछ देर बाद नोमान अली भी विकेटकीपर को कैच थमा बैठे, जिससे हार्मर ने अपने फ़र्स्ट-क्लास करियर का 1000वां विकेट झटका।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे वनडे में भारत को दो विकेट से हराया, श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त

एजेंसी

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी मिडिल ऑर्डर बल्लेबाजी की दम पर भारत को दूसरे वनडे मैच में दो विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। मैट शॉर्ट ने अपने बिग बैश के घरेलू मैदान पर शानदार बल्लेबाजी करते हुए 74 रनों की पारी खेली, जबकि कूपर कॉनॉली (61 नाबाद) ने अपने वनडे करियर का पहला अर्धशतक जमाया और टीम को जीत तक पहुंचाया। मिचेल ओवेन ने भी 36 रन की तेजतर्रार पारी खेलकर लक्ष्य को आसान बनाया। इससे पहले भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में नौ विकेट पर 264 रन बनाए। रोहित शर्मा ने 73 और श्रेयस अय्यर ने 61 रनों की अहम

पारियां खेलीं। हालांकि ज़ेवियर बार्टलेट (3/39) ने शानदार गेंदबाजी करते हुए एक ही ओवर में दो विकेट झटके, जिनमें विराट कोहली का शून्य पर आउट होना शामिल था। इसके बाद एडम जैम्पा (4/60) ने भारतीय मिडिल ऑर्डर को झकझोर दिया। हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह की साझेदारी ने टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया को भी बीच में मुश्किलें आईं। 27 ओवर में 132 पर चार विकेट गिरने के बाद भारत ने मुकाबले को रोमांचक बना दिया था, लेकिन शॉर्ट, कॉनॉली और ओवेन ने संयम से बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत तक पहुंचा दिया, हालांकि अंत में कुछ विकेट तेजी से गिरे। श्रृंखला का तीसरा और अंतिम वनडे मुकाबला शनिवार को सिडनी में खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की टी20 श्रृंखला खेली जाएगी।

मेरठ की पलक सिंह का अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम में चयन

एजेंसी

मुरादाबाद। पीतलनगरी मुरादाबाद में संचालित हो रही सुप्रसिद्ध मॉडर्न पब्लिक स्कूल क्रिकेट अकादमी में क्रिकेट बारीकियां सिखाने वाली मेरठ के लोहिया नगर निवासी पलक सिंह का चयन उत्तर प्रदेश अंदर-19 महिला क्रिकेट टीम में हो गया है। बुधवार को कानपुर में घोषित अंडर-19 महिला क्रिकेट की 15 सदस्य टीम में पलक सिंह को लेग स्पिनर ऑलराउंडर के रूप में जगह दी गई है। मॉडर्न पब्लिक स्कूल (एमपीएस) क्रिकेट अकादमी के संचालक व पलक के कोच मिर्जा दानिश आलम ने इसे मुरादाबाद मंडल के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि पलक की मेहनत और संघर्ष रंग लाया है। यह चयन न केवल अकादमी बल्कि पूरे पश्चिमी उप्र के लिए गर्व का विषय है। मिर्जा दानिश आलम ने बताया कि 2 वर्ष पूर्व पलक सिंह मुरादाबाद में आ गई थी और उन्होंने महानगर के बुद्धि विहार स्थित कॉलोनी में किराए का कमरा लेकर रहना प्रारम्भ कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने एमपीएस क्रिकेट अकादमी में प्रवेश लेकर क्रिकेट की बारीकियां सीखना भी शुरू कर दिया था। पलक सुबह से शाम तक क्रिकेट के मैदान में पसीना बहाकर प्रैक्टिस करती थी और अपने कमरे पर अकेले रहकर खुद ही अपना खाना बनाती थी व दैनिक दिनचर्या के कार्य भी करती थी। अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम में चयन होने के बाद पलक सिंह ने कहा कि यह उनके लिए बेहद खुशी का पल है लेकिन अभी भी वह और अधिक मेहनत करेगी और नीली जर्सी पहनने का सपना पूरा करेंगी। पलक के पिता सतपाल सिंह और मां ममता सिंह ने अपनी बेटी के अंदर-19 महिला क्रिकेट टीम में चयन होने पर कहा है कि उनके लिए यह बहुत ही बड़ी उपलब्धि है जिसको शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।

पीकेएल-12: गुजरात पर धमाकेदार जीत के साथ बेंगलुरू बुल्स ने किया प्लेऑफ में प्रवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। बेंगलुरू बुल्स ने त्यागराज इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन-12 के 106वें मुकाबले में गुजरात जाएंट्स को 54-26 के बड़े अंतर से हराकर अंक तालिका में तीसरा स्थान सुरक्षित किया और प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली।

वहीं, इस हार के साथ गुजरात की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। बुल्स की इस सीजन में यह 11वीं जीत रही, जिसमें टीम के सभी खिलाड़ियों का शानदार योगदान रहा। अलीरेजा मीरजाइन (10 अंक) और आकाश शिंदे (11 अंक) ने रेड में बेहतरीन प्रदर्शन किया। डिफेंस में संजय ने हाई-5 पूरा किया, जबकि दीपक संकर ने 4 और कप्तान योगेश दहिया ने 3 अंक लिए। गुजरात के लिए केवल हिमांशु सिंह (5 अंक) और श्रीधर कदम (8 अंक) ही कुछ प्रभाव छोड़ सके। मुकाबले की शुरुआत से ही बुल्स का दबदबा देखने को मिला। टीम ने महज तीन मिनट में गुजरात को पहली बार आलआउट कर 10-1 की बढ़त बना

ली। इसके बाद बुल्स ने आक्रामक अंदाज जारी रखा और पहला क्वार्टर 17-4 पर समाप्त किया। जल्द ही गुजरात दूसरी बार आलआउट हुई और स्कोर 22-5 हो गया। हाफटाइम तक बुल्स ने 36-7 की विशाल बढ़त हासिल कर ली थी। दूसरे हाफ में भी बुल्स ने गति बरकरार रखी। अलीरेजा ने सुपर-10 पूरा किया, जबकि संजय ने डिफेंस में लगातार अंक बटोरे। गुजरात ने श्रीधर की अगुवाई में कुछ वापसी की कोशिश की, लेकिन अंतर बहुत बड़ा था।अंत में बुल्स ने 54-26 से मैच जीतकर न केवल अपनी प्लेऑफ टिकट पक्की की, बल्कि यह साबित कर दिया कि वे खिताब के प्रबल दावेदारों में से एक हैं।

डोपिंग में फंसी मैराथन वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक रूथ चेप्नगेटिच, तीन साल के लिए बैन

एजेंसी

मोनाको। केन्या की मशहूर धाविका और मैराथन वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक रूथ चेप्नगेटिच पर तीन साल का डोपिंग प्रतिबंध लगाया गया है। यह कार्रवाई एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) ने की। 31 वर्षीय चेप्नगेटिच, जो पूर्व विश्व मैराथन चैंपियन और शिकागो मैराथन की तीन बार की विजेता रह चुकी हैं, के सैंपल में मार्च में प्रतिबंधित मूत्रवर्धक दवा हाइड्रोक्लोरोथियाजाइड (एचसीडीजेड) पाई गई। जांच में उनके सैंपल में 3,800 एनजी/एमएल की मात्रा दर्ज की गई, जो विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की न्यूनतम सीमा 20 एनजी/एमएल से कई गुना अधिक थी। चेप्नगेटिच को जुलाई में अस्थायी रूप से निलंबित किया गया था। शुरू में उन्होंने डोपिंग के आरोपों से इनकार किया और जांच एजेंसी को कोई ठोस स्पष्टीकरण नहीं दिया। बाद में, निलंबन के दो सप्ताह बाद उन्होंने दावा किया कि उन्होंने गलती से अपनी नौकरानी की दवा खा ली थी, जिसमें एचसीजीजेड मौजूद था। एआईयू ने उनकी सफाई को 'लापरवाहीपूर्ण' और

'अप्रत्यक्ष रूप से जानबूझकर की गई गलती' बताया। पहले एजेंसी ने चार साल का प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया था, लेकिन जल्द स्वीकारोक्ति के चलते इसे घटाकर तीन साल कर दिया गया। हालांकि, एआईयू ने स्पष्ट किया कि चेप्नगेटिच का वर्ल्ड रिकॉर्ड टाइम 2:09:56, जो उन्होंने अक्टूबर 2024 में शिकागो मैराथन में बनाया था, वैध रहेगा, क्योंकि वह उपलब्धि 14 मार्च 2025 की पॉजिटिव टेस्ट रिपोर्ट से पहले दर्ज की गई थी। एआईयू के प्रमुख ब्रेट क्लोथियर ने कहा कि 'हालांकि एचसीटीजेड मामले का निपटारा हो गया है, लेकिन चेप्नगेटिच के फोन से मिले संदिग्ध डेटा की जांच जारी रहेगी ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं अन्य नियम उल्लंघन तो नहीं हुआ।'

बहरीन में तृतीय यूथ एशियन गेम्स में बनारस के शिवांशु पटेल एवं यश्वनी सिंह ने ताइक्वांडो में जीता कांस्य पदक

एजेंसी

वाराणसी। बहरीन में आयोजित तृतीय यूथ एशियन गेम्स 2025 में वाराणसी के युवा खिलाड़ियों ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए ताइक्वांडो के युगल स्पर्धा में कांस्य पदक जीत कर शानदार प्रदर्शन किया। जिला ताइक्वांडो संघ वाराणसी के प्रशिक्षु खिलाड़ी शिवांशु पटेल एवं यश्वनी सिंह ने ताइक्वांडो के युगल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए वियतनाम के खिलाड़ियों को हरा सेमी फाइनल में प्रवेश किया। जहां पर उनका बहुत ही कड़ा मुकाबला थाईलैंड के खिलाड़ियों से हुआ, थाईलैंड के खिलाड़ियों के 8.52 अंकों के मुकाबले भारत के खिलाड़ियों ने 8.20 अंक प्राप्त कर कांस्य पदक भारत के नाम किया। गुरूवार शाम यह जानकारी जिला ताइक्वांडो संघ के सचिव चंद्रभान पटेल ने दी। उन्होंने बताया कि भारतीय ताइक्वांडो इतिहास में यह पहली बार है कि कोई खिलाड़ी यूथ एशियन गेम्स में भारत के लिए पदक अर्जित कर सका है । यह पदक

भारतीय ताइक्वांडो इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा। चंद्रभान पटेल के अनुसार तृतीय यूथ एशियन गेम्स 2025 में कुल 45 देशों के 8000 से अधिक खिलाड़ियों ने विभिन्न 26 खेल विधाओं में प्रतिभाग किया। इसमें ताइक्वांडो स्पर्धा में कोरिया, चीन, चाइनीस ताइपे, थाईलैंड, वियतनाम, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश श्रीलंका सहित 32 देशों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में भारतीय ताइक्वांडो दल से कुल 17 खिलाड़ियों ने तीन पूमसे स्पर्धा (पुरुष व्यक्तिगत,स्पर्धा महिला व्यक्तिगत स्पर्धा, मिश्रित युगल स्पर्धा)व 14 क्योरगी स्पर्धा में प्रतिभाग किया। इसमें उत्तर प्रदेश के दो खिलाड़ी शिवांशु पटेल एवं यश्वनी सिंह ने मिश्रित युगल स्पर्धा में प्रतिभाग करते हुए कांस्य पदक अर्जित किया। दोनों खिलाड़ियों ने पदक अपने प्रशिक्षक चंद्रभान पटेल, माता-पिता को समर्पित किया। जिला ताइक्वांडो संघ वाराणसी के अध्यक्ष आशीष प्रताप सिंह ने बताया कि दोनों एथलीटों को वर्ष 2020 में जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन वाराणसी द्वारा शुरू किए गए मिशन एशियन गेम्स और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता (मैजिक) में शामिल किया गया था। वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष सिंह ने कहा कि एसोसिएशन ने कोविड महामारी के दौरान 13 अप्रैल 2020 को राष्ट्र की पहली ऑनलाइन पूमसे चैंपियनशिप की मेजबानी की थी। और उन्हें लगातार आवश्यक दिशा निर्देश के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने का अवसर दिया था। पदाधिकारियों ने दोनों युवा खिलाड़ियों को पदक जीतने के लिए शुभकामनाएं भी दी।

श्याम लाल कॉलेज ने जीता ऑल इंडिया 43वां श्री युक्त बाबा भगत स्मृति हॉकी टूर्नामेंट का खिताब

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के श्याम लाल कॉलेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राजस्थान के कोटपुतली जिले के शाहजहांपुर में आयोजित 43वें श्री युक्त बाबा भगत स्मृति ऑल इंडिया हॉकी टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में श्याम लाल कॉलेज ने साई कुरुक्षेत्र को कड़े संघर्ष में 2-1 से पराजित किया। विजेता टीम को 51,000 की इनामी राशि प्रदान की गई, जबकि उपविजेता साई कुरुक्षेत्र को 25,000 मिले।

श्याम लाल कॉलेज की ओर से सतीश और प्रत्यूष सिंह जग्गी ने एक-एक गोल दागा, वहीं साई कुरुक्षेत्र की तरफ से सहजप्रीत ने एकमात्र गोल किया। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में देशभर की 32 टीमों ने भाग लिया, जिससे प्रतियोगिता में रोमांच और प्रतिस्पर्धा का स्तर काफी ऊंचा रहा। व्यक्तिगत पुरस्कारों में श्याम लाल कॉलेज के राहुल को बेस्ट डिफेंडर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया, जबकि साई कुरुक्षेत्र के बिट्टू को बेस्ट फॉरवर्ड ऑफ द टूर्नामेंट का सम्मान मिला।

श्याम लाल कॉलेज की चैंपियन टीमः

हर्ष शर्मा (कप्तान), राहुल, के. रोहित, हिमांशु, मोहम्मद कामिल (गोलकीपर), ललित, नवीन बिधूड़ी, श्लोक तिवारी, प्रत्यूष सिंह जग्गी, नंदकिशोर, पंकज, भूपेन्द्र, मनमोहन, राजू, सतीश और गणेश। कोचः ललित, मैनेजरः वीएस जग्गी।

रक्सौल की अक्षरा को मिला बिहार अंडर-19 क्रिकेट टीम का कमान

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड(बीसीसीआई)द्वारा आयोजित महिला क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए ईस्ट चंपारण डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन(इसीडीसीए) से सम्बद्ध रक्सौल निवासी अक्षरा गुप्ता को बिहार अंडर-19 टीम का कप्तान बनाया गया हैं। बिहार की टीम 23 अक्टूबर को पटना से औरंगाबाद(महाराष्ट्र) के लिए रवाना होगी। बिहार की टीम का पहला मुकाबला 26 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश से होगा।वही 27,29 और 31 अक्टूबर एवं 2 नवंबर को बिहार टीम के सामने क्रमशः पुदुचेरी,पंजाब, उत्तराखंड व तामिलनाडु की टीम होगी। इसीडीसीए सचिव रवि राज ने बताया कि बिहार क्रिकेट एसोसिएशन(बीसीए) ने अक्षरा गुप्ता के नेतृत्व क्षमता व प्रतिभा

पर विश्वास करते हुए टीम की बागडोर उसे सौपा हैं।अक्षरा ने पूर्व में भी लगातार भिन्न-भिन्न आयु-वर्ग के लिए बिहार टीम का प्रतिनिधित्व किया हैं।उसने बिहार की अंडर-15,अंडर-19 और अंडर-23 टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया हैं।अपनी उत्कृष्ट बल्लेबाजी व उपयोगी गेंदबाजी के बदौलत उसने टीम बिहार को अनेकों मैच में जीत दिलाई हैं। अक्षरा ने बातचीत के क्रम में बताया कि वह इस सत्र में अपने अच्छे प्रदर्शन से बिहार सीनियर टीम में जगह बनाने का प्रयास करेगी। उल्लेखनीय है, कि अक्षरा के साथ-साथ पूर्वी चंपारण डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन से सम्बद्ध खिलाड़ी सकीबुल गनी को बिहार रणजी टीम का कप्तान व महिला खिलाड़ी प्रीति कुमारी को बिहार सीनियर(महिला) टीम का उपकप्तान की जिम्मेदारी बीसीए द्वारा दी गई हैं जो पूर्वी चंपारण जिले के लिए गौरव की बात हैं। अक्षरा के कप्तान बनने पर बीसीए गवर्निंग काउंसिल कन्वेनर ज्ञानेश्वर गौतम, इसीडीसीए अध्यक्ष आकर्षण आदित्य,सचिव रवि राज,संयुक्त सचिव कन्हैया प्रसाद,कोषाध्यक्ष अभिषेक कुमार ठाकुर,क्लब प्रतिनिधि अयाज अहमद,खिलाड़ी प्रतिनिधि मधुरेन्द्र सिंह व ब्यूटी कुमारी,मीडिया प्रभारी प्रीतेश रंजन,एनसीए कोच मनोज कनौजिया, अमित कुमार,रामेश्वर साह, वरिष्ठ खिलाड़ी रामप्रकाश सिन्हा, प्रभाकर जयसवाल,संजय कुमार टुन्ना, राशिद जमाल खान,गुलाब खान,शैलेन्द्र मिश्र बाबा,अजय कुमार,प्रकाश कुमार कन्हैया,प्रिंस कुमार,राकेश कुमार,हरप्रीत सिंह सालूजा इत्यादि ने बधाई देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की हैं।

असद कासिम मेमोरियल अंडर-16 राज्य स्तरीय क्रिकेट 26 से

एजेंसी

प्रयागराज। स्वर्गीय असद कासिम मेमोरियल अंडर-16 राज्य स्तरीय क्रिकेट 26 से दौलत हुसैन इंटर कॉलेज मैदान पर शुरू होगी। नौ नवम्बर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में आठ टीमें भाग लेंगी, जिसमें छह टीमें प्रयागराज की और दो टीमें प्रदेश के दूसरे जिले की होंगी। प्रतियोगिता अध्यक्ष शाहिद अस्करी ने प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन से संबद्ध प्रतियोगिता के कुछ मुकाबले मजीदिया इस्लामिया इंटर कॉलेज मैदान पर भी खेले जायेंगे। इसमें आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप-ए में शिवपुर क्रिकेट क्लब वाराणसी, डीएसए क्रिकेट क्लब प्रयागराज, भानु प्रताप क्रिकेट क्लब प्रयागराज और शुआट्स क्रिकेट क्लब प्रयागराज को रखा गया है जबकि ग्रुप-बी में एचएस क्लब

वाराणसी, दौलत हुसैन इंटर कॉलेज प्रयागराज, गोपाल दास क्रिकेट क्लब प्रयागराज और किशोरी लाल क्रिकेट क्लब प्रयागराज शामिल हैं। प्रत्येक ग्रुप से दो टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी, जिसमें ग्रुप ए की पहली टीम ग्रुप बी की दूसरी टीम से और ग्रुप बी की दूसरी टीम ग्रुप ए की पहली टीम से भिड़ेगी। सभी मैच 35-35 ओवर के खेले जायेंगे। मैच में, टीमों को गेंद, टी-शर्ट और दोपहर का भोजन समिति द्वारा प्रदान किया जाएगा। आयोजन सचिव शमशाद अहमद (चंदू) ने बताया कि उद्घाटन मुकाबला 26 अक्टूबर को शिवपुर क्लब वाराणसी और डीएसए क्लब के बीच सुबह साढ़े आठ बजे से दौलत हुसैन इंटर कॉलेज पर खेला जायेगा। उद्घाटन मैच में हिमांशु कुमार कुशवाहा (सीएमडी, एके इंफ्राड्रीम लिमिटेड) मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि मोहम्मद अशरफ (सेवानिवृत्त रजिस्ट्रार, औद्योगिक न्यायाधिकरण, यूपी) होंगे।

कायस्थ पाठशाला की जीत में आदित्य चमके

एजेंसी

प्रयागराज। कायस्थ पाठशाला क्लब ने कालिदास क्लब को 161 रन से हराकर कर्नल एमआर शेरवानी सीनियर डिवीजन क्रिकेट लीग में पूरे अंक प्राप्त किये। इस जीत में वामहस्त स्पिनर आदित्य यादव की अचूक गेंदबाजी (8-1-27-5) की महत्वपूर्ण

भूमिका रही। केपी कॉलेज मैदान पर गुरूवार को खेले गए मैच में कायस्थ पाठशाला क्लब ने 40 ओवर में 9 विकेट पर 237 रन (मयंक दुबे 51, तेजस मिश्र 37, हर्षित नारायण तिवारी 36, देवांश पाठक 26, विश्वास सक्सेना 23, अभिनव तिवारी 19, विवान राज 2/24, सिद्धार्थ वर्मा 2/34, विशेष आनंद 2/35) बनाए। जवाब में कालिदास क्लब की पूरी टीम 21 ओवर में 76 रन (अनस अहमद व मोहम्मद अरमान 17-17, सलमान खान 13, आदित्य यादव 5/27, अभिनव तिवारी 2/08, आदर्श पांडेय व मयंक मिश्रा ने एक-एक विकेट) बना लिए। मैच में हितेश श्रीवास्तव व विपिन यादव अम्पायर एवं मोहम्मद सैफ स्कोरर रहे।

मुरादाबाद में 25 अक्टूबर से जुटेंगे टेनिस के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी

एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद टेनिस एसोसिएशन व चड्ढा लाइफस्टाइल की ओर से आगामी 25 अक्टूबर से 1 नवम्बर तक अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन डॉ भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी एवं पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय के टेनिस कोट पर प्रतिदिन सुबह 7 बजे से रात्रि 8 बजे तक होगा। यह जानकारी अंतरराष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ी व टूर्नामेंट संयोजक अवनीश रस्तोगी ने प्रेस कांफ्रेंस कर पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट में 35 आयु वर्ग से 75 आयु वर्ग के खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। अलग-अलग वर्ग में आयोजित होने वाले टूर्नामेंट में मैंस, वूमेंस की प्रतिस्पर्धा होगी।

टूर्नामेंट से जुड़े करनवीर सिंह ने बताया कि चैम्पियंस कप को अपनी गुणवत्ता, खिलाड़ियों को प्रदत्त सेवाएं, उच्च स्तर की सुविधाएं एवं मानकों से अधिक श्रेष्ठता हेतु अंतरराष्ट्रीय टेनिस संघ द्वारा (लंदन स्थित) पुरस्कृत किया गया है। जिसके लिए 2024 तक एक प्रमाण पत्र भी जारी किया गया है जो मुरादाबाद टेनिस एसोसिएशन के सचिव अवनीश रस्तोगी के पास

सुरक्षित है। उल्लेखनीय है कि ये अवार्ड उत्तर प्रदेश में पहली बार मुरादाबाद को मिला है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक विशेष पहचान स्टार ईवेंट के नाम से जाना जाता है। इस वर्ष लगभग 207 एंट्री रजिस्टर हो चुकी हैं जिसमें विदेशी पुरुष वर्ग के सोलवाकिया, अमेरिका से एवं महिला वर्ग में जर्मनी, अमेरिका से खिलाड़ी 23 अक्टूबर को मुरादाबाद के मैदान में आकर प्रैक्टिस करेंगे। 30 आयु वर्ग में सिल्वर मेडल विनर लक्षित एवं चंद्रिल सूद, 35 आयु वर्ग में ब्रांज मेडल विनर मिशल, कार्तिकेय, 40 आयु वर्ग में फरीद उस्मानी, आदित्य, 45 आयु वर्ग में नरेंद्र चौधरी, 50 आयु वर्ग में जगदीश तंवर, अवनीश रस्तोगी, बंटी तालान, 55 आयु वर्ग में पवन कपूर, अनुराग अग्रवाल, 60 आयु वर्ग में चंद्र भूषण, राजन बेरी, 65 आयु वर्ग में अजीत भारद्वाज, मैहर प्रकाश, मयूर बंसल, 70 आयु वर्ग में चटवाल, अरविंद भसीन, 75 आयु वर्ग में धवल पटेल, राज गोयल, महिला वर्ग में चेतना, मनीषा, हरप्रीत, राधा बंसल, सिद्धि, विभा, मंजू खरे आदि नामचीन खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। टूर्नामेंट के संचालन हेतु 1 रेफरी आईटीएफ एंटोन डिसूजा अपने 5 अम्पायर की टीम के साथ 24 अक्टूबर को मैदान में उपस्थित रहेंगे।

खिलाड़ियों के लिए प्रतिदिन अल्पाहार, लंच एवं फल व शिकंजी के आवा कॉसमॉस हॉस्पिटल की एक्सपर्ट फिजियोथेरेपी टीम साक्षी के निर्देशन में उपस्थित रहेगी। मैच के तहत लाइव कवरेज की व्यवस्था लॉज में 56 इंच के स्क्रीन पर लाइव प्रदर्शित रहेगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में अकादमी से अधिकारी उपस्थित रहेंगे। मुरादाबाद टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष संजीव जैन ने बताया कि टूर्नामेंट संबंधित सभी तैयारियों को अंतिम रूप प्रदान किया जा रहा है।

स्टॉक मार्केट में मिडवेस्ट लिमिटेड की जोरदार एंट्री, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। नेचुरल स्टोन्स की माइनिंग और प्रोसेसिंग करके देश-विदेश में बेचने वाली कंपनी मिडवेस्ट लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 1,065 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग करीब 9 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 1,165.10 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 1,165 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से इस शेयर की चाल में और तेजी आ गई। सुबह 10:15 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 1.180.65 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 10.86 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। मिडवेस्ट लिमिटेड का 451 करोड़ रुपये का आईपीओ 15 से 17 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 22.36 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 146.99 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 176.57 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 25.52 गुना और एंप्लॉयीजी के लिए रिजर्व पोर्शन 25.80 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 250 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं।

पहली नवंबर से बैंकों में एक से अधिक व्यक्तियों को नामित कर सकेंगे जमाकर्ता

नयी दिल्ली। बैंकिंग विधि (संशोधन) अधिनियम, 2025 के अंतर्गत जमाकर्ताओं को वारिस नामांकित करने में एक से अधिक व्यक्तियों को चुनने के महत्वपूर्ण प्रावधान पहली नवंबर से प्रभावित हो जायेंगे। यह जानकारी वित्त मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति में दी गयी है। नामांकन संबंधी प्रावधानों के अनुसार कोई जमाकर्ता अब अपनी पसंद के अनुसार वरीयता क्रम में चार व्यक्तियों को नामित कर सकता है। इससे संबंधित खाता में पड़ी राशि पर दावों के समाधान में एकरूपता, पारदर्शिता और सरलता आयेगी।

रूस पर अमेरिका के प्रतिबंधों से कच्चे तेल की कीमतों में चार फीसदी से अधिक उछाल, बाजार में हलचल

नई दिल्ली। यूक्रेन में शांति समझौते पर बातचीत के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव बनाने के प्रयास के तहत अमेरिका ने रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन प्रतिबंधों में अमेरिका में रोसनेफ्ट और लुकोइल की सभी संपत्तियों को जब्त करना भी शामिल है। अमेरिका की इस सख्ती के बाद बृहस्पतिवार को वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में 4 फीसदी से ज्यादा उछाल दर्ज किया गया। ब्रेंट क्रूड 2.71 डॉलर या 4.3 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 65.30 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड की कीमतें 2.56 डॉलर या 4.40 फीसदी के उछाल के साथ 61.06 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गईं।

अमेरिका से पहले ब्रिटेन ने भी पिछले सप्ताह रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए हैं। यूरोपीय संघ के देशों ने भी रूस के खिलाफ प्रतिबंधों के 19वें पैकेज को मंजूरी दी, जिसमें रूसी एलएनजी के आयात पर पाबंदी लगाना भी शामिल है। यूबीएस के विश्लेषक जियोवानी स्टानोवो ने कहा, वैश्विक तेल बाजारों पर इन प्रतिबंधों का पड़ने वाला असर इस बात पर निर्भर करेगा कि भारत कैसी प्रतिक्रिया देता है और क्या रूस को वैकल्पिक खरीदार मिलते हैं। बाजार में इस बात को लेकर संशय बना हुआ है कि क्या अमेरिकी प्रतिबंधों से आपूर्ति और मांग में बुनियादी बदलाव आएगा। जहां तक मांग पक्ष की बात है, तो रिफाइनिंग गतिविधियों और मांग में मजबूती से पिछले सप्ताह अमेरिकी कच्चे तेल, गैसोलीन और डिस्टिलेट के भंडार में कमी दर्ज की गई।

वित्त वर्ष 2026 में भारत की जीडीपी 6.7-6.9 प्रतिशत बढ़ेगी

नई दिल्ली। बढ़ती मांग और नीतिगत सुधारों के बीच चालू वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था 6.7-6.9 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। डेलॉयट इंडिया ने गुरुवार को यह अनुमान जताया। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत बढ़ी है। डेलॉइट इंडिया की 'भारत का आर्थिक परिदृश्य' रिपोर्ट में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 6.7 से 6.9 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान लगाया गया है। इस वित्त वर्ष में इसका औसत 6.8 प्रतिशत है। यह डेलॉइट के पिछले अनुमान से 0.3 प्रतिशत अंक अधिक है।भारतीय अर्थव्यवस्था का यह प्रदर्शन न केवल लचीलेपन का संकेत देता है, बल्कि यह भी बताता है कि भारत अधिकांश देशों की तुलना में अधिक मजबूती से उभर रहा है। अगले वर्ष भी इसी तरह की वृद्धि दर की उम्मीद है।

अमेरिका में भारी शुल्क से घरेलू चमड़ा क्षेत्र की कारोबारी आय में आ सकती है 10-12 प्रतिशत कमी: क्रिसिल

एजेंसी

नई दिल्ली। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल रेटिंग्स के एक ताजा विश्लेषण में कहा गया है कि अमेरिका में भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत तक के ऊंचे आयात शुल्क से भारत के चमड़ा उद्योग की आय सालाना आधार पर 10-12 प्रतिशत तक गिर सकती है और इकाइयों का परिचालन लाभ भी दो से तीन प्रतिशत तक प्रभावित हो सकता है।

क्रेडिट रेटिंग इंफॉर्मेशन सर्विसेज ऑफ इंडिया लिमिटेड (क्रिसिल) ने जारी एक विश्लेषण में कहा है कि भारतीय चमड़ा उद्योग की निर्यात पर निर्भरता तथा अमेरिकी बाजार में बेचे जाने वाले तैयार चर्म उत्पादों पर अच्छी आय के चलते निर्यात क्षेत्र के साथ पूरे उद्योग का आय और परिचालन लाभ प्रभावित होगा। विश्लेषण के अनुसार, निर्यात कारोबार में परिचालन लाभ पर ढाई से तीन प्रतिशत और पूरे उद्योग के परिचालन लाभ में डेढ़ से दो प्रतिशत की कमी आ सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी में कमी, आयकर में रियायत, मुद्रास्फीति और ब्याज दर में कमी से घरेलू बाजार में खपत बढ़ेगी और निर्यात में गिरावट का असर कुछ कम होगा।क्रिसिल ने कहा है कि पिछले वित्त वर्ष में निर्यात का 50 प्रतिशत हिस्सा यूरोपीय संघ और 22 प्रतिशत अमेरिकी बाजार में गया था। अमेरिका में शुल्क 50 प्रतिशत होने के कारण वहां के लिए निर्यात बुरी तरह प्रभावित हुआ है और ऑर्डर रद्द कर दिये गये हैं या रोक निर्लंबित कर दिये गये हैं। अमेरिका के बाजार पर निर्भर कई टेनरियों और चमड़ा उत्पाद तैयार करने वाली छोटी इकाइयों का काम पिछले दो महीने से बंद पड़ा है। क्रिसिल के अनुसार, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के युक्तिकरण के बाद घरेलू मांग में मामूली सुधार के साथ-साथ आयकर में छूट, मुद्रास्फीति में नरमी और ब्याज दरों में गिरावट जैसे कई अनुकूल वृहद-आर्थिक कारकों के बावजूद चमड़ा उद्योग के कारोबार में इतनी बड़ी गिरावट के आसार इसलिए हैं क्योंकि इस क्षेत्र का ज्यादा ध्यान निर्यात पर केंद्रित रहा है। क्रिसिल रेटिंग्स की निदेशक जयश्री नंदकुमार ने कहा, ÷अमेरिका से ऑर्डर कम होने के कारण, चालू वित्त वर्ष में मात्रा के हिसाब से निर्यात में 13-14 प्रतिशत की गिरावट आने की उम्मीद है। इसका राजस्व पर और अधिक असर पड़ेगा क्योंकि अमेरिका को होने वाले निर्यात में बड़ा हिस्सा जूते और चमड़े के तैयार सामानों का होता है, जिनसे अपेक्षाकृत अधिक आय प्राप्त होती है। सुश्री नंदकुमार का कहना है कि अमेरिका में भेजे जाने वाले ऐसे सामानों से प्राप्त राजस्व प्रति इकाई 14 डॉलर के आसपास है जो सम्पूर्ण तैयार चर्म उत्पादों के प्रति इकाई निर्यात राजस्व की तुलना में 14-15 प्रतिशत अधिक है। इस प्रकार, इस वित्त वर्ष में चमड़ा क्षेत्र का निर्यात राजस्व 14-16 प्रतिशत घटकर 3.9-4 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। क्रिसिल के अनुसार, चमड़ा और संबद्ध उत्पाद उद्योग ने वित्त वर्ष 2024-25 में 56,000 करोड़ रुपये का कारोबार किया था ।

पहली नवंबर से बैंकों में एक से अधिक व्यक्तियों को नामित कर सकेंगे जमाकर्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। बैंकिंग विधि (संशोधन) अधिनियम, 2025 के अंतर्गत जमाकर्ताओं को वारिस नामांकित करने में एक से अधिक व्यक्तियों को चुनने के महत्वपूर्ण प्रावधान पहली नवंबर से प्रभावित हो जायेंगे। यह जानकारी वित्त मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति में दी गयी है। नामांकन संबंधी प्रावधानों के अनुसार कोई जमाकर्ता अब अपनी पसंद के अनुसार वरीयता क्रम में चार व्यक्तियों को नामित कर सकता है। इससे संबंधित खाता में पड़ी राशि पर दावों के समाधान में एकरूपता, पारदर्शिता और सरलता आयेगी।

बैंकिंग विधि (संशोधन) अधिनियम , 2025 का मुख्य उद्देश्य बैंकों के संचालन व्यवस्था में सुधार तथा जमाकर्ताओं और निवेशकों के हितों के संरक्षण के उपाय को मजबूत करना है। संशोधित अधिनियम के उद्देश्यों के अंतर्गत एक उद्देश्य सरकारी क्षेत्र के बैंकों के अंकेक्षण की गुणवत्ता का स्तर सुधारना भी है। इस अधिनियम की अधिसूचना 15 अप्रैल को जारी कर दी गयी थी। इसके अंतर्गत बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े विभिन्न कानों में कुल 19 संशोधन किये गये हैं।

ये संशोधन रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया एक्ट 1934 ,बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949 ,स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया एक्ट 1955 और बैंकिंग कंपनियां (अधिग्रहण एवं उपक्रमों का अंतरण) अधिनियम 1970 और 1980 से संबंधित हैं। गत 15 अप्रैल को जारी गजट अधिसूचना में कहा गया था कि संशोधित अधिनियम के प्रावधान पहले नवंबर से लागू हो जायेंगे।

सिंधिया ने की सीतारमण से मुलाकात; दूरसंचार,डाक और पूर्वोत्तर क्षेत्र की दी जानकारी

एजेंसी

नई दिल्ली।केंद्र सरकार में मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और दूरसंचार, डाक तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास विभागों की प्राथमिकताओं से उन्हें अवगत कराया।

श्री सिंधिया के पास संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय हैं। संचार मंत्रालय के तहत दूरसंचार और डाक विभाग आते हैं। बैठक के दौरान तीनों विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे। उन्होंने वित्त मंत्री को मौजूदा वित्त वर्ष के लिए तीनों विभागों की पूंजीगत व्यय की प्राथमिकताओं और मध्यावधि योजना (वित्त वर्ष 2029-30 तक) के बारे में विस्तृत जानकारी दी। दूरसंचार विभाग ने 'आत्मनिर्भर 2025-2030 की राह' के तहत बीएसएनएल (भारत संचार निगम लिमिटेड) के आत्मनिर्भर बनने और वित्तीय सुधार के रोडमैप को प्रस्तुत किया। इसमें बताया गया कि बीएसएनएल ने 17 साल बाद परिचालन लाभ हासिल किया है और हाल ही में स्वदेशी 4जी नेटवर्क की शुरुआत की गयी। कंपनी की वित्तीय स्थिति में सुधार हो रहा है। इसमें बताया गया कि भविष्य की निवेश

प्राथमिकताओं में 4जी और 5जी नेटवर्क विस्तार, बुनियादी ढांचा और डिजिटल सिस्टम का आधुनिकीकरण, तथा भूमि के मौद्रीकरण पहलों को तेज करना शामिल है, ताकि दूरसंचार क्षेत्र में आर्थिक स्थिरता और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता सुनिश्चित की जा सके। विभाग ने यह भी रेखांकित किया कि इन सुधारों का उद्देश्य इस दशक के अंत तक बीएसएनएल को लाभांश देने वाली, आत्मनिर्भर संस्था बनाना है। डाक विभाग ने अपने आधुनिकीकरण और रूपांतरण का रोडमैप प्रस्तुत किया, जिसमें डाक विभाग को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर लॉजिस्टिक्स और वित्तीय सेवा संगठन में बदलने पर जोर दिया गया। प्रमुख पहलों में स्वचालित पार्सल केंद्रों का निर्माण, 25 हजार डाकघरों और 1,600 कर्मचारी कॉलोनियों का आधुनिकीकरण, और डिजिटल भुगतान प्रणालियों का एकीकरण शामिल है।

गोयल जर्मनी की आर्थिक मामलों की मंत्री कैथरीना से मिले, सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की

एजेंसी

नयी दिल्ली/ बर्लिन। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बर्लिन में जर्मनी की आर्थिक और ऊर्जा मामलों की मंत्री कैथरीना रीख से द्विपक्षीय व्यापारिक और आर्थिक संबंधों पर चर्चा की । दोनों नेताओं ने भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौता वार्ताओं में प्रगति की समीक्षा भी की। जर्मनी यूरोपीय संघ के प्रमुख सदस्यों में है। श्री गोयल ने जर्मनी की कुछ प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक भी की।

श्री गोयल ने सुश्री कैथरीना के साथ मुलाकात के बारे में सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, हमारी चर्चा व्यापार और निवेश के क्षेत्र में भारत-जर्मनी संबंधों को और मज़बूत करने, हरित ऊर्जा, नई और उभरती प्रौद्योगिकियों और रक्षा के क्षेत्र में संयुक्त औद्योगिक और तकनीकी साझेदारी पर केंद्रित रही। बातचीत में भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने के लिए जर्मनी की प्रतिबद्धता पर भी चर्चा हुई। श्री गोयल ने कहा कि उन्होंने जर्मनी की मंत्री के साथ बातचीत में इस बात को विशेष रूप से रेखांकित किया कि भारत में बड़ी संख्या में प्रतिभावान मानव संसाधन की उपलब्धता और व्यापार सुगमता बढ़ाने के देश के प्रयास किस तरह जर्मन कंपनियों के लिए भारत में अपने

निवेश में विविधता लाने और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के आकर्षक अवसर प्रदान करते हैं। श्री गोयल ने जर्मन मिटेलस्टैंड (छोटी मझोली) कंपनियों और भारतीय कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ एक गोलमेज चर्चा में भी हिस्सा लिया। उन्होंने इस बारे में सोशल मीडिया पर एक अलग पोस्ट में कहा कि इस बैठक में नवाचार और स्वस्थ विनिर्माण के क्षेत्र में भारत में उपलब्ध प्रमुख अवसरों पर प्रकाश डाला गया। बैठक में भारतीय एवं जर्मन कंपनियों के बीच सहयोग करने, व्यापार और निवेश संबंधों को मज़बूत करने, और आपसी विकास के लिए मज़बूत औद्योगिक साझेदारी बनाने के तरीकों पर चर्चा की गई।

तीनों सेनाओं के लिए 79 हजार करोड़ से खरीदे जाएंगे हथियार, केंद्र की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली।केंद्र सरकार ने तीनों सेनाओं की जरूरतों को देखते हुए हथियार और गोला-बारूद खरीदने के लिए 79 हजार करोड़ रुपये को मंजूरी दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में लिए गए इन फैसलों से सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा। भारतीय सेना के लिए नाग मिसाइल सिस्टम मार्क-2 खरीदने से दुश्मन के लड़ाकू वाहनों को बेअसर करने की क्षमता बढ़ेगी। साउथ ब्लॉक में बैठक के दौरान लगभग 79 हजार करोड़ रुपये की राशि के विभिन्न सेवाओं के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। भारतीय सेना के लिए नाग मिसाइल सिस्टम मार्क-2, ग्राउंड बेस्ड मोबाइल ईएलआईएनटी सिस्टम (जीबीएमईएस) और मैटेरियल हैंडलिंग क्रेन के साथ हाई

मोबिलिटी व्हीकल्स (एचएमवी) की खरीद के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की गई। नाग मिसाइल सिस्टम से भारतीय सेना की दुश्मन के लड़ाकू वाहनों, बंकरों और अन्य क्षेत्रीय किलेबंदी को बेअसर करने की क्षमता बढ़ेगी, जबकि जीबीएमईएस दुश्मन के बारे में 24 घंटे इलेक्ट्रॉनिक खुफिया जानकारी देगा। एचएमवी को शामिल करने से विविध भौगोलिक इलाकों में सशस्त्र बलों को रसद सहायता में काफी सुधार होगा।

भारतीय नौसेना के लिए लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक्स (एलपीडी), 30 मिमी नेवल सरफेस गन (एनएसजी), एडवांस्ड लाइट वेट टॉरपीडो (एएलडब्ल्यूटी), इलेक्ट्रो ऑप्टिकल इंफ्रा-रेड सर्च एंड ट्रैक सिस्टम और 76 मिमी सुपर रैपिड गन माउंट के लिए स्मार्ट गोला-बारूद खरीदा जाना है। एलपीडी की खरीद से भारतीय नौसेना को भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना के साथ उभयचर अभियान संचालन करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा भारतीय नौसेना को शांति अभियानों, मानवीय सहायता और आपदा राहत आदि में भी आसानी होगा। डीआरडीओ के नौसेना विज्ञान और तकनीकी प्रयोगशाला में स्वदेशी रूप से विकसित एएलडब्ल्यूटी पारंपरिक, परमाणु और छोटी पनडुब्बियों को निशाना बनाने में सक्षम है। डीएसी की बैठक में भारतीय वायु सेना के लिए लंबी दूरी तक लक्ष्य साधने वाली विनाश प्रणाली और अन्य प्रस्तावों के लिए एओएन प्रदान किया गया। यह प्रणाली स्वचालित टेक-ऑफ, नेविगेशन, लक्ष्य का पता लगाने और पेलोड पहुंचाने में सक्षम है, जिससे वायु सेना को महत्वपूर्ण लाभ मिलेगा।

चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस 09 नवंबर से दिल्ली के लिए दोबारा शुरू करेगी उड़ान

एजेंसी

नई दिल्ली। चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस आगामी नौ नवंबर से दिल्ली और शंघाई के बीच दोबारा उड़ान शुरू करेगी।एयरलाइंस ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह उड़ान सप्ताह में तीन दिन बुधवार, शनिवार और रविवार को उपलब्ध होगी। दिल्ली से शंघाई की उड़ान शाम 7:55 बजे और शंघाई से वापसी की उड़ान स्थानीय समय के अनुसार अगले दिन सुबह 4:10 बजे रवाना होगी। दोनों देशों के बीच पांच साल से भी ज्यादा समय के बाद कोई सीधी उड़ान शुरू हो रही है। ईस्टर्न एयरलाइंस दोबारा भारत के लिए उड़ान शुरू करने वाली पहली चीनी एयलाइंस है। भारतीय विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने 26 अक्टूबर से कोलकाता से चीन के ग्वांग्जू के

लिए उड़ान शुरू करने की घोषणा की है। कोविड-19 महामारी से पहले दोनों देशों के बीच 500 से अधिक उड़ानों का परिचालन किया जा रहा था, लेकिन साल 2020 में महामारी के प्रसार को रोकने के लिए उड़ानों पर रोक लगा दी गयी थी। इस बीच, टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया के सूत्रों का कहना है कि एयरलाइंस अगले महीने से चीन के लिए उड़ानों की घोषणा कर सकती है। चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस शंघाई-दिल्ली मार्ग पर एयरबस ए330-200 विमान का संचालन करेगी जो इन-फ्लाइट वाई-फाई से लैस होगा।

डॉलर की तुलना में 9 पैसे की मजबूती के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका और भारत के बीच ट्रेड डील होने की उम्मीद और स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की लिवाली का असर आज भारत के मुद्रा बाजार में साफ-साफ नजर आया। मुद्रा बाजार में बने सकारात्मक माहौल के कारण रुपया आज डॉलर की तुलना में मजबूत होकर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 9 पैसे उछल कर 87.84 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय मुद्रा 87.93 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी।

रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 9 पैसे की तेजी के साथ 87.84 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का

कारोबार शुरू होने के बाद स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की ताबड़तोड़ खरीदारी के कारण रुपया डॉलर की तुलना में उछल कर 87.75 के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में डॉलर की मांग में तेजी आ गई, जिसकी वजह से भारतीय मुद्रा फिसल कर 87.96 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक गिर गई। इसके बाद एक बार फिर मुद्रा बाजार में डॉलर की आवक बढ़ने पर रुपये की स्थिति में सुधार होने लगा। पूरे दिन के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 9 पैसे की मजबूती के साथ 87.84 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। मुद्रा बाजार के आज के कारोबार में रुपये ने डॉलर के अलावा यूरो के मुकाबले भी मजबूत प्रदर्शन किया।

हालांकि ब्रिटिश पौंड की तुलना में रुपये में गिरावट आ गई। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 14.93 पैसे की कमजोरी के साथ 117.27 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 69.75 पैसे की मजबूती के साथ 101.84 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच कर बंद हुआ।

एसबीआई को मिला दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कंज्यूमर बैंक का पुरस्कार

एजेंसी

मुंबई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को अमेरिकी फिनटेक कंपनी ग्लोबल फाइनेंस ने साल 2025 के लिए दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कंज्यूमर बैंक और भारत के सर्वश्रेष्ठ बैंक का पुरस्कार दिया है। देश के सबसे बड़े सार्वजनिक बैंक को मिली इस वैश्विक मान्यता पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बधाई दी है और कहा है कि वह इसका हकदार है। एसबीआई के अध्यक्ष चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी ने अमेरिका के वाशिंगटन, डी.सी. में एक कार्यक्रम में ये पुरस्कार ग्रहण किये। बैंक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह एसबीआई में देश के विश्वास को दर्शाता है। उसने इसके लिए अपने सभी ग्राहकों और कर्मचारियों को धन्यवाद दिया है।

श्री गोयल ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा है कि ये पुरस्कार वित्तीय समावेशन के प्रति स्टेट बैंक की सतत प्रतिबद्धता और समाज के सभी वर्गों की सेवा के उसके निरंतर प्रयास देश की विकास गाथा में उसके प्रयास का प्रमाण हैं।एसबीआई सार्वजनिक क्षेत्र का देश का सबसे बड़ा बैंक है। गत 30 जून को समाप्त तिमाही में उसका कुल राजस्व 1,17,996 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ 19,160 करोड़ रुपये रहा था।

सोने की वैश्विक कीमतों में पिछले हफ्ते 14 वर्ष की बड़ी गिरावट, चांदी 7 फीसदी टूटी

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार रिकॉर्ड ऊंचाई बना रहे सोना और चांदी की चमक फीकी पड़ने लगी है। वैश्विक बाजार में सितंबर, 2011 के बाद सोने की कीमतों में पिछले हफ्ते सबसे बड़ी गिरावट देखी गई। यह इस दौरान 4,400 डॉलर प्रति औंस से घटकर 4,036 डॉलर प्रति औंस हो गई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोना प्रति दस ग्राम अब 1.23 लाख रुपये पर आ गया है। यह 17 अक्तूबर को 1,34,800 रुपये रहा था। यानी करीब 12,000 रुपये की कमी आई है। चांदी भी 1.84 लाख रुपये प्रति किलो से घटकर 1.72 लाख रुपये पर आ गई है। यह भी 12,000 रुपये घटी है। न्यूयॉर्क में सोने का वायदा भाव सोमवार को रिकॉर्ड 4,374 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ। 250 डॉलर (या 5.74फीसदी) से अधिक गिर गया। सितंबर, 2011 के बाद से फीसदी के लिहाज से एक दिन में यह सबसे बड़ी गिरावट है। आर्थिक अनिश्चितता के बीच सोने की बिक्री अक्सर तेजी से बढ़ती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दुनिया भर से आयात पर लगाए गए टैरिफ की बौछार, महंगाई को लेकर बढ़ती चिंताओं और अब हफ्तों से चल रहे अमेरिकी सरकार के बंद के बीच अधिकतर निवेशक सोने की ओर रुख कर रहे। उससे भी पहले देशों के बीच तनाव और केंद्रीय बैंकों की मजबूत मांग ने हाल के वर्षों में सोने की बढ़त को बढ़ावा दिया था।

जोरदार शुरुआत के बाद मुनाफा वसूली के जाल में फंसा शेयर बाजार, मामूली बढ़त के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार ने आज शानदार शुरुआत करने के बाद दिन के दूसरे सत्र में हुई मुनाफा वसूली के कारण मामूली बढ़त के साथ कारोबार का अंत किया। आज के कारोबार की शुरुआत जोरदार तेजी के साथ हुई थी। 30 सितंबर 2024 के बाद आज पहली बार सेंसेक्स 85,000 अंक और निफ्टी 26,000 अंक के ऊपर खुलने में सफल रहे। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से इन दोनों सूचकांकों की चाल में और तेजी आ गई। हालांकि ये तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। दिन के दूसरे सत्र में बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.15 प्रतिशत और निफ्टी 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

आज दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी और टेक सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसके अलावा मेटल, एफएमसीजी और बैंकिंग इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, ऑयल एंड गैस, इंफ्रास्ट्रक्चर और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसके अलावा ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया।आज शेयर बाजार की मजबूत क्लोजिंग के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई बिकवाली के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 470.28 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि दिवाली की मुहूर्त ट्रेडिंग के बाद इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 470.89 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 61 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,389 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,852 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,409 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 128 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,847 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,196 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,651 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 22 शेयर बढ़त के साथ और 8 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 727.81 अंक की मजबूती के साथ 85 हजार अंक के स्तर को पार करके 85,154.15 अंक के स्तर पर खुला?। कारोबार की शुरुआत होने के थोड़ी देर बाद ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से सुबह 10 बजे के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक 863.72 अंक की तेजी के साथ 85,290.06 अंक के स्तर तक पहुंच गया। दिन के दूसरे सत्र में बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आने लगी। खासकर, कारोबार के आखिरी घंटे में हुई जोरदार बिकवाली की वजह से ये सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब 850 अंक टूट कर 84,445.25 अंक के स्तर तक आ गया। हालांकि आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स निचले स्तर से थोड़ा सुधर कर 130.06 अंक की बढ़त के साथ 84,556.40 अंक के स्तर पर बंद होने में सफल रहा। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 188.60 अंक की छलांग लगा कर 26,057.20 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की।

रूस की फ्रीज संपत्तियों से यूक्रेन को दो साल की आर्थिक मदद देगा यूरोपीय संघ

एजेंसी

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ (ईयू) ने यूक्रेन को अगले दो वर्षों तक वित्तीय सहायता देने के सिद्धांत पर सहमति जताई है। ईयू काउंसिल के प्रमुख एंटोनियो कोस्टा ने गुरुवार को कहा कि यह निर्णय बेल्जियम के विरोध के बावजूद लिया जाएगा, जिसने रूस की जमी हुई संपत्तियों का उपयोग करने की योजना को लेकर आपत्ति जताई है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इस योजना को जीवन बचाने वाला कदम बताया और कहा कि रूस की अचल संपत्तियों से प्राप्त 140 अरब यूरो (163.3 अरब डॉलर) की राशि से यूक्रेन को तत्काल सहायता मिल सकेगी। हालांकि, बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डे वेवर ने इस योजना को लेकर तीन शर्तें रखीं – पहला, किसी भी कानूनी कार्रवाई की लागत सभी ईयू देशों को मिलकर उठानी होगी; दूसरा, यदि रूस की संपत्तियों को लौटाना पड़ा तो आर्थिक जिम्मेदारी साझा की जाएगी; और तीसरा, अन्य देशों में रखी रूसी संपत्तियों को भी इस योजना में शामिल किया जाएगा। डे वेवर ने चेतावनी दी, यदि इन शर्तों को नहीं माना गया, तो मैं राजनीतिक और कानूनी स्तर पर इस निर्णय को रोकने की पूरी कोशिश करूंगा। वहीं, कोस्टा ने कहा कि राजनीतिक सहमति आज ही बन जाएगी, जबकि तकनीकी पहलुओं पर बाद में निर्णय होगा। उन्होंने कहा, हम यूक्रेन की वित्तीय जरूरतों को 2026 और 2027 तक पूरा करने का राजनीतिक निर्णय लेंगे, जिसमें सैन्य उपकरणों की खरीद भी शामिल है।

अफ़ग़ानिस्तान में विद्रोहियों की मौजूदगी के खि़लाफ़ प्रभावी कदम उठाए हैं- पाकिस्तान

पेशावर। पाकिस्तान का कहना है कि उसने अफ़ग़ानिस्तान में विद्रोहियों की मौजूदगी के खि़लाफ़ प्रभावी कदम उठाए हैं। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने यह टिप्पणी स्वाबी स्थित 'गुलाम इशाक खान इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी' के दौरे में अपने संबोधन में की। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच हाल के सीमा संघर्षों, सुरक्षा स्थिति और सोशल मीडिया की भूमिका पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा, हमने अफगानिस्तान में विद्रोहियों की मौजूदगी के खिलाफ काफी कड़े कदम उठाए हैं। चौधरी ने ज़ोर देकर कहा कि पाकिस्तान की सेना किसी भी प्रकार के आक्रमण से देश की रक्षा करने में सक्षम है। उन्होंने कहा, पाकिस्तानी सेना किसी भी दुश्मन के खि़लाफ़ देश के लिए एक मज़बूत दीवार की तरह खड़ी रहेगी। उल्लेखनीय है कि लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी की यह टिप्पणी पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर हुए संघर्ष के बाद दोनों पक्षों के बीच दोहा में हुए समझौते के तहत अत्यंत महत्वपूर्ण समझी जा रही है।कतर और तुर्किये की मध्यस्थता में हुए इस समझौते के तहत दोनों पक्षों के बीच अभी संघर्ष विराम लागू है।

किसी भी अमेरिकी हमले का मुकाबला करने के लिए तैयार- वेनेजुएला

काराकास। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने ऐलान किया है कि उनके देश के पास रूस निर्मित 5,000 सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें हैं, जिससे वह किसी भी अमेरिकी हमले का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार हैं। बुधवार को एक स्थानीय टीवी चैनल को दिए गए इंटरव्यू में मादुरो ने यह दावा किया। उल्लेखनीय है कि मादुरों का यह बयान उस समय आया है जबकि अमेरिकी सेनाएं वेनेजुएला में नावों पर कथित तौर पर मादक पदार्थ की तस्करी का संदेह बताकर बमबारी करती रहती हैं। मादुरो ने टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि हमारे पास रूस निर्मित 5000 इग्ला एस मिसाइलें हैं, जो वेनेजुएला की शांति और आजादी की रक्षा करेंगी उन्होंने कहा कि हमारे पास किसी भी साम्राज्यवादी हमले का जवाब देने का सामर्थ्य है और हमारे देश की सेनाएं हमारी एक एक इंच भूमि की रक्षा करेंगी। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मादुरो को एक तानाशाह मानते हैं, जो मानवाधिकारों का उल्लंघन करने के साथ ही अमेरिकी हितों के खिलाफ काम करता है। ट्रंप प्रशासन मादुरो शासन को मादक पदार्थों की तस्करी से जोड़कर देखता है और ट्रंप मादुरो को ड्रग लार्ड कहते हैं। हाल के समय में अमेरिकी सेनाएं कई बार वेनेजुएला की उन कई नावों पर बमबारी कर चुकी हैं जिन पर मादक पदार्थ होने का अंदेशा था। हालांकि अमेरिका ने इस बाबत अभी तक कोई प्रमाण नहीं दिए हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री ओली के पासपोर्ट निलंबन और यात्रा प्रतिबंध को हटाने की मांग

काठमांडू। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) ने अपने अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का पासपोर्ट निलंबन और आंतरिक यात्रा पर लगा प्रतिबंध हटाने की मांग की है। पार्टी महासचिव शंकर पोखरेल ने एक बयान में ओली का पासपोर्ट निलंबित करने और उनके काठमांडू से बाहर यात्रा पर लगाए गए प्रतिबंध की आलोचना की। उन्होंने सरकार से पर्याप्त सबूतों के बिना उठाए गए कदम को वापस लेने का अनुरोध किया है। उन्होंने वर्तमान सरकार पर गैर-जिम्मेदाराना तरीके से तत्कालीन प्रधानमंत्री का पासपोर्ट बगैर किसी आधार के निलंबित करने का आरोप लगाया है। पोखरेल ने इस तरह की अनुचित कार्रवाइयों को रोकने की मांग की है। उन्होंने अपने बयान में 8 और 9 सितंबर की घटनाओं की जांच के लिए विशेष न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश गौरी बहादुर कार्की के नेतृत्व में जांच आयोग के गठन का भी विरोध किया है। पोखरेल ने कहा कि वर्तमान कार्की आयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच नहीं कर सकता है। इस न्यायिक जांच आयोग के प्रमुख विरोध प्रदर्शनों को भड़काने में शामिल थे। इसलिए विश्वसनीयता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा आयोग को खत्म करके भरोसेमंद नेतृत्व के तहत नया आयोग बनाया जाना चाहिए।

अमेरिका में क्रिप्टो एक्सचेंज के संस्थापक चांगपेंग झाओ को क्षमादान, ट्रंप ने दस्तावेज पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने संवैधानिक अधिकारों का प्रयोग करते हुए क्रिप्टो एक्सचेंज के संस्थापक चांगपेंग झाओ को क्षमा कर दिया। उन्होंने इस आशय के दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर झाओ को बड़ी राहत प्रदान की। यह जानकारी व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने दी। एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बयान में कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को झाओ को क्षमा करते हुए क्षमादान संबंधी दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर दिए। लेविट ने कहा, राष्ट्रपति ने इसके लिए अपने संवैधानिक अधिकार का प्रयोग किया। झाओ पर बाइडेन प्रशासन ने क्रिप्टो करेंसी के खिलाफ अपने अभियान में मुकदमा चलाया था। उन्होंने कहा, बाइडेन प्रशासन ने क्रिप्टो करेंसी उद्योग को दंडित करने की अपनी जिद के कारण किसी भी साक्ष्य के बिना झाओ पर मुकदमा चलाया। बताया गया है कि उस समय झाओ को चार महीने जेल की सजा सुनाई गई। उन्होंने न्याय विभाग के साथ एक समझौता किया। उन्हें बिनांस में मनी लॉन्ड्रिंग को बढ़ावा देने का दोषी ठहराया गया था। संयुक्त राज्य अमेरिका ने बिनांस को 4 अरब डॉलर से ज्यादा का जुर्माना भरने भी आदेश दिया, जबकि झाओ 5 करोड़ डॉलर का जुर्माना भरने पर सहमत हुए। ट्रंप से क्षमादान मिलने के कारण झाओ को बिनांस में सीधा नियंत्रण फिर से हासिल हो गया है। झाओ ने एक्स पर लिखा, क्षमादान, निष्पक्षता, नवाचार और न्याय के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता को बनाए रखने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप का मैं बहुत आभारी हूं। अब हम अमेरिका को क्रिप्टो की राजधानी बनाने और दुनिया भर में वेब3 को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। लीविट ने कहा, बाइडेन प्रशासन के इन कदमों ने प्रौद्योगिकी और नवाचार में वैश्विक नेता के रूप में संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतिष्ठा को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है। क्रिप्टो पर बाइडेन प्रशासन का युद्ध समाप्त हो गया है। बिनांस दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंजों में से एक है। इसकी वेबसाइट पर बताया गया है कि यह औसतन प्रतिदिन 65 बिलियन डॉलर से अधिक का लेनदेन करता है। बिनांस के एक प्रवक्ता ने बयान में कहा, हम राष्ट्रपति ट्रंप को उनके नेतृत्व और अमेरिका को दुनिया की क्रिप्टो राजधानी बनाने की उनकी प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद देते हैं। कंपनी ने कहा कि झाओ की परिकल्पना ने न केवल बिनांस को दुनिया का सबसे बड़ा क्रिप्टो एक्सचेंज बनाया, बल्कि व्यापक क्रिप्टो आंदोलन को भी आकार दिया।

ट्रंप ने गुरुवार को रियलिटी स्टार टॉड और जूली क्रिसली, इलिनोइस के पूर्व गवर्नर रॉड ब्लागोजेविच, हिप-हॉप स्टार लिल वेन और हाल ही में पूर्व प्रतिनिधि जॉर्ज सैंटोस, आर-एनवाई को माफ कर दिया है। सीएनबीसी के अनुसार, मार्च में ट्रंप ने क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बिटमेक्स के तीन सह संस्थापकों को भी माफ कर दिया था।

अमेरिका की अलास्का एयरलाइंस ने अपनी सभी उड़ानें रोकी

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका की प्रमुख विमानन कंपनी अलास्का एयरलाइंस ने तकनीकी खराबी की वजह से अपनी सभी उड़ानें रोक दीं। कंपनी का कहना है कि कंपनी के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नेटवर्क में खराबी आने के कारण यह फैसला करना पड़ा। द सिएटल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, एयरलाइन ने गुरुवार शाम लगभग 4:20 बजे कहा कि आईटी में खराबी के कारण परिचालन प्रभावित हो रहा है और अस्थायी रूप से सभी उड़ानों को रोक दिया गया है। कंपनी का कहना है कि फिलहाल अलास्का के विमान सिएटल-टैकोमा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और अन्य हवाई अड्डों से उड़ान नहीं भरेंगे। अलास्का ने गुरुवार को जिन यात्रियों की उड़ानें बुक थीं, उन्हें हवाई अड्डे पर जाने से पहले उड़ान की स्थिति की जांच करने की सलाह दी है। इससे पहले जुलाई में भी अलास्का में आईटी सेवाओं में व्यवधान के कारण लगभग तीन घंटे तक उड़ानें रोकनी पड़ीं। यह व्यवधान अलास्का के एक डेटा सेंटर के हार्डवेयर में अप्रत्याशित रूप से खराबी

आने के कारण हुआ। इस व्यवधान के कारण 200 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं और 15,600 लोगों की यात्रा योजनाएं प्रभावित हुईं। उल्लेखनीय है कि अलास्का एयरलाइंस अमेरिका की सातवीं सबसे बड़ी विमानन कंपनी है। इसका मुख्यालय सीएटल (वाशिंगटन) में है। अलास्का की स्थापना मैकगी एयरवेज के तौर पर 1932 में की गई थी। आज अलास्का 100 से अधिक गंतव्यों में अपनी सेवाएं प्रदान करती है।

अमेरिका में अलास्का के जंगलों में होगा उत्खनन, तेल और गैस निकालने का दिया जाएगा पट्टा

एजेंसी

वाशिंगटन। ट्रंप प्रशासन ने अलास्का के आर्कटिक राष्ट्रीय वन्यजीव अभयारण्य में उत्खनन का रास्ता साफ कर दिया। प्रशासन को यहां मौजूद तेल और गैस के भंडार से बड़ा राजस्व मिलने की उम्मीद है। प्रशासन ने गुरुवार को अपनी योजना को सार्वजनिक किया। आर्कटिक राष्ट्रीय वन्यजीव अभयारण्य संयुक्त राज्य अमेरिका के सबसे बड़े बचे हुए प्राचीन वन्य क्षेत्रों में से एक है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, यह अभयारण्य लगभग 15.6 लाख एकड़ में फैला हुआ है। माना जाता है कि यहां अरबों बैरल तेल का भंडार है। यह अभयारण्य ध्रुवीय भालू, कारिबू, प्रवासी पक्षियों और अन्य वन्यजीवों के लिए एक महत्वपूर्ण आवास भी है। अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी राष्ट्रपति ट्रंप ने इस अभयारण्य के संदर्भ में कर विधेयक पर हस्ताक्षर किए थे। इसके बाद पट्टे दिए गए। बाद में बाइडेन प्रशासन ने उन पट्टों को रद्द कर दिया।

आंतरिक विभाग के सचिव डग बर्गम ने मुख्यालय में आयोजित अलास्का दिवस के कार्यक्रम में प्रशासन के फैसले की जानकारी दी। उन्होने कहा कि इस सर्दी में तटीय मैदान में तेल और गैस पट्टों की बिक्री की जाएगी। अभयारण्य में बाइडेन के कार्यकाल के समय 2021 में रद्द किए गए सात तेल पट्टों को बहाल किया जाएगा। बर्गम ने यह भी घोषणा की कि आंतरिक विभाग ने एक समझौते को अंतिम रूप दे दिया है। इससे दक्षिण-पश्चिमी अलास्का में इजेम्बेक राष्ट्रीय वन्यजीव अभयारण्य से होकर एक सड़क का निर्माण संभव होगा। उन्होंने दोहराया कि एजेंसी एक औद्योगिक सड़क को हरी झंडी देगी जो उत्तरी अलास्का में प्रस्तावित तांबे और जस्ता खदान तक पहुंचने के लिए प्राचीन जंगलों को पार करेगी। सनद रहे राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी तेल और गैस उत्पादन का विस्तार करने का बार-बार वादा किया है। प्रशासन की ताजा योजना को इसी वादे का हिस्सा माना जा रहा है। प्रमुख तेल कंपनियों ने पहले इस अभयारण्य में ड्रिलिंग में बहुत कम रुचि दिखाई है। अभी भी यह स्पष्ट नहीं है कि वे आगामी नीलामी में बोली लगाएंगी या नहीं। कुछ प्रमुख बैंकों ने भी यहां खनन के लिए धन मुहैया नहीं कराने का इरादा जताया है। पर्यावरण समूहों ने योजना के खिलाफ मुकदमा दायर करने का फैसला किया है। अलास्का के रिपब्लिकन सीनेटर डैन सुलिवन ने गृह विभाग के एक कार्यक्रम में कहा, बाइडेन प्रशासन ने पक्षियों की जिंदगी को लोगों की जिंदगी से ज्यादा अहमियत दी है। यह आज खत्म हो रहा है। अलास्का वाइल्डरनेस लीग की कार्यकारी निदेशक क्रिस्टन मिलर ने एक ई-मेल में लिखा, हम आर्कटिक शरणस्थल के नाजुक तटीय मैदान के औद्योगीकरण के किसी भी प्रयास का विरोध करेंगे और हर विकल्प मौजूद है।

बलूच सुरक्षा बलों ने पाकिस्तानी सेना की राशन सप्लाई कारवां पर की छापेमारी, नशीली दवाओं का भंडाफोड़

एजेंसी

बलूचिस्तान। बलूचिस्तान की सुरक्षा और रक्षा बलों ने पाकिस्तान की अवैध गतिविधियों और सेना के प्रवेश के खिलाफ अभियान जारी रखा है। मंगलवार को मस्तुंग के स्पिलांजी और मारुव क्षेत्रों में बलूच स्वतंत्रता सेनाओं ने एक कारवां रोका, जिसमें पाकिस्तानी सेना के लिए राशन और आपूर्ति सामग्री ले जाई जा रही थी।

स्रोतों के अनुसार, इस कारवां से भारी मात्रा में हशीश और हेरोइन जैसी नशीली दवाएं बरामद हुईं। स्थानीय लोगों ने बताया कि पाकिस्तानी सेना बलूच प्रतिरोध के बढ़ते दबाव के कारण मानसिक और शारीरिक रूप से प्रभावित है। कई सैनिक कथित रूप से नशीली दवाओं के सेवन के आदी हो गए हैं।बलूच सुरक्षा बल न केवल पाकिस्तानी सेना का प्रत्यक्ष मुकाबला कर रहे हैं, बल्कि सेना की नशा तस्करी को भी रोकने के लिए लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। पहले संगान, हर्नाई और लोरलाई में अफीम की खेती को नष्ट किया गया है। इसके अलावा, स्थानीय लोगों को

चरमपंथी प्रभाव से बचाने और पाकिस्तान के गहरे राज्य और खुफिया एजेंसियों द्वारा समर्थित उग्रवादी समूहों को रोकने के लिए भी बलूच सुरक्षा बल सक्रिय हैं। अभी हाल ही में कलात के मांगुचर क्षेत्र में मुख्य सड़क पर बने चेकपॉइंट पर पाकिस्तानी बलों और बलूच सेनाओं के बीच भीषण झड़प हुई, जिसमें पाकिस्तानी सेना को नुकसान हुआ। वहीं, कची जिले के धादर हाजी शहर में बलूच सुरक्षा बलों ने एक लेवीज पुलिस स्टेशन पर कब्जा किया, पुलिसकर्मियों को हथियार रहित किया और स्टेशन में आग लगा दी। बलूच सुरक्षा बलों की यह कार्रवाई क्षेत्र में पाकिस्तान की अवैध गतिविधियों और नशा तस्करी को रोकने में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

ट्रंप की नीति पश्चिमी तट इजराइल में विलय को स्वीकार नहीं करती: जेडी वेंस

एजेंसी

यरूशलम। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इजराइल की संसद कनेसेट द्वारा पश्चिमी तट के विलय संबंधी प्रस्ताव को सख्त शब्दों में खारिज करते हुए इसे ÷मूर्खतापूर्ण राजनीतिक स्टंट÷ और ÷अपमानजनक कदम÷ बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीति पश्चिमी तट के इजराइल में विलय के खिलाफ है और अमेरिका ऐसी किसी भी कार्रवाई को स्वीकार नहीं करेगा। तेल अवीव अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रस्थान से पहले संवाददाताओं से बातचीत में वेंस ने कहा, ÷अगर यह एक राजनीतिक स्टंट था, तो यह बेहद मूर्खतापूर्ण था और मैं इसे व्यक्तिगत रूप से अपमानजनक मानता हूं। पश्चिमी तट का इजराइल में विलय नहीं होगा। ट्रंप प्रशासन की नीति स्पष्ट है और यह कायम रहेगी। उनका यह बयान कनेसेट में उस विधेयक को प्रारंभिक मंजूरी मिलने के एक दिन बाद

आया है, जिसके तहत पश्चिमी तट पर इजराइली कानून लागू करने का प्रस्ताव रखा गया था। यह भूमि फिलिस्तीनियों के लिए भावी राज्य का अहम हिस्सा मानी जाती है। 120 सदस्यीय संसद में यह विधेयक 25-24 मतों से पारित हुआ, लेकिन इसे पूर्ण रूप से कानून बनने के लिए तीन और चरणों की मंजूरी आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की लिकुड पार्टी ने इसका विरोध किया, जबकि कुछ दक्षिणपंथी सांसदों ने समर्थन किया।वेंस का इजराइल दौरा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की उस शांति योजना को आगे बढ़ाने के लिए था, जो गाजा युद्ध को समाप्त कर इजराइल-हमास के बीच युद्धविराम को स्थिर बनाए रखने पर केंद्रित है। इसी क्रम में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी चेतावनी दी कि पश्चिमी तट के विलय की कोशिशें शांति प्रक्रिया को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती हैं। उन्होंने कहा, ÷राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया है कि अमेरिका इस कदम का समर्थन नहीं करेगा, क्योंकि यह शांति समझौते के लिए खतरा है।ट्रंप ने इससे पहले सितंबर में ही कहा था कि अमेरिका इजराइल को पश्चिमी तट के विलय की अनुमति नहीं देगा। यह नीति अब्राहम समझौतों की नींव से जुड़ी है, जिनके तहत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे कई अरब देशों ने इजराइल के साथ संबंध सामान्य किए थे।

15 अरब और इस्लामिक देशों ने वेस्ट बैंक पर इजराइल की तानाशाही योजनाओं की कड़ी निंदा की

एजेंसी

दोहा। 15 अरब और इस्लामिक देशों ने इजराइली संसद (कनेसेट) द्वारा वेस्ट बैंक और अवैध बस्तियों पर कब्जा बढ़ाने के दो प्रस्तावित कानूनों को मंजूरी देने की कड़ी निंदा की है। इसमें कतर, जॉर्डन, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, तुर्किए, जिबूती, सऊदी अरब, ओमान, गाम्बिया, फिलिस्तीन, कुवैत, लीबिया, मलेशिया, मिस्र, नाइजीरिया, अरब लीग और इस्लामिक सहयोग संगठन शामिल हैं।

सामूहिक बयान में कहा गया कि ये कानून अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2334 का उल्लंघन है, जो 1967 के बाद से कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों में इजराइल द्वारा जनसांख्यिकीय और भौगोलिक बदलावों को रोकता है। बयान में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) की 22 अक्टूबर 2025 की निर्णय का स्वागत किया गया, जिसमें इजराइल को मानवतावादी कर्तव्यों का पालन करने और गाजा सहित कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों में आवश्यक राहत पहुंचाने का निर्देश दिया गया। आईसीजे ने इजराइल को भूख को हथियार नहीं बनाने, जबरन स्थानांतरण और निर्वासन से परहेज करने और फिलिस्तीनी लोगों के आत्मनिर्णय और स्वतंत्र राज्य की मान्यता सुनिश्चित करने की याद दिलाई। न्यायालय ने ईस्ट येरूसलम पर इजराइल के क्षेत्रीय दावों को अमान्य घोषित किया। बयान में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इजराइल के एकतरफा और अवैध कदमों को रोकने तथा फिलिस्तीनियों को 04 जून, 1967 की सीमाओं के भीतर स्वतंत्र राज्य स्थापित करने के उनके अधिकार की रक्षा करने की अपील की गई है।

नई अमेरिकी पाबंदियां रूस की अर्थव्यवस्था पर असर नहीं डालेंगी : पुतिन

एजेंसी

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका द्वारा लगाई गई नई आर्थिक पाबंदियां (सैंक्शन्स) केवल रूस पर दबाव बनाने का प्रयास है, लेकिन इनका देश की अर्थव्यवस्था पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा। रूसी सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए नोवोस्ती (आरआईए) के मुताबिक, पुतिन ने स्पष्ट किया कि मॉस्को विदेशी दबाव के आगे झुकेगा नहीं।

पुतिन ने चेतावनी देते हुए कहा कि रूस के भीतर गहराई तक किए गए किसी भी हमले का जवाब ÷बहुत गंभीर और निर्णायक÷ होगा। उन्होंने कहा, रूस कभी भी बाहरी दबाव में नहीं आएगा और हमारी प्रतिक्रिया उन हमलों से कहीं अधिक

शक्तिशाली होगी। रूसी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि देश का ऊर्जा क्षेत्र मजबूत और आत्मविश्वास से भरा हुआ है, हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि नई अमेरिकी पाबंदियों से कुछ हद तक नुकसान हो सकता है। पुतिन ने आगे कहा कि यदि रूसी तेल की आपूर्ति में तेज गिरावट आती है, तो इससे वैश्विक बाजार में तेल के दामों में तेज वृद्धि हो सकती है। उन्होंने बताया कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ तेल आपूर्ति की स्थिति और उसके अंतरराष्ट्रीय मूल्य पर प्रभाव को लेकर चर्चा की है। वहीं, टोमहॉक मिसाइलों को लेकर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेतावनी दी है कि अगर टोमहॉक क्रूज मिसाइलों का उपयोग कर रूसी क्षेत्र पर हमला किया गया तो उसका जवाब ÷बहुत गंभीर÷ होगा। उन्होंने कहा कि यद्यपि अमेरिका ने यूक्रेन को टोमहॉक देने की अनुमति नहीं दी है, फिर भी कीव का अनुमति मांगना उत्तेजना बढ़ाने का प्रयास है। पुतिन ने साफ कहा कि जो लोग ऐसे कदम के बारे में सोच रहे हैं, उन्हें इसके परिणामों पर भी गंभीरता से विचार करना चाहिए।

हंगरी में शांति रैली: 1956 की क्रांति को याद करने का जश्न

एजेंसी

बुडापेस्ट। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में आज लाखों लोगों ने 1956 की 'हगंरी क्रांति' की 69वी वर्षगांठ पर आयोजित 'शांति रैली' में भाग लिया। यह रैली प्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन की 'फिडेज' पार्टी के समर्थकों ने निकाली, जो शांति और देश की आजादी का संदेश देती है। 1956 में आज ही के दिन हंगरी के छात्रों ने सोवियत संघ के खिलाफ विद्रोह शुरू किया था, जिसे सोवियत सेना ने कुचल दिया।इस दौरान हजारों लोग मारे गए। हंगरी इस दिन को राष्ट्रीय अवकाश के रूप में मनाता है। खबरों के मुताबिक यह रैली एल्विस प्रेस्ले स्क्वायर से शुरू होकर शहर के प्रमुख रास्तों से गुजरते हुए संसद भवन तक पहुंची। इस दौरान रैली में मौजूद लगभग दो लाख प्रदर्शनकारियों ने ऑर्बन की शांति नीति का समर्थन किया, जिसमें

यूक्रेन युद्ध के बीच हंगरी की तटस्थता पर जोर दिया गया है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, 1956 की भावना आज भी हमें प्रेरित करती है। आज शांति की आवाज सबसे मजबूत होनी चाहिए। हंगरी शांति का द्वीप है। यह मार्च आगामी चुनावों में ऑर्बन सरकार के लिए भारी समर्थन के तौर पर देखा जा रहा है। इस अवसर पर विपक्षी दलों ने अलग अलग रैलियां निकाली।

पुतिन ने ट्रंप के साथ बुडापेस्ट बैठक स्थगित होने पर कहा, संवाद हमेशा टकराव से बेहतर

एजेंसी

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बुडापेस्ट, हंगरी में प्रस्तावित बैठक के स्थगित होने पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पुतिन ने कहा कि यह बैठक हल्के में लेना दोनों देशों के लिए गलत साबित हो सकता था। उन्होंने बताया कि इस बैठक का

प्रस्ताव अमेरिकी पक्ष ने ही रखा था, लेकिन अब ट्रंप ने इसे स्थगित करने का निर्णय लिया है। पुतिन ने जोर देते हुए कहा, संवाद हमेशा टकराव, विवाद या युद्ध से बेहतर होता है। पुतिन ने यह भी कहा कि रूस हमेशा संवाद को आगे बढ़ाने का समर्थन करता रहा है और अब भी इसके पक्ष में है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि ऐसे महत्वपूर्ण बैठकों का उद्देश्य स्पष्ट परिणाम प्राप्त करना होना चाहिए, ताकि दोनों पक्षों के बीच स्थायी और सकारात्मक वार्ता सुनिश्चित हो सके। विश्लेषकों का मानना है कि बैठक के स्थगित होने के बावजूद, दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संपर्क बनाए रखना शांति और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है।

पाकिस्तान के बलोचिस्तान में न्यायेतर हत्याओं में शामिल अधिकारी कठोर दंड के हकदार: सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अतहर मिनल्लाह

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति अतहर मिनल्लाह ने कहा है कि बलोचिस्तान में न्यायेतर हत्याओं, जबरन गायब किए जाने और हिरासत में यातना देने में शामिल कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लोग कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा के हकदार हैं। ऐसा करना लोकतांत्रिक समाज में सबसे असहनीय अपराध है। यह अपराध संविधान और उसमें प्रदत्त मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के सबसे बुरे रूप हैं। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, न्यायमूर्ति मिनल्लाह ने हालिया एक फैसले पर असहमति जाते हुए अपने नोट में लिखा, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और उनके सदस्यों के इस तरह के कृत्यों और आचरण को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। ऐसे मामलों में अपराध सिद्ध होने पर कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए। उन्होंने फ्रंटियर कॉर्प्स (एफसी) के एक सैनिक की मौत की सजा को बरकरार रखा। हालांकि, बहुमत वाले न्यायाधीशों ने उसकी मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया। केस रिकॉर्ड के अनुसार, एक युवा विश्वविद्यालय छात्र मोहम्मद हयात अर्धसैनिक बल के सशस्त्र सदस्यों की हिरासत में रहते हुए वीभत्स, क्रूर और स्तब्ध कर देने वाले तरीके से अपनी जान गंवा बैठा। यह बलोचिस्तान के तुर्बत जिले में एक निर्दोष नागरिक की न्यायेतर हिरासत में हत्या का मामला था। न्यायमूर्ति मिनल्लाह ने कहा कि ऐसे समाज में जहां जबरन गायब किए जाने, अत्यधिक बल प्रयोग, सत्ता के दुरुपयोग, न्यायेतर हत्याओं और कानून प्रवर्तन एजेंसियों की मौलिक अधिकारों के उल्लंघन से संबंधित शिकायतें व्यापक हैं। नागरिकों के विरुद्ध किए गए अपराधों के लिए दंडमुक्ति प्रदान करना कानून के उल्लंघन का सबसे गंभीर रूप बन जाता है। उन्होंने कहा, जब कोई नागरिक किसी कानून प्रवर्तन एजेंसी या उसके अधिकारियों के आक्रमण का शिकार होता है तो यह गंभीरता और बढ़ जाती है। संविधान शासित समाज में ऐसा कोई भी कृत्य या आचरण असहनीय है, जब कानून प्रवर्तनकर्ता कानून को ही अपने हाथ में ले लेते हैं और खुद को न्यायाधीश और जल्लाद की भूमिका में ले लेते हैं, तो कानून का शासन नष्ट हो जाता है। इस मामले में ठीक यही हुआ। दोषी एफसी सदस्य के खिलाफ नागरिक अदालत में मुकदमे के संबंध में आपत्ति का जवाब देते हुए, न्यायमूर्ति मिनल्लाह ने कहा कि ऐसे मुकदमों को सैन्य अदालतों में भेजना न तो जनहित में है और न ही राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में, जहां नागरिकों के अधिकार शामिल हैं। उन्होंने कहा, संविधान की योजना स्पष्ट रूप से सशस्त्र बलों को नागरिकों से जुड़े विवादों से बचाने की परिकल्पना करती है। संविधान अनुच्छेद 245 के तहत सशस्त्र बलों की भूमिका और कार्यों को बाहरी आक्रमण से पाकिस्तान की रक्षा तक सीमित करता है और कानून के अधीन, आह्वान किए जाने पर नागरिक शक्ति की सहायता के लिए कार्य करने की अनुमति देता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अर्धसैनिक बलों में जनता का विश्वास, खासकर जब उनकी कमान सेवारत सैन्य अधिकारियों के हाथों में हो, उनके संवैधानिक कर्तव्यों के निर्वहन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, इस मामले में एक युवा विश्वविद्यालय छात्र पाकिस्तानी सेना एक अर्धसैनिक बल के एक सदस्य की न्यायेतर हिरासत में हत्या का शिकार हुआ। न्यायमूर्ति ने कहा कि एफसी बलोचिस्तान एक विशेष कानून फ्रंटियर कॉर्प्स अध्यादेश, 1959 के तहतसत्र न्यायालय को मुकदमा चलाने का पूरा अधिकार था। इस मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए एक सैन्य अदालत में मुकदमा चलाना जनहित के विरुद्ध, अवैध और असंवैधानिक होता।सजा के सवाल पर न्यायमूर्ति मिनल्लाह ने लिखा कि निवारक दंड न केवल अपराध की गंभीरता को दर्शाने के लिए आवश्यक है, बल्कि समाज की सुरक्षा के लिए एक निवारक उपाय के रूप में अपराधी को दूसरों के लिए एक उदाहरण बनाने के लिए भी आवश्यक है।

अनार की वैज्ञानिक खेती

अनार उष्णकटिबंधीय एवं उप-उष्ण कटिबंधीय प्रदेशों की एक महत्वपूर्ण व्यावसायिक फल वाली फसल है। इसका उत्पति स्थान ईरान है। अनार पौष्टिक गुणों से परिपूर्ण, स्वादिष्ट, रसीला एवं मीठा फल है जिसे देश के शुष्क वातावरण वाले क्षेत्रों में सफलता पूर्वक उगाया जा सकता है। हमारे देश में इसकी खेती मुख्य रुप से महाराष्ट्र, गुजरात, हरियाणा, राजस्थान, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडू एवं उत्तरप्रदेश राज्यों में की जाती है ।

निर्यात की दृष्टि से भी यह फल बहुत महत्वपूर्ण है, खनिज एवं विटामिन- सी की प्रचुर मात्रा होने से इसके फल रोगियों जैसे हृदय रोगी, कैंसर, शुगर आदि के लिए बहुत ही उपयुक्त माने गये हैं। अनार के प्रति 100 ग्राम फल में 6 ग्राम प्रोटीन, 0.1 प्रतिशत खनिज, 5.1 ग्राम रेशा, 14.5 मिलीग्राम कैल्शियम, 70 मिलीग्राम फॉस्फोरस एवं 0.3 ग्राम लौहा होता है।

अनार में वर्ष में तीन बार फूल आते है, जिन्हे बहार कहते है। यदि एक ही पौधे से वर्ष में तीनो ही ऋतुओं (बंसत, वर्षा एवं गर्मी) के फल प्राप्त किये जाते है, तो कम उत्पादन के साथ-साथ गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। अत: यह वांछित होता कि एक पौधे से सिर्फ एक ही ऋतु में फल प्राप्त किये जाये इसके लिये शेष दो ऋतुओं के दरम्यान आये फूलों को पौधे से झाड़ दिया जाता है। जिसे बहार नियंत्रण करना कहा जाता है। बहार लेने का समय बाजार की मांग एवं सिंचाई जल की उपलब्धता पर निर्भर करता है। परन्तु बेक्टेरियल ब्लाइट रोग से प्रभावित क्षेत्रों में हस्त बहार लेना ठीक रहता है। शुष्क क्षेत्र जैसे राजस्थान जैसे राज्यों के लिये मृग बहार लेना उपयुक्त रहता है। बहार नियंत्रण के लिए 1.5 से 2.0 महीने पहले सिंचाई बंद कर दी जाती है। जिससे पौधा अपनी पत्तियां गिराना प्रारम्भ कर देता है, साथ ही पौधे के तनाव के अन्तिम समय में ईथरेल (2 से 2.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी) का छिड़काव करने से सभी पत्तिया गिर जाती है।

जब पौधा अपनी 80 से 85 प्रतिशत पत्तियां गिरा दे, तो पौधो की हल्की कटाई-छटाई भी कर दे उसके पश्चात् थालो की गुड़ाई करके हल्का पानी लगा देवे और सन्तुलित मात्रा में खाद एवं उर्वरक डालकर समय-समय पर सिचाई करते रहे। अनार में पुष्पन प्रारम्भ होने एवं फल तुड़ाई का समय इस प्रकार है, जैसे-

- अम्बे बहार (बसंत ऋतु) में पुष्पन का समय जनवरी से फरवरी, फल पकाव का समय जुलाई से अगस्त है।
- मृग बहार (वर्षा ऋतु) में पुष्पन का समय जून से जुलाई, फल पकाव का समय दिसम्बर से जनवरी है।
- हस्त बहार (गर्मी ऋतु) में पुष्पन का समय सितम्बर से अक्टूबर, फल पकाव का समय मार्च से अप्रेल है।अनार में खाद एवं उर्वरक साधारणतया फरवरी से अक्टूबर माह के मध्य डालते है। परन्तु खाद एवं उर्वरक देने का समय ली जाने वाली बहार पर निर्भर करता है। अम्बे बहार के लिए दिसम्बर से जनवरी, मृग बहार के लिए मई से जून तथा हस्त बहार के लिए सितम्बर से अक्टूबर माह में खाद एवं उर्वरक देनी चाहिए।

अनार में प्रथम सिंचाई पौधो के रोपण के तुरन्त पश्चात् कर दे और उसके बाद गर्मियों में 7 से 10 दिन के अंतराल पर और सर्दियों में 15 से 20 दिन के अंतराल पर सिंचाई करते रहना चाहिए। बरसात के मौसम में यदि बारिश नहीं होती है, तो आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहना चाहिए साथ ही जल भराव वाले क्षेत्रों में जल निकास की भी उचित व्यवस्था होनी चाहिए।

इसके महत्व को समझते हुए कृषकों को इसकी बागवानी उन्नत किस्मों के साथ वैज्ञानिक तकनीक से करनी चाहिए, ताकि इसकी फसल से अधिकतम उत्पादन प्राप्त किया जा सके।

उपयुक्त जलवायु

यह शुष्क एवं अर्द्धशुष्क क्षेत्रों में उगाये जाने वाला एक महत्वपूर्ण फल है। इसकी खेती को मुख्यतया तापमान, प्रकाश, आर्द्रता, वर्षा इत्यादि कारक प्रभावित करते है। अनार का पौधा बहुत कम तापमान से लेकर अत्यधिक तापमान (48 डिग्री सेल्शियस) पर भी अपने आप को जीवित रख लेता है। परन्तु अच्छी बढवार एवं उत्पादन के लिये 15 से 40 डिग्री सेल्शियस तापमान उपयुक्त पाया गया है, साथ ही ऐसे क्षेत्र जहा वार्षिक वर्षा का स्तर 500 से 800 मिलीमीटर तक रहता है, सर्वोतम होता है।

फलों के विकास और पकने के समय गर्म एवं शुष्क जलवायु अच्छी मानी जाती है। लम्बे समय तक उच्च तापमान रहने से फलों में मिठास बढ़ जाती है। जबकि आर्द्र जलवायु से फलों की गुणवत्ता प्रभावित होती है तथा फफूंद जनित रोगों का प्रकोप बढ़ जाता है।

अनार की खेती विभिन्न प्रकार की मृदाओं में सफलतापूर्वक की जा सकती है, परन्तु इसके सफल उत्पादन के लिए उचित जल निकास वाली बलुई-दोमट मिटटी जो कि जीवांश पदार्थों से प्रचुर हो उत्तम मानी गयी है। मृदा का पी एच मान 6.5 से ।.5 के मध्य अच्छा होता है, परन्तु 8.5 पी एच मान तक वाली मृदाओं में भी इसका उत्पादन लिया जा सकता है।

उन्नत किस्में

किस्मों का चयन करते समय सदैव बहुत सावधानी रखे क्योकिं किस्मों का प्रदर्शन, क्षेत्र की जलवायु, मौसम विशेष, मिटटी की दशा इत्यादि पर निर्भर करता है। क्षेत्र विशेष के लिये किस्म का चुनाव करते समय उसकी उत्पादन क्षमता, पकाव की अवधि, बाजार मांग, भण्डारण क्षमता, कीट एवं बीमारियों से प्रतिरोधिता इत्यादि बातो को ध्यान में रखे। पौध रोपण हेतु नये पौधे खरीदते समय यह भी ध्यान रखे कि पौधा उसी किस्म का तो है, जिसकी जरूरत है तथा यह भी सुनिश्चित कर ले कि पौधा स्वस्थ और रोग मुक्त है।

हमारे देश में उगायी जाने जाने वाली कुछ प्रमुख किस्में इस प्रकार है, जैसे- गणेश, भगवा, मृदुला, ज्योति, अरक्ता, रूबी, जालौर सीडलैस और जोधपुर रेड आदि है। जो की विभिन्न क्षेत्रों में सफलतापूर्वक उगाई जाती है।

प्रवर्धन तकनीक

पौध रोपण सामग्री फलों के उत्पादन, उत्पादकता एवं गुणवत्ता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अनार का प्रवर्धन बीज, तना कलम एवं गुटी विधि द्वारा आसानी से किया जा सकता है। परन्तु बीज द्वारा उगाये गये पौधे एक समान नही होते इसलिए प्रवर्धन में इस विधि का उपयोग कम होता है। सामान्यतया नये पौधे तैयार करने के लिये वानस्पतिक विधियां (कलम एवं एयर लेयरिंग) सर्वोत्तम मानी गयी है। इनके द्वारा तैयार पौधे गुणों में मातृ वृक्ष के समान होते है।

तना कलम विधि- नये पौधे तैयार करने के लिये यह एक आसान विधि है। इस के लिए पेन्सिल जितनी मोटाई वाली शाखा जो कि लगभग 9 से 12 माह पुरानी हो का चयन कर ले परन्तु यह ध्यान रखे की यह बगल वाली शाखा ना हो, जिनमें फूल एवं फल बनते है। कलम की लम्बाई 20 से 25 सेंटीमीटर की रखे। तैयार कलमों को रोपाई से पूर्व कार्बेन्डाजिम (1 ग्राम प्रति लीटर पानी) के घोल में लगभग 5 मिनट तक गुनगुने पानी के घोल में डुबोकर रखे, जिससे इन पर उपस्थित कीट एवं बीमारियों नष्ट हो जाये। इसके पश्चात् इन कलमों को इन्डोल ब्यूटाइरिक एसिड के 2 से 3 ग्राम प्रति लीटर पानी के घोल में 2 से 3 मिनट तक डुबोकर रखे। उपचारित कलमों को बालू या कोकोपिट के माध्यम में तिरछी रोंप दें।

तना कलम विधि के लिये बारिश वाला समय अच्छा होता है।

एयर लेयरिंग- इसे गुटी विधि के नाम से भी जानते हैं। गुटी तैयार करने के लिए पेन्सिल मोटाई की शाखा (10 से 15 सेंटीमीटर) जोकि लगभग एक वर्ष पुरानी हो का चयन कर ले। चयनित शाखा से छल्ले के आकार की 2.5 से 3 सेंटीमीटर लंबाई की छाल निकाल ली जाती है। छल्ले के ऊपरी सिरे पर सेराडेक्स पाउडर या इन्डोल ब्यूटारिक एसिड (आई बी ए) का लेप लगाकर छल्ले को नम मॉस घास से ढक कर ऊपर से लगभग 400 गेज की पॉलीथीन का 15 से 20 सेंटीमीटर चौड़ी पट्टी से 2 से 3 बार लपेटकर सुतली से दोनों सिरों को कस कर बांध दिया जाता हैं।

मॉस घास पानी को आसानी से अवशोषित कर लेती है। लगभग 2 महीने बाद जब बाहर से पॉलीथीन में जड़े दिखाई देती है, तब इस शाखा को मात्र वृक्ष से अलग कर लेना चाहिए।

रोपण का समय

खेत में पौधों की रोपाई का सही समय वहा की जलवायु पर निर्भर करता है। सामान्यतया रोपण बारिश के मौसम में किया जाता है। परन्तु यह देखा गया है कि बादलों के मौसम की तुलना में खुला मौसम रोपण के लिये अच्छा रहता है। शुष्क क्षेत्रों में जहा सिंचाई जल की ज्यादा कमी होती है, वहा इसका रोपण जुलाई से अगस्त में कर सकते है एवं जल की उपलब्धता होने पर यह कार्य फरवरी से मार्च में भी कर सकते है।

रेखांकन एवं पौध रोपण

पोधों का रोपण हमेशा ऐसी विधी से किया जाना चाहिए, जिससे ज्यादा से ज्यादा फायदा मिल सके। सही विधि के चयन से पौधो की देखभाल में कम खर्चे के साथ ही बाग में मौजूद संसाधनो का भी ठीक तरह से उपयोग किया जा सकता है। बाग लगाने के लिये वर्गाकार विधि सबसे आसान व सुगम है, इसमें सभी प्रकार के कृषि कार्य आसानी से किये जा सकते है। रेखांकन करने के पश्चात् खूटी वाले स्थानो पर गड्ढों की खुदाई का कार्य करे।

अनार के लिए गड्ढों का आकार 0.75 × 0.75 × 0. I5 मीटर रखे एवं दो गड्ढों के बीच की की दूरी 5 × 5 मीटर (400 पौधे प्रति हेक्टेयर) या 4 × 4 (625 पौधे प्रति हेक्टेयर) मीटर रखे। गड्ढे खोदते समय ऊपर की आधी मिट्टी एक तरफ एवं शेष आधी मिट्टी को दूसरी तरफ डाल दे। खुदाई के पश्चात् गड्ढों को 20 से 25 दिनों तक तेज धूप में खुला छोड़ दे, जिससे मिटटी में उपस्थित कीडे-मकौडे मर जायेगे।

गड्ढा खोदते समय ऊपर की जो आधी मिट्टी अलग रखी थी, उसमें लगभग 20 से 25 किलोग्राम अच्छी तरह सड़ी गली गोबर की खाद, 1 से 1.5 किलोग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट, 500 ग्राम नीम की खली के साथ 50 से 100 ग्राम एम पी डस्ट 2 प्रतिशत चूर्ण य I क्यूनालफास 1.5 प्रतिशत चूर्ण अच्छी तरह से मिला कर भर दे। गड्ढो को जमीन की सतह से 15 से 20 सेंमी ऊपर तक भर दे एवं व्यवस्थित होने के लिये छोड़ दे, 2 से 3 बारिश के पश्चात् जब मिट्टी नीचे बैठ जाये उसके बाद रोपण का कार्य प्रारम्भ करे।

खाद एवं उर्वरक

यदि पौधों को सन्तुलित मात्रा में खाद एवं उर्वरक दिया जाये तो निश्चित रूप से पौधों की अच्छी बढ़वार एवं उत्पादन के साथ-साथ अच्छी गुणवत्ता वाले फल भी प्राप्त किये जा सकते है। अत- जहा तक हो सके हमेशा मृदा जांच के उपरान्त ही खाद एवं उर्वरको का उपयोग करना चाहिए। अनार में खाद एवं उर्वरको की मात्रा, मृदा की उर्वरता, पौधे की उम्र तथा फसल को दी गयी कार्बनिक खाद की मात्रा पर निर्भर करती है। सामान्यत- अनार के बागों में खाद एवं उर्वरक की मात्रा इस प्रकार दी जाती है, जैसे-

- पहले वर्ष- 10 किलोग्राम गोबर खाद, 100 ग्राम नाइट्रोजन, 50 ग्राम फास्फोरस, 100 ग्राम पोटाश
- दुसरे वर्ष- 20 किलोग्राम गोबर खाद, 200 ग्राम नाइट्रोजन, 100 ग्राम फास्फोरस, 200 ग्राम पोटाश
- तीसरे वर्ष- 30 किलोग्राम गोबर खाद, 300 ग्राम नाइट्रोजन, 150 ग्राम फास्फोरस, 300 ग्राम पोटाश
- चोथे वर्ष- 40 किलोग्राम गोबर खाद, 400 ग्राम नाइट्रोजन, 200 ग्राम फास्फोरस, 400 ग्राम पोटाश
- पाचमें वर्ष व उसके बाद- 50 किलोग्राम गोबर खाद, 500 ग्राम नाइट्रोजन, 250 ग्राम फास्फोरस, 500 ग्राम पोटाश

खाद तथा उर्वरक को हमेशा पौधों के मुख्य तने से 20 से 30 सेंटीमीटर जगह छोड़कर ही डालना चाहिए। अनार में सूक्ष्म पोषक तत्वों का भी बहुत महत्व है, अत- इनकी कमी के लक्षण दिखाई देने पर इनका भी छिड़काव करे।

अनार के पौधों में सूखा सहन करने की क्षमता होती है, इसीलिये यह अधिकतर शुष्क एवं अर्धशुष्क क्षेत्रो में जहाँ पानी की सीमित मात्रा में उपलब्धता होती है, वहा उगाया जा सकता है। सिंचाई का सही समय कई कारको जैसे मृदा का प्रकार, मृदा में कार्बनिक पदार्थों की मात्रा, मौसम इत्यादि पर निर्भर करता है। रोपण के प्रारम्भिक वर्षों अर्थात पौधों पर फल शुरू होने से पहले कतारों में पड़ी खाली जगह पर कोई उपयुक्त फसल लेकर कुछ आमदनी ली जा सकती है। अन्तवर्ती फसल के रूप में सब्जियां अथवा दलहनी फसलें जैसे मटर, लोबिया, चना, मूग, उड़द इत्यादि उगाई जा सकती है। परन्तु यह जरूर ध्यान जरूर रखे कि अन्तवर्ती फसल के रूप में ऐसी सब्जियां ना उगावे जिनमें कीट एवं बिमारियों की समस्या ज्यादा आती हो। पौधो से उत्पादन प्रारम्भ होने के पश्चात् अन्य फसलें ना उगायें।

पौधो को दे सही आकार

अनार का पौधा झाड़ीनुमा होता है, इसलिए पौधों को उचित आकार व ढांचा देने के लिए काट-छांट व सधाई बहुत ही आवश्यक है। पौध रोपण के कुछ समय पश्चात् ही जमीन की सतह से कई शाखायें निकलने लग जाती है।

- (Compiled by: C M Sharma)

औषधीय गुणों से भरपूर कचनार

हमारी प्रकृति ने हमें ऐसी कई औषधियां दी हैं, जिनके बारे में अगर हमें ज्ञान हो जाए, तो हम कई जानलेवा बीमारियों को अपने पास भी ना भटकने दें। कुदरत ने कई पेड़ पौधों को औषधीय गुणों से भरपूर रखा है। इन्हीं में से एक कचनार का पेड़ भी है, जो ज्यादातर जंगली इलाकों में पाया जाता है। हर साल फरवरी-मार्च के महीने में ये पेड़ पूरी तरह फूलों से लद जाता है। इसके फूल, पत्तियां, तना और जड़ यानि सभी चीजें किसी न किसी बीमारी का निराकरण करने में बेहद लाभकारी हैं। कचनार को एक सुंदर और उपयोगी वृक्षों के रूप में जाना जाता है। इसकी कई प्रजातियां होती हैं। इनमें गुलाबी कचनार बेहद लाभकारी होता है। कचनार के फूलों की कली लंबी, हरी व गुलाबी रंग की होती है। आयुर्वेद में इसे बेहद चामत्कारी और औषधीय गुणों से भरपूर वृक्ष माना जाता है। कचनार के फूल और कलियां वात रोग, जोड़ों के दर्द के लिए विशेष लाभकारी है।

इस वृक्ष की जानकारी रखने वालों का मानना है कि, आमतौर पर इसकी कलियों की सब्जी बनाई जाती है। साथ ही, इसके फूलों का रायता बनाया जाता है, जो खाने में स्वादिष्ट तो होता ही है, साथ ही इससे रक्त पित्त, फोड़े, फुंसियों की समस्या भी ठीक होती है। जानकारों का कहना है कि, ये बात बिल्कुल सत्य है कि, अगर कचनार की विषेशताएं लोगों को पता चल जाएं, तो आमतौर पर जंगली इलाकों में मिल जाने वाला ये वृक्ष दुर्लभ की श्रेणी में आ जाएगा। आयुर्वेदिक में कचनार की छाल को भी शरीर के किसी भी हिस्से में बनी गांठ को गलाने के इस्तेमाल में लिया जाता है। इसके अलावा, रक्त विकार व त्वचा रोग जैसे- दाद, खाज-खुजली, एक्जीमा, फोड़े-फुंसी आदि में भी इसकी छाल बेहद लाभकारी है।

▶▶ इस्तेमाल का तरीका

इसके छाल का चूर्ण बनाकर इसे 3 से 6 ग्राम मात्रा में इस्तेमाल किया जाता है। इसके फूलों का रस 10 से 20 मिलीलीटर की मात्रा में प्रयोग किया जाता है और छाल का काढ़ा 40 से 80 मिलीलीटर की मात्रा में प्रयोग किया जाता है। इसकी छाल का महीन पिसा-छना चूर्ण 3 से 6 ग्राम (आधा से एक चम्मच) ठंडे पानी के साथ सुबह-शाम लेना लाभकारी होता है। इसका काढ़ा बनाकर भी सुबह-शाम 4-4 चम्मच मात्रा में (ठंडा करके) एक चम्मच शहद मिलाकर लेना फायदेमंद होता है।

▶▶ इस बीमारियों में है बेहद लाभकारी

-सूजन

कचनार की जड़ को पानी में घिसकर लेप बनाएं। इसे गर्म करके इसका लेप गर्म-गर्म सूजन वाली जगह पर लगाए, जल्दी ही आराम मिलेगा।

-मुंह के छाले

कचनार की छाल का काढ़ा बनाकर उसमें थोड़ा-सा कत्था मिला लें। इससे जल्दी ही छाले ठीक तो हो ही जाते हैं, इसके लगाते ही छालों की तक्लीफ में तुरंत आराम मिल जाता है।

-बवासीर

कचनार की एक चम्मच छाल को एक कप मट्ठा (छांछ) के साथ दिन में 3 बार सेवन करने से बवासीर में खून गिरना बंद हो जाएगा।कचनार की कलियों के पाउडर को मक्खन और शक्कर मिलकर 11 दिन खाने से पेट के कीड़े भी साफ हो जाते हैं।

-भूख न लगना

कचनार की फूल की कलियां घी में भूनकर सुबह-शाम खाने से खुछ ही दिनो में आपकी भूख बढ़ जाएगी, जिससे आप नियमित खाना खा सकेंगे।

-गैस की समस्या

कचनार की छाल का काढ़ा बनाकर, इसके 20 मिलीलीटर काढ़े में आधा चम्मच पिसी अजवायन मिलाकर प्रयोग पीने से गैस की समस्या के चलते होने वाली तक्लीफ से निजात मिलती है। इसे नियमित रूप से सुबह-शाम भोजन करने बाद पीने से पेट फूलने की समस्या और गैस की तकलीफ दूर होती है।

-खांसी-दमा

शहद के साथ कचनार की छाल का काढ़ा 2 चम्मच की मात्रा में दिन में 3 बार सेवन करने से खांसी और दमा में आराम मिलता है।

-दांतों का रोग-दर्द

कचनार के पेड़ की छाल को जलाकर उसकी राख से मंजन करना चाहिए। इस मंजन से सुबह एवं रात को खाना खाने के बाद मंजन करने से दांतों का दर्द तथा मसूढ़ों से खून का निकलना बंद होता है। साथ ही इसकी छाल को उबालने के बाद उसे शीशी में बंद करके रख लें। यह पानी 50-50 मिलीलीटर गर्म करके रोजाना 3 बार कुल्ला करें। इससे दांतों का हिलना, दर्द, खून निकलना, मसूढों की सूजन और पायरिया खत्म हो जाता है।

-कब्ज

कचनार के फूलों को चीनी के साथ घोटकर शर्बत की तरह बनाकर सुबह-शाम पीने से कब्ज दूर होती है और पेट साफ रहता है। कचनार के फूलों का गुलकन्द रात में सोने से पहले 2 चम्मच की मात्रा में कुछ दिनों तक सेवन करने से कब्ज दूर होती है।

-कैंसर

कचनार की छाल का काढ़ा बनाकर पीने से पेट का कैंसर ठीक होता है।

-दस्त सगना

कचनार की छाल का काढ़ा बनाकर दिन में 2 बार पीने से दस्त रोग में ठीक होता है। पेशाब के साथ खून आना-कचनार के फूलों का काढ़ा बनाकर सुबह-शाम पीने से पेशाब में खून का आना बंद होता है। इसके सेवन से रक्त प्रदर एवं रक्तस्राव आदि भी ठीक होता है।

-बवासीर

कचनार की छाल का चूर्ण बना लें और यह चूर्ण 3 ग्राम की मात्रा में एक गिलास छाछ के साथ लें। इसका सेवन प्रतिदिन सुबह-शाम करने से बवासीर एवं खूनी बवासीर में बेहद लाभ मिलता है। कचनार का चूर्ण 5 ग्राम की मात्रा में प्रतिदिन सुबह पानी के साथ खाने से बवासीर ठीक होता है।

STOP...!

MOSQUITO BREEDING

PREVENT MALARIA, DENGUE & CHIKUNGUNYA

- Do not allow water to stagnate in and around your surroundings.
- Keep water tanks and other water containers tightly covered with lids.
- Get your Blood tested from Govt. Hospital/ Health Worker in case of Fever with chills, rigors and headache.
- Empty water coolers once in a week.
- Discard/destroy Junk items like old tyres etc.
- Empty air coolers, drums, flower pots and birds bath weekly.
- Use Mosquito repellent creams and Bed nets while sleeping.
- Use netted screens on doors and windows.
- Wear full body clothes to prevent mosquito bites.
- Improve basic sanitation.

Symptoms

- **Dengue :** High fever, frontal headache, pain behind the eyes worsening with eye movement, muscle & joint paints, rash on the body, pain abdomen, nausea, vomiting, bleeding and low BP in severe cases.
- **Chikungunya :** Fever, joint paints, muscle pain, fatigue, headache, rash.
- **Malaria :** High grade fever with chills, sweating, headache, vomiting convulsions, weakness.

Visit nearby Health Institution if any of above diseases is suspected. Investigations & Treatment are free of cost in Govt. Institutions

DIP/J- 7220/25
Dtd: 24-10-2025

ISSUED IN PUBLIC INTEREST BY :
STATE MALARIOLOGIST/STATE PROGRAMME OFFICER, NVBDCP, J&K
DIRECTORATE OF HEALTH SERVICES JAMMU